उणियारा ओळ्यूंतणां

(राजस्थानी - सस्मरण)

डॉ अस्तअलीखा मलकाण

प्रकासक
पुस्तक मदिर
4 मूली क्वार्टर्स
नगर परिषद के पास
बीकानेर 334001

राजस्थानी भाषा साहित्य एव सस्कृति अकादमी बीकानेर
रे आर्थिक सैयोग सू प्रकाशित

पै'ली फाळ २००२ ई

मोल १०० रिपिया

टाइप सेटिग
जागिड कम्प्युटर्स
जोधपुर

छापणहार
कल्याणी प्रिण्टर्स
अलख सागर रोड
बीकानेर 334001

UNIYARA
(Rajasthani ...miniscences)
By Dr Ast Ali Khan Malkan

मायड़भासा राजस्थानी

रै

सगळै हेताळूवा अर पढोकड़ा

नै

अतस रै हेत सू

आ पोथी

समरपित

राजस्थानी भापा साहित्य अर सस्कृति अकादमी, बीकानर
रै आथिक सयोग सू प्रकासित

पुस्तक मदिर, बीकानेर
4, मूली क्वाटर्स नगर परिषद के पास
बीकानेर-334001

विगत

1 मगळौ वा 13

2 रौळियौ 21

3 हेमौ वघाणी 36

4 काळजीभौ 50

5 झोटियौ 59

6 विपळौ 76

7 पन्नी 96

अेक सखरो सस्मरण फगत साहित री रचना ई नीं व्है, वो समाजसास्त्रीय इतियास रो अेक महताऊ अध्याय पण व्है। भावै 'पन्नौ' व्हौ भावै 'झोटियो', भावै 'विपळौ' व्हौ भावै 'रौळियौ' लेखक री गैरी दीठ उण पात्र रै सागै उणरै परिवेस नै ई इण भात उकेरै कै पाठक उण पात्र री घणकरी विसेसतावा खुदौखुद जाण जावै। 'विपळौ' सस्मरण म्हारै इण कथन री साख भरै। अचळ विसेस री जीवण-सैली, रीत-रिवाज, आचार-वैवार, मान-मनवार, खाण-पीण, जीव-जनावर, आद किनरी ई बाता री जाणकारी व्हिया पूठै पाठक नै लखावै कै वो खुद किणी ढाणी रै मारग वग रैयो है, कै किणी वाखळ में वड रैयो है। वो जोगजी ठाकर रै सागै वेठौडी पन्नै रा अचूभै भर्या कारनामा सुण रैयो है। जो मौलवी समसेर सागै विपळै नै बोतल में बद कर'र जमींदोज करणआळा लोगा में सामिल हुयग्यौ है। वो रौळियै री अणूती रोळा रो रस लैय रह्यो है कै वो आपरै मोरा माथै खाड री दोय बोरिया ऊचाया झोटियै रै सागै हाल रैयौ है। म्हैं पाठक रै इण भात रै 'इन्वोलवमेन्ट' नै लेखक री जबरी सफलता मानू हू।

डॉ श्री मलकाण राजस्थानी रा लूठा लिखारा है। या री भासा में आचलिक ओखाणा रो सुभाविक प्रयोग तो हुयो ई है पण केई वेळा बिना कैवता-ओखाणा रै उपयोग कीधा ई लोक-कथन सैली रै पाण वै चमत्कार उत्पन्न कर देवै। इणनै डॉ श्री मळकाण री भासा-सैली री निजू ओळखाण कैयी जाय सकै।

ओ सस्मरण संग्रै राजस्थानी साहित री सस्मरण-सिरजण धारा में आपरी ठावकी ठौड बणावतौ थकौ डॉ श्री मलकाण री कीरत नै वधावेला इण माय म्हनै रत्ती भर ई सको नीं है।

35, खारोल कॉलोनी, फतहपुरा
उदयपुर (राजस्थान) 313004

-डॉ भगवतीलाल व्यास

लिखारै रा दो आखर

मिनखजमारी घणी भात री। ओ कठै ई कोजौ तो कठै ई सातरो। मिनखा री परकत न्यारी न्यारी नै उण परकत मुजब वा री कमन्यावा ई केई तरा री। मिनख रा अै कमतर नै कमन्यावा मिनख रीज दीठ में हळकी-भारी, ऊची-नीची, चोखी-ओखी, सरावणजोग-विसरावणजोग मतेई बणगी। स्रष्टि री उत्पत सू लेयनै अजूस ओ ई क्रम समाज में चालतो आयो। समाज में सैंग तरा रा मिनख लाधै। कैई ग्यानी व्है तो कैई मूरख। इण धरती माथै सूरा नरा लाधै तो कायरा री ई तोटो नीं। अडीजत बळ विक्रम अर अराडी आकूत रा धणी लाधै तो धाप नै कळहीणा री कमी पण कोनी। कैई आपरो चरितर ऊची टाग नै अनीत करमा में पुरजोर लागोडा तो कैई चरितर रा धणी नै नीति अर धरमतणै कामा में आपरो जीव रमायोडा। कैई रात-दिन भगवान नै जपणिया तो कैई आठू पीर कोजोडी कमन्यावा सू खपणिया। कैई पाप करणिया तो कैई उण सागै ई पाप सू डरणिया। कैई नेमी धरमी तो कैई मोटा कुकरमी। कैई भोळा-ढाळा तो कैई मा' ओटाळा। कैई हक हलाल री खावणिया तो कैई परधन गटकावणिया। कैई साप्रत मिनखपणै री मूरत तो कैई पाखडी, दभी नै धूरत। कैई लाधै दुख पैदा करणिया तो कैई उणीज दुख नै हरणिया। कैई मिनख व्है ज्यू बिरखा में अेरड तो कैई लाधै ज्यू जिनावरा में फेरड। कैवण रौ मतलब ओ कै आपणै समाज मैं हर तरह रा मिनखा री सैंग बानगिया लाधै।

मिनख री जिनगी घणी लाबी व्है। आपरी जिनगाणी में वो कैई तरा रा अनुभव हासल करै। उणनै घाट-घाट रो पाणी पीणो पडै। पेट खातर देस-परदेस

में भटकणी पडै। उणनै कैई तरा रा कमतर करणा पडै। आ सगळै कामा में उणरी वास्तौ घणे मिनखा सू पडै। आपरी जिनगी में वो कैई उन्हा-ठाडा वायरा देखै। उणनै जिनगी रै उतार-चढाव आळे मारगा सू गुजरणी पडै। इण तरा जिनगी आळी जात्रा में उणरो केई मिनखा सू सजोग वणै। आ मिनखा में कैई मिनख अेडा व्है जिका में कीं न कीं कोई खास मेताऊ वात व्हे जकी दूजोडै मिनखा में नीं लाधै। आ खास वात इतरी परभावसाळी व्है कै अन्तस में उण खास वात री पडविम्ब पडनै अडीजत पक्कौ रूप धारण करलै। वो परभाव हिरदै में नेखम वण जाय। *अतस माथै अै पडविम्ब ओळखाण री अेडी छाप छोडै कै वा ओळ्यू वण जावै।* इण ओळ्यू नै मिनख आपरी जिनगाणी में कदैई नीं पातरै। आ ओळ्यू उणरै हियै में माडणा री ज्यू मड जावै। अै पडविम्ब और कीं नीं व्है, उण मिनख री खास कमज्यावातणी ओळखाण व्है। विजोग व्हिया पछै मिनख नै फुरसत री वेळा में उणरी ओळ्यू आयै टाळ कद रेवै? ओळ्यूतणा चित्राम आखिया थकै साप्रत रूप सु घूमण लागै। अै चित्राम ई वण जावै-औळ्यूतणा उणियारा, ओळ्यू री अखियाता अर ओळ्यू री कहाणिया।

म्हारी अडतीस वरसा री अध्यापक जूण में प्राइमरी सू लैयनै सीनियर सैकण्डरी ताई पढावण री काम पड्यो। *गाव कस्वा अर सै'रा में सैंग ठोडा जावण* री ओसर मिल्यौ। आपणी सस्कृति रा परतख दरसण म्हनै गावा री जिनगाणी में ईज व्हिया। म्हे विना लाग लपेट साफ कैय सकू कै आपणे राजस्थान रा गाव *आपणी सस्क्रति री थरोड तो है ईज पण साथै ई साथै मिनखपणै रा सातरा मिदर* ई है। आ मिदरा में अजै ई मिनखपणी लाधै क्यू कै अठै पिछमाद आळी अपसस्क्रति रौ पगफेरौ अजै नीं व्हियौ। वै अजै इणसू अछूता हे। गावा आळी सस्क्रति सू म्हैं घणौ प्रभावित हुयौ अर म्हारै अतस माथै इणरी छाप अमिट रूप सू अकित व्हैगी। गाव री जीवण म्हनै घणौ दाय आयौ नै प्रभावित करियौ। गावा आळे सेवाकाळ में म्हनै जका अनुभव तो व्हिया जका व्हिया पण मिनखा सू सजोग अर विजोग री क्रम ई भेळौ चालतौ रैयौ। न्यारी-न्यारी ठौडा माथै न्यारै-न्यारै मिनखा री नीं भूलण जोग वाता म्हारै अतस में ओळ्यू रूप में जमा व्हेती गई। कैई वरस व्हैगा, अै सगळा चित्राम हियै रै माय पड्या-पड्या अमूजै हा पण

बगततणी अबकाया कानी सू म्हैं खुद ई आ चित्रामा नै बा'रै काढण में वेवस हो। अब कली फुरसत री घडिया आई नै म्हैं वा विखरियोडै ओळ्यूतणै चित्रामा ने हेकी ठौड लायनै अेक ई हार में पिरोवण रौ सराजाम करियो।

ओळ्यूतणा दरसाव कथ रै पटळ रौ पसराव करियोडा केडाक बण पडिया है, इण वात रौ निरणय तो सुधी पाठका नै करणौ हे। लेखण रा पारखू तो पाठक ई हुया करै है। पाठका नै जे कठै इण पोथी में किणी तरै री भूल चूक निगै आवे तो बै म्हनैं उण भूल सू सावधान जरूर करैला जिणसू भूल रौ सुधार व्है सकै। मायडभासा रै पाठका रै हाथा में आ सस्मरणा री पोथी देवता म्हनै घणी हरख व्है। पाठका नै जै अै सस्मरण दाय आया तो म्हैं म्हारो स्रम सारथक समझूला।

–डॉ अस्तअलीखा मलकाण



मंगळौ बा

जिनगाणी रा अस्सी वरस गिट्यौडा मगळौ बा गाँव में सै सू पुख्ता मिनख। उन्हा-ठाडा बायरा रा घणा दोटा दीठोडा। बतळ सारू कदी-कदी वै म्हारै गोडै आ धमकता। हाथ में गेडी, खवै माथै अगोछियौ न्हाख्योडो, गोळ धोळो पोतियौ बाध्योडा, गोडा ताई लट्ठे री धोळी धोती नै उणीज लट्ठे री धोळी धक्क अगरखी पैरियोडी वै अळगी था सू आवता ई छाना नीं रैवता। वा नै आवता देखनै म्हारौ हियौ बासा उछळण लाग जावतो, क्यू क वा री बाता में म्हनै घणौ आणद अर रस आवतौ। वा री चरितर ई दूजै मिनखा सू कीं न्यारौ-निरवाळौ ईज हो। मगळौ बा साफ सुथरै भोळै दिल रा आदमी। वा री बाता में लगार ई लाग लपेट नीं। कूड वारै सारू अफीण जेडी। किणी मिनख री आगी-पाछी करणे री तीन तलाक। दगै-कपट सू कोसा दूर। आपरी'ज राव पीवणिया। बा'रै माय सू अैकसा। चुगली-चाटी करण आळी रात ई जलम नीं लियो। साचोडी बात सभा रै माय खळकावता जेज नीं करै। भलाई किणनै इमी जेडी लागौ क्र डाम सिरखी, मगळै बा नै कीं परवा नीं। परबीती सू घरबीती कैवण रो इधको सुभाव। वा री जेडो खत उजळो वेडौ ई माय सू अतौ। ओईज कारण के आखे गाव आळा वा नै आदर सन्मान घणौ देवे।

मगळौ बा जेडा चरितर रा धणी हा, वेडा ई डील रा धणी। सवा छ फुट रै लगेटगै डीगा। हाथ पग नाक कान उमर गैल खीण जरूर व्हैगा, पण अजू ताई वा में अेक परोख आपाण री झलक निगे आवे। वारा अग-अवयव जाणे वारी जवानी रै गाढ री कहाणिया केवता लखावे। म्हैं गाव रै घणकरै मिनखा रै मूडै सू मगळै बा री जवानी आळे गाढ रा परसग सुण चुक्यौ हो। लोग कैवता के वा'रै-बा'रै कोसा री भा में मगळै बा री जोड रौ मल्लजोध म्है तो नीं दीठो। मगळौ जिकण सू खसियौ, धकनौ तो समझलौ बापडौ जम री फास में फसियौ। राघड में

गाढ री पार नीं। कुस्ती रै माय मगळी गाव री नाक कदेई नीं कटाई। मल्ल आवता पाण सामलै नै धूळ चटाइ। कुस्ती में मगळी कदेई आप रै मौरा रै धूळ नीं लागण दी। किणरी मा अजमो खायौ जको मगळै नै पटक दै। मगळी जिण सू इ भिडियौ उणनै दिन में तारा दिखाय नै छोड्या। दिल्ली फकीरा जोगी तो अवे व्ही है। नींतर किणी वगत मगळे रा पत्थर तिरता। दिन लाग्या तो देवळ ई डिगै, मगळे नै के बराज।

मगळी वा म्हारे गोडै आय नै राम-राम करी। म्हैं मोकळी आवकार देयनै वा नै माची माथै बैठाया। थै आपरी गेडी अेक खुणे में ऊभी करनै माची माथै आडा व्हेगा।

"पाधरा ढाणी सू ईज आवता हो क और कठी नू आया?" म्हैं पूछ्यौ।

"नीं माडसाव! म्हैं तो मूळे री ढाणी ऊ आयो। आपनै ठाईज व्हैला क मूळै री मा डोकरी गवरी राम करगी, बैठण सारू गयो अर वठा सू ऊठता ई आपरी ओळू आयगी, बुओ आयो।

मगळी वा ! थे जबर मै'र करी। दो च्यार घडी वतळ करनै जीव सोरौ करस्या।

नसै-पते कानी सू मगळौ वा मुगत व्हियोडा। अन्न रै टाळ कीं दूजो नसौ नीं। चूकता नसा वा रै सारू अलीण।

म्हारे आ भी बात सुणियोडी क जवानी में मगळे री डील थुथकी न्हाखे जेडी हो। काधौ जाणे पाडे रो तो डाकी रो बुक्क सिध रै जोडै। बूकिया वजरवट्ट अेडा घणियोडा जाणे वेमाता रै निकमी वेळा में बैठनै नेहचे सू घडियोडा। गोळ मूडे माथै मूछा भौंहा सू वाता करै, पण वडापणो इतरो क मगळी आपरै गाढ माथै कदेई गरब गुमेज नीं करै। वळ अर विक्रम रै धणी रा वे दिन कुनै ई पदडका देयगा। काळगति रै चक्कर सू अवै तो मगळो वा बूढा व्हेगा, लारला दिन लारे रैग्या।

खासी ताळ तो वै धर गिरस्थी री वाता में अळूझ्योडा रैया नै पछे अेक लाबी निसासी न्हाखता थका बोल्या-

माडसाव! म्हैं इण बगत नै निवण करू। वगत दुनिया में वडो वळवान है। ओ बुढापो मिनख री जिनगाणी रो सै सू मोटी रिप है। आज जदै जवानी आळै

दिना रा चित्राम आँखिया सामी आवै तो काळजौ कठा में नीं मावै। जवानी में आधा व्हियोडा कदी ओ विचार तक नीं करियौ क कदेई अेडा कोजा दिन देखणा पडैला। पण अै सगळी वाता वगत वणावे, इणमें फरक नीं।

म्हैं मगळै वा री वात रौ समरथन करतौ कह्यौ-हा मगळौ वा! आपरी वाता सोळा आना साव। वगत री तौ लीला ई जवरी है। वगत सै कीं करावै। रक ने राजा वणावै अर राजा नै जे चावै तौ रक वणाय दै। देखौ मगळौ वा! ओ वगत रावण, कस, सैसवाहु, भींयी पाण्डु अर हडमान जेडै जोधा नै इण पिरथी माथ सू खळाडळा कर न्हाख्या। मोटा मोटा भूपत आज लुपत व्हैगा। आज वारी धोरा री ई पतौ नीं क वै किण जागा दफणीज्या। वगत री सवळायी ने सकळायी नै कोई नीं पूगै। इण सारू ई कोई भलै मिनख कयौ है-'वगत सू मिनख नै डरणौ चाहिजै।'

मौकौ ठीक आयोडौ जाणनै म्हैं मगळै वानै कह्यौ-आज तो मगळौ वा थे थारी जिनगी में लडियोडी कोई सागेडी कुस्ती री अेकाध वात सुणावौ जिणसू आणद आ जावै। आज थारी आपरी कुस्ती री वात थारै आपरै मूंडै सू सुणण सारू म्हारै हियै मैं इछ्या जागगी।

मगळौ वा माची माथै आडा व्हियोडा हा, भच्चदेणी वैठा व्हैगा। वै चिनीक जेज तौ मौन वैठा रैया नै पछै अेक मोटी खैंखारौ करने वोल्या-माडसाब! जे आपरौ मन इण बात नै सुणण सारू इतरी अधीर व्हैगौ तो म्हैं आपने म्हारी अेक दो कुस्तिया रा किस्सा सुणाय दू। मगळौ वा आपरी बात माडी-

यू तो माडसाव! म्हैं म्हारी जिनगी में कैई खसणहारा सू खसियो पण म्हारा दो च्यारेक मल्ल खासा जवरा रैया जका म्हनें अजै याद है। वात खासी पुराणी व्हैगी, पचास वरसा रै लगैटगे। वा दिना म्हैं भरपूर मोटियार, तीस वत्तीस रै लगैटगै। वै तो माडसाव! दिन ई दूजा। अरड जवानी। वूकिया में गाढ मावे नीं। छाती आळी कूत जाणै ऊफणै। जवानी लोढै चढियोडी। अवर साव नारेळी जितोक दीसे। जोवण रौ खुमार चढियोडौ। वा व्हियोडी क "म्हने घडगी जकी वाड में ई वडगी।" आपाणै गाव रै आथूणै ओरण में गोगोजी रै थान माथै जोरदार मेळौ भरियोडौ। घणी-घणी भा सू खचियोडा लोग इण मेळे में आवै। गोगोजी रौ परचो भारी। मेळै में जावण सू दोय लाभ। मिनख आपरी जरूरत मुजव चीज वसत री खरीद ई करले अर अळगलै भाई सैणा सू मिळणौ ई व्है जाय। म्हैं इण मेळे में सालूसाल जावतौ। इण वरस म्है नौ जणा आपणै गाव सू मेळै गया। म्हारै साथै

खेती चोधरी, लिखमी राईको, वगडू विश्नोई, जेठो भील, अमरो सुथार, फूलो लुहार, पदमो कुमार नै रहीमो तेली हो। मेळे में पूगता पाण म्है सीधा थान माथै गया। गोग चव्हाण नै नारेळ चाढ्या नै पछे मेळे में फिरण लागा। मेळै में मिनख मावे नीं। अणूतो ई मानखो अडवडे। भात-भात री दुकाना लागोडी नै तरा-तरा रा खेल-तमासा मडियोडा। म्हानें थोडीसीक अळगी भा खासी भीड निगे आई। म्हे सैंग जणा उण भीड कने पूग्या। मिनख अेक मोटो गोल घेरो करियोडा ऊभा। म्हें अजूस अेडो दरसाव दीठो नीं हो। उण घेरे रै विचाळै अेक डील री धणी मिनख होळे-होळे चक्कर काटे। उणरे अेक पग में साकळ घात्योडी जकी वो चाले जद भेळी ठिरडीजे। म्हानै उणरै इण कमतर री कारण नीं लाधी। पाखती ऊभोडे अेक मोटियार नै म्हें पूछ्यो-''माटी ओ के कौतग है?''

वो मिनख वोल्यो-''भाया! ओ अेक नामीगिरामी पहलवान है। ओ चावे क कोई इण सू खसै-मतलव कुस्ती लडै। जिणनै इण सू भिडणो व्है, वो इण साकळ माथे आपरो पग मेलदे। पग मेलताई ओ पग मेलणिये नै वोकार लेवेला अर दोना री कुस्ती व्है जावेला।

ठीक आ बात है! अबै भेद लाधो। साकळ आळो भेद लाधता पाण माडसाव! म्हारै अतस रो पहलवान जाग्रत व्हेन अेडो भींभरियो के म्हें वेकाबू व्हेगो। म्हारी वोटी-वोटी नाचण लागगी। डील री रुआळी ऊभी व्हेगी। सगळै डील में झाळ उपडगी। म्हनें चिडाळी छूटगी। वृकिया फाटे। अेक चढै ने अेक ऊतरै। तमोळ अेडी आवे'क इण पहलवान री पहलवानी धूळ में मिलाय दू। अेडी रटकी करू क कुत्ता ई खीर नी खावे। ओ मल्लजोध तो पातर नै ई इण गाव में भळे नीं आवे। गाव री नाक काटनै जे ओ जावे तो आपा जीवता ई मुवोडे जेडा। आपणा तो मा रा चूंगियोडा हाचळ अळिया ई गिया। म्हे उण घेरे में जावण री पूरी खप्पत करू पण वगडू नै रहीमो म्हनें सैंठो झाल लियो। वे तो अेक ई रट लगावे क ओ अळगनो पहलवान है। नीं ठा इणमै कितरो गाढ है? इणरे टाळ इणनै दाव पेच इ घणा आवे। आगो वळण दे। आपणे इणसू नीं खसणो।

म्हे जदै उण पहलवान सामी झाख्यो तो वो तो मिज्याज में ई नी मावे। गुमेज सू भरयोडो खुद नै हडमान सू कम नीं समझै। म्हे वोल्यो-वगडू थू अर रहीमो म्हनै अबे छोडो। म्हनें तो वस इणरी टरड मेटणी है। ओ किसो पाडुपुतर भींयो है?

अेडी गाडरा तो म्हैं कैई दीठी है। म्हारी घणी जिद्द सू वै दोनू ई म्हनैं छोड दियौ। घेरे में जावती वगत रहीमो नै वगडू म्हनैं इतरी भोळावण जरूर दीनी क सावचेत कैडौ रेवै। औपरो मिनख है।

म्हैं घेरै में जाय पूगो नै पहलवान रै पग में ठिरडीजती साकळ माथे म्हारा पग रोप दिया जाणै रावण रै दरबार में आपरा पग अगद रोप्या हा। साकळ माथे पग धरताई पहलवान म्हारे सामी घूरनै देखियौ जाणै कैवतौ व्है-क्यू मोत नै नूतो देवै? पहलवान आपरे पग री साकळ खोलने अळगी न्हाख दी। म्हारै सू हाथ मिलायौ-

म्हारो नाव धूडो है अर सामलै ने म्हैं धूड भेळो करतौ जेज नीं करू। पहलवान बोल्यौ।

म्हारो ई नाव मगळो है अर म्हैं ई धक्लै ने मगळ मेलतौ दमेक लगाऊ। म्हैं पडूतर दियौ।

आ बोला साथै ई म्हे दोनू मिडग्या। धूडो कुस्ती रौ खासो कारीगर हो। म्हनैं रेडण सारू खासी अटकळा काम में ली पण पूरो वळ लगाय नै म्हैं उणरै दावा-पेचा माथै पाणी फेर दियौ। वो आपरै हातळ रौ पूरी वळ लगाय नै म्हारली घाटकी नै लाळण रो जतन करे उण पुळ में म्हैं म्हारे हाथ आळी पजो उणरी हिचकी रै हेठै देयनै ऊची अेडी करू क लाडी रो थोवडो आभे सामी व्हे जाय। सामी जोवण रा सपना ई आवै। अेकाध बार उण वगली ई मारी पण दाळ नीं गळी। ओखाणी कूडो नीं है कै बळ धके बुध वापडी व्है जाया करै। म्हैं तो आव देख्यो न ताव, लपक नै दोनू हाथा सू उणरी कमर कस ने पकडली। दोनू पजा नै काठा कस लिया धूडौ अेडौ कावू व्हियौ जाणै वळद पजाळी में झिलियो व्है। दोनू हाथा सू मुरडता ई पहलवानजी सीधा सणक व्हैन म्हारी छाती सू चिपकग्या जाणे-घणे दिना सू गळै मिलता व्है। सीधी होवता ई पहलवान नै ढूगळी माथै चाढनै अेडौ फोरियौ के पडतै रौ हब्बीड वाज्यौ। वो चित्त तो व्हियौ जको व्हियो पण भखेतणी जोर री आछट लागण सू बेहोस न्यारौ व्हैगौ। धूळ भेळा व्हियोडा धूडोजी नै मिनखा खासी ताल मसळिया जणै कठैई धूड सू उठनै बैठा व्हिया। धूडे रौ माथौ धूड में करनै म्हे सैंग जणा आपणे गाव आळी डाडी पकडी अर ब्याळू टाणै ताई ढाणी आय पूग्या।

धूडे आळी बात पूरी करनै मगळौ बा थोडोक फूकारी लियौ अर भळै केवण लागा-

माडसाव! आज सू चाळीसेक वरस पैला री वात है। आपणे गाव में पोकर चौधरी री ढाणी में होळी री रैयाण। गाव रा नेना-मोटा घणकरा मिनख पोकर री ढाणी में भेळा व्हियोडा। ढाणी री वाखळ रै वा'रै मोटोडे नीमडै रै हेठै ठाडी छिया में मिनख गदा, भाखला नै भात भतीली दरिया विछायोडी बैठा। केसरियौ घोटीजै नै मिनखा री डोढी मनवारा व्है। खरळ, घोटा अर पोता वाटकिया, गळणी सैंग आप-आप री ठौड जुगत सू पडी। केई गाळियोडौ पीवे तो कैई नान्हा नुकरा करियोडा मूंडे में दावे। सभा में केई मोटा कडीर ई बैठा। अमल री झेरा में वारा नाक जमीन सू वात्ता करे। अमल सू चूच व्हियोडा कैई जणा वाता रा टोळ गुडावै तो कैई वधाणी भाखला माथे लावा व्हियोडा नींद घुरावे। चिनीक छेटी सू छोरा कबडी माड राखी। मोटोडा री देखादेख नेनकिया टींगर ई कबडी री पाळौ माड राख्यौ ने रम्मत करे। हथाई जोरदार जुडियोडी। चाय अमला रा धोपटा उडै। नूवौ दिन। सैंगा रै मूडे माथै नूराणी। म्हें ई वा मिनखा में वेठौ। मझ देपारा री टाणौ व्हियो जद पोकर देपारौ करावण री तेवड करी। देपारै में मोठ बाजरी री खीच अर उणमें घी। साथै गळवाणी। कैई बूढा ठाडा हा, वा सारू रोटिया और ओलण छाछ आळी खाटी। थाळिया परोसीजी अर नेना-मोटा सैंग जणा देपारा करिया। देपारा करिया पछै लोगडा पूठा हथाया में लागगा।

जोग-सजोग सू उण मौके माथे अळगलै गाव री अेक आदमी आ धमकियौ। सगळा सू राम-राम करनै वो रियाण में वैठगौ। नाव उणरो पेमौ। पैमै नै ई देपारौ करायौ। पेमौ डील अर गाढ दोनू रो धणी। रग पक्कौ। कद काठी सागेडी। जवानी ढळियोडी पण वुढापौ खासौ अळगौ। कुस्ती रौ पक्कौ रसियौ। मिनख री वातचीत उणरा हाव-भाव, अर बौवार सू उणरी परकत री ठा पड जावै। पेमै रै पाखती वैठोडा मिनख तुमार कर लियौ क पेमौ कुस्ती लडण रो कीं सौक राखतो दीसै।

"कीकर पेमा! थू ई कुस्ती लडण रौ कीं सौक राखै?" पाखती वेठौ लाधू पूछ वैठौ।

"खासौ सौक है भाईडा!" पेमौ पडूतर दियौ। पण म्हनै तो इण रैयाण में म्हारै सू दो-दो हाथ करै जेडो कोई निगे नीं आयौ। म्हैं आयौ तो घणी हूस लेयनै हो पण म्हारी हूस हिये में नियोडीज पाछी जावणी पडसी, अेडी ई टगढाळौ दीसै। पेमौ निसासौ नाखतौ वोल्यौ।

"आछो फिकर करियौ वावळा! आज नूवें दिन रा, थू लावी भा सू आयोडी मूगी मिजमान, हियै में कुस्ती लडण री वळवती हूस लियोडी जे पूठी निरास व्हैन जावै तो म्है मिनख जमारै ई क्यू आया? मा रै ओदर में नौ महिणा लोटनै उण जणणी नै क्यू दुख दीनो? मा रै हाचळा रो इमी सरीखो धोळो दूध जिकण नै चूग्यो अर जलम आळे दिन लुगाया जका थाळी बजाई आ दोनू ई वाता रो के वणै पेमा? इतरी मोटी सभा में कोई न कोई माई रो लाल अवस लाधैला। रोवते नै वाऽऽर घालती लाय जाया करै। आळोच करै जेडी वात कोनी।" मगळी वोल पड्या।

पेमी मगळे नै खरी मीट सू झाक्यौ। समझग्यौ क म्हारै सू खेटी करणियौ ओ ई है।

पेमी ऊभी व्हैगी। म्हैं ढील करू जेडी कद री। म्है दोनू जणा साफ सुथरी जागा में आयनै ऊभगा। दोनू ई डीगा नै डाड तो सरीखा पण पेमै री रग घणी पक्की अर डील कडतूडै री ज्यू अगळ-डगळ होवण सू अणूती कोजी लखावै। मिनखा रै हसण व्हैगी। कुस्ती देखण रै कोड सू छोरा ई आपरी कवडी रौ खेल छोडनै वा मिनखा में आय मिळिया। म्हू अर मगळी आमी-सामी व्हिया।

"ओ पैलडी ईज काम है का पैला किणी मिनख सू खसिया हा मगला?" पेमो पूछियौ।

म्हैं वोल्यौं-"पैलडी काम तो नीं है पेमा! कैई थतरजी म्हारै हाथा सू धूड चाटनै गिया है। घणा जणा नै म्हैं माथैतणा, भखेतणा नै डूगळीतणा ले लेयनै हविन्दा वोलाया है जका वा नै स्यात अजे याद व्हैला। अेक जणै नै तो डूढतणी अेडी हवीडियौ कै वापडै री वूझ आध घडी सू दूर व्ही। कैई जणा आपरा चूळ ढीला कराय नै नेहची करियौ है। घणै भाया रै मोरा री खुजाळ भागनै छोडी है। कैया री अभूज दूर करनै वा नै हळका करिया है। म्हारै सू कुस्ती आयनै कैई भाई तो भळे कुस्ती नीं आवण रौ सकळप ले लीनौ।'

अवै पेमी नै म्है हाथ मिलाया। हाथ मिलाता ई म्हैं पेमै रो गाढ तोल लियौ अर उणरी कूत पिछाणली। म्हारे खसण री अेक रटको ई न्यारी भात रौ व्हिया करतौ। भिडिया पछै म्हैं धकलै नै औसर नीं लेवण देवतौ। कदी वगली, कदी फींचियौ, तो कदी गावड लारै पजै आळी अडीजन्त अराडी झाट। अै दाव लगोलग अेडी फुरती सू चालता कै देखणिया हेप सू आपरै दाता हेठै आगळिया दवाय लेवता। म्हारी इण राफटरोळ सू धकलो तो वगनौ व्हैयनै ओचट में पड जावतौ।

म्हें कैई वार कैई दाव काम में लीना पण रागस रै वचिये रै उणियार पेमे वख में नीं आयो। पेमो ई म्हारे सिर वाये जेड़ो। म्हें डाळ-डाळ तो पेमो पान-पान। म्हें जको दाव लू उणनै आगूंच ओळख नै विफळ कर न्हाखे। म्हें अळूझाड में पडग्यो। अव इण पनीत नै किण विध काबू करां? आज तो अेक अणवड दांड सू वाथेडो कर लियो। आज ओ जम पानै कैंडो पडग्यो? सुग्रीव रै कडवे री ज्यू ओ कित्त ऊ आयो? भगवान ई वेडो पार करें। म्हें जाणग्यो क ओ पून यू सारे सास वख में आवण आळो नीं है। इणरी तो जे मोडकी म्हारी काख में थिन जाय तो म्हारा मनचित्या पूरा व्है। खसता-खसता सेवट पेमे री मोडकी म्हारी वगल में आयगी। पेमो आपरी माथो कढावण री खप्पत में पाछ नीं राखी। पण म्हारा बूकिया तो सुथार आळे सिकूजे रै जोडे। माथो तो अव के छूटे, छूटे तो पेमे री पेट भलाई छूटो। अवै म्हें पेमे नै म्हारे कराटे रै वळ सू अेडी सिरतणी पछाड्यौ के उणरी मोडको, आधोक रेत में कळीजग्यो। मोरातणी करनै म्हें उणरी छाती माथे वैठगो। खासी ताळ उणनै उन्ही वाळू में रिगदोळियो। मिनखा म्हनें घणा-घणा धिनवाद देवता ऊचाय लीनो। पेमो उठनै नींमडे री छिया में वैठगो।

"वाह रै मगळा वाह।" वैठोडे मिनखा माय सू खासा जणा अेक साथे वोल्या।

आपरी कुस्तिया री अै दोनू वाता विगत सू कैयनै मगळो वा चिनीक टेम मौन व्हैगा। वै विचारा में खोयगा कै वै वाता कित्तरी लारै रैयगी। वा नै तो अवै घोडा ई नीं पूगै। वै आपरी गेडी उठाई नै जावण री तेवड करी। अेक मोटी खेंखारो करियो नै म्हारै सू राम-राम करनै व्हीर व्हैगा। म्हें आपणी सस्कृति री परपरा नै पाळती खासी भा वा नै पूगावण ने आयो। मगळो वा ढवग्या, म्हनै पाछो मेलण सारू।

"माडसाव! अवे आप पूठा पधारो। कदैई भळे आऊला।" मगळो वा वोल्या।

मगळो वा पगडाडी माथे होळै-होळे डग भरता आपरी ढाणी रै साधीके जावै हा। म्हारी आखिया में वा री जवानी रा चित्राम फिलम री रील दाई घूमै हा। सोच्यौ-मल्लजुद्ध रै माय आपरी जवानी में कैडो वेजोड राघड हो मगळो वा। म्हें आज भी सोचू कै नूवीं पीढी में कोई होवैला अेडो मगळो वा?



रौळियौ

''आज तो टीकू राईकै आळी विचोटियो छोरडी आपरी पुळछ आळी डीगोडी खेजडी माथै ऊ ढूढतणौ वडौ कुजरबौ पड्यौ। वापडै रै खासी लागी वतावै।'' भोमौ म्हारै कनै बात करी। रतनौ, फूलौ, सुरतौ नै वळूतौ म्हारै कनै ऊभा रैया। वै टीकू आळी ढाणी जावै हा।'' भोमो भळे कह्यो।

म्हैं भोमे सामी झाकनै वोल्यौ-''भोमा ! वापडे टीकू रै बातडी कावळ बरतीजगी भाईडा। वस्ती में भेळा वैठा हा, घडीक आपा ई जायनै आ जावा।'' भोमौ हा भरली।

म्है टुरग्या। टीकू आळी ढाणी खासी अळगी ही, म्है दोनू वतळ करता-करता आधेक घंटै सू जाय पूग्या। ढाणी में वडताई बाखळ में डावै हाथ कानी गै'रो नीमडौ। नीमडे रै हेठै ठाडी छिया में अेक खटली माथै राली बिछायोडी नै उण माथै छोरडौ सूतो। ओसीसै री ठोड अेक जूनो रलकियौ चौलडौ करनै माथै हेठै दीनोडौ। दस बा'रेक मिनख माचै रै ओळी-दोळी विछायोडी भाखलिया माथै बेठा।

''कीकर टीकू! छोरडै रै कित्तरीक लागी?''

''लागण री तो भोमा, आपानै के ठा पडै? खेजडी खासी डीगी है, ढूढतणौ पड्यौ, स्यात कडकोड आळी हाडी जखमीजगी दीसै। लिखमै मेघवाल नै वुलायौ है, बो खासौ समझदार है। टूटै भागै रो बडौ उस्ताद है भोमा!''

''अबकाळै म्हारी तो गिरह दसा ई अेडी आई है भाईडा, कै केवणी नीं आवै। दसेक दिना पैला तो भैंस अेडी वैमार व्ही कै म्हारी तो रोटी ई छूटगी। केई भोपा भरडा कनै आखा लेयगौ, पण रोडै सावळ नीं व्हियौ। पछै पोकर रै कैवण सू रोडियै नै जिनावरा रै सफाखानै लेगौ। डाक्दर देखनै दोय तो सुइया लगाई नै कीं दवाया

दीनी। पूरै पाच सौ रिपिया री घरडकौ लाग्यौ जदै जायनै रोडी पगा व्हियी। लगता ई ओ छोरडी खेजडी माथै ऊ ठोकीज नै आपरी हूढ भागली। भोमा! छोरडै री दूढ तो के ठा भागी का नीं भागी पण म्हारी दूढ तो इण भाग ई काटी।" टीकू री गळी भरीजग्यो।

म्हैं उणनै थावस वधायी। "टीकू! अै सगळी वाता जोग सू वणै। बावळा! दुख तो मिनख में पडती ई रेवै। यू जीव नेनो नीं करणो। मरद नै हिम्मत राखणी चाहिजे। लिखमै ऊ पाटा-पीडा करावौ, छोरडो ठीक हो जासी। घणी आन्तेच नीं करणो! आपणै गरीवा री वेली तो वो ऊपरली सावरियौ ई है। सैंग वाता ठीक वणैला।" टीकू नै हिम्मत वधाय म्हैं नीमडै नीचे वा मिनखा भेळै वैठगा। टीकू आयोडै मिनखा रै चाय पाणी रै सराजाम में लागगौ। टीकू चाय आळी देगडी लायनै नीमडे हेठै मेली अर पाछी जायनै वाटकिया नै चाय छाणणियौ लायौ। सैंग जणा नै चाय पिलाई। सगळा वेली चाय पीवै हा, इतरेक में रौळियौ ई वित आयगौ। कैई जणा उणरै सामी झाकनै रैयगा तो कैई जणा हसणी पोळाय लियौ।

रौळियौ अेकी छेडै बोली-बोली वैठगौ। उणनै देखनै पद्मी वोल्यौ-"म्हारी वेमाला इणनै घडियौ उण दिन पूरी मगन व्हियोडी व्हैला। कैडी गतवायरी नै कोजौ नग घड परौ नै मेल्यौ है आपणै गाव में। अेडौ तो वारै-वारै कोसा री भा में सोधियोडो ई नीं लाधै।"

"म्हू जाणू-आटै पगा री अैडी बिडरूप टाट पूरै चोखळै में कोयनी।" चेनी बोल्यौ।

पदमै अर चेनै आळी के'णी कूड नीं हो। रौळियौ हो ईज अेडो। इतरौ कोजौ नै विडरूप कै देखता ई मिनख नै हसी आयै टाळ नीं रेवै। रौळियौ डील में साव कोतौ। डीगौ पाच फुट रै माय। माथौ नारेळ आळी टोपाळी रै उन्मान चिन्योक, जिणरै माथे जट वधियोडी नै अळूझियोडी अेडी जाणै चिडिया रौ माळौ। आंखिया झीणी-झीणी जाणै चिरपोटियै रा वीज व्है ज्यू, नै वे ई ऊडी बैठोडी। नाक खासी मोटौ पण फीडौ। टागडिया टींटोडी री व्है ज्यू। हाथ डोयलियै जेडा। दात उदरियै रा व्है ज्यू नेना-नेना नै साव पीळा पडियोडा। अेक न्यारीज भात रौ कोजौ मडकल। उणियारै कानी ऊ तो राडा रोयोडी अर पाटियौ साफ। आ सगळी वाता रै टाळ रौळियै में अेक खास गुण अेडौ कै उणरी मुकावलौ ई नीं। इण काम में वो पैलै लवर। नेडै-नेडै गावा में अेडौ मसखरौ नी लाधै। रौळ माय सू तो वो पग ई नीं

काढै। औसर आया पछै तो रौळ करणै ऊ चूकै ई नीं। रोळ में वो भला-भला री अक्ल काढले। अकल में आटा व्हियोडा उणरै सामी डोका चरता जेज नीं करै। मोटै-मोटै अक्ल-पूतळा री अकन नै उछेरता उणनै कीं टेम नीं लागै।

यू जलम री नाव, मा वाप री दिरायोडी तो रूपौ हो पण इण रौळ आळी आदत सू मिनखा उणनै आ रौळियै आळी उपाधि घरै बैठाई दे काढी। उणनै तो दीक्षात समारोह में जावणी ई नीं पडियौ। मिनख तौ अडारिया घणा व्है। नाव काढता जेज क्यू करै। अबै इणनै रूपै रै नाव सू कोई नीं जाणै। रौळियै रै नाव सू तो नेनकिया टींगर ई फट पिछाणलै। भोमौ रौळियै री सैंग विगत सुणावतौ थकौ बोल्यौ-रौळियै री अेक खास बात भळै है। रौळ करती वगत इणरा हाव भाव, लटका, मूडै रा मटका, नै वाता री बुणगट देखी तो देखता ई रै जावौ। मूडै रा हाव-भाव अेडा सापरत साचोडा वणै कै मिनख नै पतरीजणी ई पडै। रौळियौ आपरी आदत आळी वाता वैठौ-वैठौ सुणै नै मुळकिया करै। भोमौ भाखी जकी वाता कूडी नीं ही, साव साची ही। चाय पिया पछै मिनख टीकू सू राम-राम करनै रवानै होवण ढूका। म्हू अर भोमौ ई टीकू नै भळै हिम्मत वधाय नै मारग पकड्यौ। गाव में आयनै म्है थोडाक पचायतघर में वैठगा। अठी-वठी री गल्ला में लागगा।

थोडीक ताल ऊ रामू आळौ मोटियार बीरमौ आयौ नै बोल्यौ-"आज धोंकळै री ढाणी में पड है। धोंकळौ, माडसाव! थानै घणैमेळ बुलाया है। भोमा! थे ई इत ई लाधगा, म्हारौ गोतौ टळ्यौ। धोंकळै थानै ई जरूर आवण री कैयौ है। ओ ठीक व्हियौ दोनू थे हेकी ठौड मिलग्या।"

"ठीक है बीरम! थू भलाई जा। म्है पड में जरूर आवाला। अरे हा, भोपा आपणै गाव आळा ई है का वारला?" म्हैं पूछ्यौ।

"भोपा तो आपणै गाव आळा नीं है, दूजै गाव सू बुलाया है।"

तो ठीक है, अबै थू चाल। बीरमौ गयो परौ।

पड देखण री म्हनै अणूतौ सौक। पावू राठौड जेडै सूरै रै जुद्ध रा वरणाव भोपा रै मूडै सू सुणण रा मौका तो कदीक हाथ लागै। रावणहत्थै रै साथै जद भोपा नरतण आ[illegible]का [illegible] री परवाडै वाचै तो [illegible]ौ उछळण नै लाग जावै। वीर भावा सू हळ[illegible]ळ व्हियोडौ मायलौ समद उफणण नै लागै। [illegible]रा फुआरिया छूटै टाळ कद रैवै।

म्हैं भोमे नै केयो-"भोमा! पड मैं जरूर चालाला।"

"जरूर चालाला, म्हनै तो आपनै आप आळी ज्यू पड सुणण अर देखण री अणूती ई कोड है, पण खासी ताळ व्हैगी अनै तो अेकर ढाणी चाला।"

"म्हारी विचार है-इस्कूल में चालने चाय बणावता।" म्हैं बोल्यौ।

"ना! ना! माडसाब, चाय तो आपा ढाणी चाल नै ई पीवाला। अबै दिन ई बधण आळो है। ढाणी ऊ ई आपा व्याळू दूजा करनै सीधा थौंकळै आली ढाणी बुआ जाऽऽवा।" भोमी आपरी कारकरम बतायी।

म्हे भोमाऽळी ढाणी आया। भोमी चाय बणाय नै चाय आळी देगडी अर बाटकिया गडाळ में ले आयो। भोमी अराडी बधाणी तो नीं हो, पण थोडीक किरची न्निया करतो। बो आपरी मावी उगायी, पछै म्हे दोनू जणा चाय पी! व्याळू करिया ऊ पैल भोमौ आपरी पा'डली ढाणिया में जायनै गोरधन, राणौ, उदौ नै हरचन्द नै पूरी भोळावण दे दी कै व्याळू करनै उणरी ढाणी सैंग जणा पूग जावै। गरुजी आप उणरी ढाणी आयोडा है। पड री थाने ठा इ है, भेळा ई चालाला। म्हे व्याळू करिया पछै वा वेलिया नै पोरावण लागा। थोडीक जेज ऊ सैंग बेली भोमे आळी गडाळ में आय पूग्या। वा रै आया पछै चाय री अेक गेड भळै बुही। म्हे गडाळ ऊ बारै नीं नीसरया जितरेक रौळियो फिरतो-फिरतो वठै आय पूग्यौ।

"अरै रोळू! थू ठीक आयौ।"

"आज थौंकळे री ढाणी पड है। म्हू थानै केवण ने आयौ हू।"

"वो तो रौळू म्हानै ठा है। थारै ई जचियोडी है पड में जावण री?" गोरधन पूछयौ।

"म्हू तो जाऊला ई। म्हारै टाळ तो पड जमेला ई कीकर?"

"तो ठीक है रौळू! थू पैला छेकाई ऊ व्याळू करले।"

भोमी उणनै व्याळू ला दियौ। रौळियौ विनीक बार में दूध अर राब में डोढ सोगरौ चूरनै खायग्यौ अर चळू करली।

रौळियै रै व्याळू करता ई भोमो, गोरधन, राणौ, उदौ, हरचद, म्हू अर रौळियौ भोमै री ढाणी ऊ टुरग्या। रौळियै नै व्याळू करावण सू टेम कीं जादै हुग्यौ। रात अेकदम घोर अधारी तो नीं, पण तो ई खासी अधारी ही। थोडीक छेटी ऊ जे आदमी आवतो व्है तो ओळखीजै नीं। अेडी अधारी। रौळियौ राब, दूध अर रोटा

ठोक्योडौ कदी तो सैंगा रै बरोबर चालै अर कदीक मलगा मारनै सैंगा ऊ धकै वैवण नै लाग जावै। जाणै रींछी चढियोडी व्है। भोमै आळी ढाणी ऊ धोंकळै आळी ढाणी खासी अळगी पडै। रौळियौ चालतौ-चालतौ भळै खासौ धकै जातौ रैयौ। अब रौळियै रै मन में रौळ करण री सूझी। उणरौ मूड पूरौ बणग्यौ। वो आपरै लखणा माथै आयगी। वो पाछौ पलट ने जोर सू न्हाटोडौ सैंगा रै सामी आय पूग्यौ। रौळियै रै डील में कपण छूटोडी। सैंग जणा अचूभै सू भरियोडा ऊभा रै'गा।

"के हुयौ? के हुयौ??" गोरधन पूछ्यौ।

रौळियौ धूजतौ-धूजतौ हळवळियोडौ बोल्यौ-"गोरधन! थोडोक धकै मारग रै अैन विचाळै काळौ नाग कुडाळियौ करियोडौ ने विकराळ बणियोडौ, अेडौ बैठौ है कै देखता ई डर लागै। अेडौ मोटौ नाग म्हैं तो अजूस नीं दीठौ। म्हारी तो उण माथै सताजोग सू ई मीट पडगी, नींतर म्हारौ जै पग उणरै माथै पड जावतौ तो म्हैं तो पाणी ई नीं मागतौ।" रौळियौ रोवणकौ हुग्यौ।

"इतरौ के डरग्यौ गैली टाट!" अबार मारा इण काळै नै। हरचन्द बोल्यौ।

"विस नै तो मार्योडौ ई बत्तौ।" राणौ कैयौ।

"मारणौ तो भाईडा जरूर है पण आपा रै माय तकदीरा री किणरै गोडे सागेडी गेडी ई कोयनी, कीकर करा?" गोरधन बोल्यौ।

रौळियौ रोवणकौ हुयोडौ भळै बोल्यौ-"गोरधन म्हू तो म्हारी ढाणी जाऊ।" म्हनैं तो डर लागै।

"हे परवारियोडा पूत! के ढाणी जावै? नाग नै अबार राखदा इण सागै ई जागा। थोडौ सुस्ता तो खरी।" गोरधन हिम्मत बधाई। गोरधन भळै बोल्यौ-

"आपणै माय म्हनै तो राणा! थू ई मोटियार निगै आवै भाईडा! इण सामलै मोटोडै आकडे रौ अेक सैंठौ धुद्द भागनै लावै नीं, नाग रो इलाज करा।" राणौ बापडौ खासी ताळ हाथ जेडी जाडी डाळी सू खसण करण नै लागौ अर सेवट उणनै तोड'र लायौ। राणौ आकडे आळी डाळी गोरधन नै पकडाय दी। लकडी माथै जागा जागा आकडै रौ दूध लागोडौ हो, उण माथै गोरधन धूळ न्हाख दी।

"थै सैंग मुरदा आदमी हो। नाग नै मारण आळौ काम आपा रै माय सिरफ अेक आदमी ई कर सकै, अर वो आदमी है-हरचन्द। हरचन्द गाढ आळौ तो है

ईज पण साथे ई छळावो ई जवरो है। नाग नै मारणियै में फुरती वोत जरूरी है। हरचद टाळ ओ काम किणरै ई वस री नीं है।" भोमो वोल्यौ।

भोमो भळे वोल्यो–"गोरधन! ओ सोटो हरचद नै दे दो।" आपरी विड़द-वखाण सुणने हरचद तो पोमीजग्यौ। वो मन में सोच्यौ–"म्हारै जेडौ छातीआळो नै छळावो मिनख लाधणो ई दोरो है।"

वो गोरधन रै हाथ माय सू आकडे आळो सोट लेवतो वोल्यौ–"अटी दे ओ लकडौ! अै काम तो करणिया ई करेला। गोरधन! नाग रो तो म्हें रिप हू। दीठोडा नाग तो म्हैं आज ताई छोड्यौ ई नीं। अबै थे देखौ बन्दे री रटको। अेक ई झपीड में नागजी नै सागे ठौड नीं राखदू तो म्हारो नाव हरचदियो नीं। सोट पडिया पछै चुळ के जावै। अेकण सोट में ई पथराय दू।"

अबै जेज कठै? हरचद वो घुद्दो हाथ में लियौ, उण पुळ में रोळियो थके बुओ गयौ। उणनै तो सैंग ठा हो। वो तो आछी तरा उण नाग नै दीठोडौ हो। नाग के करम रौ हो, कोई सोरै खूंटै री भैंस वेवती पोठौ करियौ हो। रोडो पूरी धापियोडी हो, जिणसू वा पोठी ई मोटी करियौ। वो अळगे ऊ सापरत कुडाळियौ करियोडी काळै नाग जेडो ई लखावे हो।

हरचद होळै–होळै पग मेलतौ थकौ नाग ऊ थोडी सीक छेटी रैई जदै सोटै नै तोल्यौ अर पूरो जोर लगाय नै नाग रै माथे ताचक ने ठोकी। पोटी कीं पतळी ई हो, सोटो पडता ई जोरदार उछळियो। हरचद रो थोवडो छींटमछींट। नाक, कान, आखिया री भापणा माथै गोवर रा टेरा अळूझग्या। मूछा में ई टेरिया टिरै जाणे नैनै उरणियै री पूछ आळै वाळा में सूखियोडी मिगणिया टिरती व्है। गोवर रा तीन च्यारेक, गोळमटोळ रिपियै री गत रा भोरा छाती माथै जायनै अेडा चेंठ्या जाणै लडाई में वादरी री काम करणे सू फोजी नै तुकमा मिळै, अर पछै वो या नै आपरी जेवा माथै लगावै।

साप नै तो हरचद मार ई लियौ हो, हमैं लचकाणौ व्हियोडो अर फीटौ पडियोडौ आपरौ हथियार गोवर सू लिथडियोडौ हाथ में लियोडौ सैंगा रै सामी ऊभौ। मूडौ फाफरियौ व्है ज्यू करियोडौ। साथ आळा सैंग वेली हसै। हस-हस नै वा रै पेट में वळ पडग्या पण हसी नीं रुकै।

"वेटौ नाग ई सैंठो गजव हो भोमा!" अेक जणौ वोल्यौ। "अेडो खतरनाक नाग हरचद टाळ दूजे ऊ तो नीं मरावतो।" दूजोडो कुण्ही वोल्यौ।

"नाग मारणौ हसी खेल थोडौ ई है? छाती आळे मिनख टाळ ओ काम नीं व्है। ओ तो लाई भाग सू ई आपणै साथै हो, जकौ काम वणाय दियौ। ओ नीं व्हेतौ तो आज अेक आधै री मौत ही।" राणौ बोल्यो।

"भई छळावै में तो हद है हरचद। कैडा होळै-होळै पग मेलतो गयौ नै अेक ई गेडी ऊ सागै टौड राख दियो। दूजी गेडी रौ काम ई नीं राख्यौ।" उदो मुळकिया करतौ बोल्यो।

"साचाणी हरचद कैयौ जकी करनै बताई। नाग नै तो चुळण ई नीं दियो। अजै सागी जागा पडियो है।" किन्ही खळकायदी।

"हरचद तो अलाई पैला ई भाख दियौ हो क काम तो करणिया ई करेला। नाग रौ तो म्हैं रिप हू।" कोई अेक जणौ बोलग्यो।

हरचद रै मूंडै रा बोल तो वद व्हैगा। रीस में पूरी रातो-पीळो हुयोडौ ऊभौ।

"वो कगालियौ (रौळियौ) कुनै गियौ?" हरचद गोरधन ने पूछ्यो।

"वो तो पाणी री बालटी लावण नै गियो है।" गोरधन पडूतर दियो।

"जै म्हनैं मिलग्यौ तो वेटे नै अेडो मारूला के ।" हरचद कडकडी खायनै बोल्यौ।

"इण रौळियै नै तो ठोकणो ई पडैला।" हरचद भळे रीस करी।

"इण सागै लकडी ऊ मत ठोकजे, आ नाग रै लोही सू भरियोडी है।" अेक जणौ खळकाय दी। खासी ताळ हसण व्ही, पछै वै धोंकळै री ढाणी गया।

"खासी मोडौ कर दियौ वेलिया!" धोंकळौ पूछ्यौ।

"धोंकळा! अेक मोटौ काळो नाग मारग रै अेन बिचाळै बैठौ हो, उणनैं मारण में लागगा। इण सारू ओ इतरौ मोडौ हुयौ। नींतर तो म्हे बखतसर आपणी ढाणी आय पूगता।" उदौ धोंकळै नै पडतूर दियो।

"पछै कीकर व्हियौ गोरधन?" धोंकळौ पूछ्यौ।

"होवै के? हरचद ताचक नै पड्यौ माथै, जको उणरा तो फूतरा विखेर दिया। गोरधन मुळक नै कह्यौ।

"हरचद जवान मोटियार है। माथै पडिया पछै के छोडै।" धोंकळौ हरचद री बिडदावणी करी।

अवे गोरधन अेक बालटी अर लोटी लावण री भोलावण दी। थोंकळौ उणी बगत पाणी री बालटी अर लोटी लै आयौ।

"हरचद थोडो नेमी आदमी है। हाथापाई करियै टाल पड में नीं बैठै।" गोरधन थोंकळे नै समझायौ।

हरचद बालटी अर लोटी अेक कानी लेजायनै आपरौ मूंडौ रगड-रगड नै धोयो। गोबर आळा टेरा सूख चुक्या हा, घणा दौरा उतरिया। मूंडा'ळा टेरा उतरिया पछै जेवा री जागा लाग्योडा वे तुकमा ई अळगा करिया। म्है सैंग जणा पड में जायनै बैठगा। म्हाऊ थोडीक छेटी माथै मिनखा रै विचाळै बैठोडी रौळियौ म्हा सैंगा रै सामी झाकनै मुळकियौ।

पड सरू व्हैगी ही। पाबू रा प्रवाडा भीला रै मूंडै सू अर अेडी रै घमकै साथै निरतण सू मूरत रूप लियोडा वारी-वारी सू आखिया सामी फिरण लागा। पड माथै कुरियोडा पाबू, डेमौ नै बूडो आद रा चित्राम मिनखा रै हियै में सूरापण री जोत जगावण लागा। राजू भोपी ई टाळवा भोपो। रावणहत्थौ हाथ में लियोडी भोपी रै साथै अेडी आळै घमकै सू अेडी घूमर घालै कै मिनखा री आखिया ई नीं झंपै। रै'रै' नै मिनखा रे मूडै सू राजू ने रग लागै। राजू पूरो लुढियोडो नै देखणिया राजू रै लटका माथै लट्टू व्हियोडा। अखाडो जमियौ तो वो जमियो। रावणहत्थै रै सुर साथै निरतण रा फटकारा देतो भोपो गीता साथै जदै पाबू रै सूरापण नै बिडदावै तो मिनखा रा हिया सूरापण सू हळाबोळ व्हियोडा हबोळा चढ जावै। पाबू राठौड रा विडदवखाण सभा रै मिनखा रा काळजा फफेड नाख्या। चूकता री आखिया भोपै अर भोपी सामी लागोडी। आधीक रात री बगत व्हियौ जदै चाय बणी। भोपा ई थोडी फूकारी लियौ। सभा में जका बधाणी हा, वा नै अमल दिरीजियौ नै पूरी सभा चाय पी। भोपा री चाय अर अमलतणी गैरी मनवारा व्ही। सभा में जका कडीर हा, वै अमल रा धापा करिया। दोय जणा चाय पिलावण में लागोडा-लादू आळौ हरकूडो अर रौळियौ। रौळियो चाय आळी बाटकिया लियोडी सीधौ म्हारै कनै आयौ। वारी-वारी सू सैंगा नै चाय री बाटकिया झिलाई। वो हरचद रै हाथ में बाटकी झिलावती बोल्यौ-

"हरचद! थानै चाय री दो बाटकिया पीवणी पडेला। सोपौ पडता थे नाग मारियौ हो, डील नै खासी ताण पडी व्हैला। अमल री किरचडी ई थोडी ठीकसर लीजौ।" हरचद रै मीठी चूगट्यौ भरनै रौळियौ मुळकती मुळकती व्हीर व्हैगी।

"थारी तो गिरै आयोडी दीसै है रोळिया!" हरचद रीस करनै बोल्यौ।

"म्हारी गिरै क्यू आवै? गिरै तो बापडै उण नाग री आयोडी ही, जिणनै थे मार काढ्यौ। भळै मसखरी करनै बोल्यौ।

थोडीक ताळ ऊ भोपा आळी धमचक भळै सरू व्हैगी। सारी रात पड सुणण आळौ आणद लूट्यौ। दिनूगै वेगा ई चाय पाणी पीयनै म्हे धोंकळै आळी ढाणी सू रवानै व्हैगा। पूठा आवता नाग मारण आळी ठोड आई। गेडी रे जोर सू पोटियै रा लूदा च्यारूमेर बिखरियोडा पडिया हा। हरचद रै पगा आळा निसाण ई अजै यू रा यू जमी माथे मडियोडा पड्या हा। हरचद आपरे पगा आळै निसाणा माथै मींट गडोयोडी ऊभी हो। म्है दमेक उण ठोड ऊभा रैग्या।

"राते रावतो इणीज ठोड सिकार रयी। बापडे फणी री तो अेडौ भचकौ बोलायौ कै वो तो आपरी नाड ई ऊची नीं कर सकियो।" राणो मुळकतो थको बोल्यौ।

"बापडै री मोत आयोडी ही भोमा! उणनै हरचद रै हाथ सू ई मरणी हो।" म्हैं होळैसीक टुणकलौ नाख्यो।

हरचद बोलो-बोलो ऊभी। च्यारू कानी सू लोग टीचिया ठोकै। लाई के बोले? खासी देर बित हरचद सू मसखरिया करने म्हे सैंग जणा गाव में आया ने आप आपरी ढाणी बुआ गिया।

च्यार पाचेक दिना पछै च्यार दिना री लगती ई छुट्टिया पडगी। म्हें कमरे में अेकलौ ई बेठो। चाय बणावण री तेवड करू। मन में सोचू कै कोई आ जावै तो पछै ई चाय बणावा। अेकला कै तो बणावा अर के पीवा।

"माडसाब! डाणे हो?"

"आव डालू आव!" थू ठीक हे?

"हा गरु ! आपरी दया है। बिल्कुल ठेर हू। म्हें तो आपरै गोडै अेक काम आयौ।"

"काम वाम पछै होवता रैसी। पै'ला थू चूल्हो जगायने दोय तीनेक कोप चाय बणा। चाय पिया पछै की बात करा।"

डालू चूल्हो बाळ'र चाय बणाई। इतरै में रौळियौ ई कठीनै ऊ टोरा ठोकतो आय पूग्यौ।

"बेटे रै पग में चक्कर है माडसाव!" डालू बोल्यो।

"सैग दिन रोवतो फिरै। बडी कमीण है।" डालू भळै कर्यो। डालू अजै हुवा नीं करी। तीन च्यारेक गाळिया रा सर्टीड भळै ठोस्या। म्है तीनू जणा चाय पी। चाय पिया पछै देगडी अर चाय आळी बाटकिया रौळियो कमरै रे बारै ले जायनै माजण लागगौ।

"पाणी रै टाकै सारू सिमट लेणी है। ओ फारम लायो हू, आप इणनै सावळ ढग ऊ भरदो।"

वो देख! टेबल माथै पेन पडियो, म्हनै झिला।"

पेन लेयनै म्हैं फारम भर दियौ। रौळियो देगडी अर बाटकिया माज'र ठीकणै मेल दी अर आपरा हाथ धोयनै किवाड रौ सा'री लेयनै बैठगौ।

म्हैं डालू नै समझायो-"हमैं इण फारम माथै सरपच सा'ब रा दस्कत करायनै वा री छाप लगवाय लीजे।"

"ओ तो काम अबार करू। सरपच री ढाणी आगी कोयनी। पन्द्रै मिनट रौ मारग है।" डालू अेक ई सास में कैयगौ।

"आज तो माडसाव! गाव में अेक कोजोडी बात बरतीजगी।" रौळियो बात सरु करी। डालू पगरखी पैरे हो। उण रौळियै री बात माथै कान माड दिया।

"के हुयी रोळू? छेकी बता।" म्हें दोनू जणा पूछ्यो।

"हुयो के! लूबियै मेघवाळ री ढाणी में उणरी छोरडी आपरै घर आळै टाकै में पडगी। टाकौ पाणी ऊ सैंठो छलियोडो हो। काढ तो ली उणने। छोरडी मरगी का बचगी, पकावट बावड नीं है।

"लूबियै री ढाणी कुनै है? अर इत ऊ कित्तरीक अळगी हे?"

"लूबियै मेघवाळ री ढाणी तो इत ऊ धुराऊ पड जावै, ढाई तीन कोस रै नेडे।" रौळियो पडूतर दियो।

"बापडै रै गिरे व्हैगी। अबार म्हैं अठीनै आवतो हो, जदै सरपच अर भूरो दोनू जणा अेकी हुडी लूबियै री ढाणी जावै हा।" रौळियो बात नै पुख्ता करी।

"तो गरु! म्हनै तो हमैं लूबियै आळी ढाणी जाणौ पडसी। क्यू के सरपच तो बित ई लाधसी। दस्कत करावणा जरूरी है। गोता लिख्योडा हा। तो म्हैं चालू?"

"हा डालू! थू चाल। भा खासी है।

रौळियै वारै जाय डालू ने देखने पाछो आयौ। वो मुळकतौ थकौ बोल्यौ-"माडसाव! देखौ तो खरी, डालू कैडी मोटी-मोटी वीखा भरतौ हुडी करियोडौ जावै है। हमें जा थारै वाप लूवियै री ढाणी। जावता अर आवता पूरा छ कोस रा गोता है।"

"तो के वात है? सरपच वित नीं गिया?"

"सरपच वित के काम जावै? नीं तो लूवियै री छोरी टाकै में पडी अर नीं सरपच वित गया। म्हनें तो इणनै छ कोस रा टापा घालनै इणरी फींचा पाधरी करणी ही।"

"अरे डफोळ! वापडै में अेडी नीं करणी ही।"

"माडसाव! थानै ठा नीं है। इत आवता ई म्हारै इण गाळिया रा तीन च्यारेक कैडा कोजा सटीड ठोक्या। म्हैं इणरै वाप पुरखै नै तो मारयौ को होनी। म्हैं इणरौ के खायौ? वेटौ मूछ रै वट ठोक्योडौ, टरड में आटौ व्हियौडौ वडौ निकारौ मिनख है।" रोळियौ इतरौ कैय्यनै म्हारै कनै आडै रौ सा'रौ लैयनै वैठगौ।

'तो रौळू! थू तो पूरो दिन मिनखा नै डोका चरावतौ ई पूरौ करै।"

"नीं माडसा'व! यू रौळियौ वे फालतू किण सू रौळ नीं करै। नीं किणरी आळ लेवै। डालू तो वा करी कै आव वळद म्हनै मार। म्हारौ इणमें दोस नीं है। इण तो हाथै होयनै माथै में ली।" रौळियौ हमकली कीं तैस में आयोडौ लागौ।

"अवै रौळू! आज तो सैंग वाता छोडनै थारी करियोडी कोई सागेडी रौळ री किस्सौ सुणावै नीं। थारी किणी रौळ री वात सुणण सारू म्हारै दिल में पूरी हूस जागगी। कोई सागेडौ किस्सौ कह मोटियार।" म्हैं रोळियै नै म्हारी इछ्या वताई। इतरै में तो यख्तौ मा'राज नै अणदो चोधरी आयने नमस्कार करिया।

"आवौ अणदा! पधारौ मा'राज!!" म्हैं दोना नै आवकार देयनै माजी माथै वैठाया।

"रोळियो कोई वात सुणावण रौ मतौ करियौ दीसे है?" मा'राज पूछ वेठा।

"हा मा'राज! इण तेवड करी तो है।"

"तो सुणा रौळू! म्हे ई सुणला भाईडा।" मा'राज नै अणदो अेकी साथै वोल्या।

"था सैंगा री जै इछ्या हुगी तो अनै म्हनै कोई वात सुणावणी ई पड़ैला।"

पाच ■ वरसा पै'ली री वात है। म्हैं म्हारी वे'न री ढाणी गयोडी हा। म्हैं दोय तीन दिन वित ढवग्यौ। मगळ आळै दिन दिनूगै आळी चाय पिया पछै म्हैं म्हारै वेनोई सू राम-राम करनै रवानै होवण आळी वात करी तो वै वोल्या-रोटी बाटी जीमनै आपा भेळाई रवानै होगाला। आथीटै ताई आपणी सागी है।

"आपाणो सागो कीकर व्हैला?"

वै वोल्या-"आपणी ढाणिया ऊ उतराद में तीनेक कोस माथै पसु-मळौ लागोडो हे। आपणै वा'रै वा'रै महिणा रा दोय टोगडिया ऊभा है, वा नै वेचण सारू म्हैं मेळे जावू हू। ढाणिया ऊ भळै ई तीन च्यार वेली जावण री मती करै। रोटी बाटी जीमनै आपा वेगा ई टुराला, मोडौ नीं करा।"

म्हैं ढवग्यौ। रोटिया वणगी जदै म्है जीमजूट ने विना जेज करिया रवानै व्हैगा। दोय जणा भळै हा। म्है च्यारू जणा डोडेक घंटै रै माय मेळै आय पूग्या। अवै म्हारलो वैनोई वोल्यौ-

"थे अव सीधा रा सीधा नाक आळी डाडी री सीध चालता जावौ। धकै मोटो मारग आवैला। वो मारग पकड नै थे जाता रैवौ। कोसेक गिया पछै डावे कानी अेक डाडकी फटेला। वा डाडी छोड दीजौ। आगे कोसेक गिया पछै आठ दसेक देवासिया री ढाणिया आवैला। वठे पाणी पी, थोडोक फूकारो लेयने पछै जाता रैजौ। राईका आळी ढाणिया ऊ थारी ढाणी दोय कोस भा है।

तो ठीक है, म्हैं अवै समझग्यौ। म्हैं सगळा सू राम-राम कर परी ने मारग पकड्यौ। चालता-चालता देवासिया आळी ढाणिया आई। उन्हीं रोटी जीमियोडी ही, जिणसू म्हनै तिर पण लागोडी। ढाणिया छेटी-छेटी ही। म्हैं अेक नेनीक अरणे री तडी वाढनै कावडी वणायनी ही, नैनीक तवर म्हारै गोडै ही। कुत्ते बिल्ली आळै हिसाब सू तडी हाथ में ठीक रेजे। अेक ढाणी ऊ दोयसोक पावडा अळगा दोय सागेडा गिडक ऊभा। पूरा मासमौजी। कुतरडा रै मूडै लोही लागोडो। रोजीना अेकाध घोनै लरडे नै मार न्हाखै। उण दिन वै अेक लरडी नै मारी ही। लरडकी नै मारनै पूरी उधेड दी। म्हारै कनै तवर नै कावडी देखनै कुतिया सहमग्या। वै भागण आळी करी। भागती टेम अेक गिडक लरडी रै पेट माय सू निकळियोडी

ओझडी नै आपरै मूंडै में पकड नै भाग छूटी। गिडक रै मूंडै में टिरयोडी ओझडी अेडी लखावै, जाणै गावै री थैली व्है। गिडकडो उण ढाणी रै पैलै पासै गियौ परौ।

म्हैं पाधरो ढाणी रै मगेरणै माथै आयौ। अेक मोटियारडी ऊभी-ऊभी ढेरियै माथै ओटी जट कातै। वो म्हारै सू राम-राम करी। म्हैं उणनै उणरो नाव पूछियो। वो आपरो नाव बतायो-पतियौ।

"पत्ता! थू अेक पाणी रो लोटो छेकौ भरने लिया, पछै म्हैं थनै अेक बात केवू। म्हैं उणनै कह्यौ। वो झट देणी लोटो ले आयौ। म्हैं उणरै हाथ सू लोटो लेवतौ थको बोल्यौ-

अेक गिंडकडो मेळै कनी सू न्हाटोडो आयो है। मूंडै रै माय अेक खासी मोटी थैली लटकायोडी। थैली ई जाडे गावै री है। म्हारी जाण में किणी मोटै बोपारी री थैली रिपिया ऊ दुड व्हियोडी लागै। कुतियो बेटी है तो सैंठो, थाकोडो मडकल को है नीं। पकडावणी तो भाईडा दोरी ई है, पण खप्पत तो कर। घरै बैठै गगा आयोडी।" रिपिया आळी थैली री बात सुणता ई पतियै रै तो पगा रै घूघरा बधग्या। वो उतावळो पडियोडी पूछ्यो-"कुतियो कुनै गयौ?" "कुतियो तो थ्हारली ढाणी रै लारकर होळै-होळै जावै हो।" म्हैं पडूतर दियौ।

थाखळ आळी टाटी कनै ऊभी करियोडी अेक बोरडी री गेडकी लेयनै पतियो तो अेडी उपडियो जाणै खेत में ढाढा वडनै बिगाड करै, वा नै तगडण सारू न्हाटौ व्है। पतियौ कुतियै नै आपरी निजरा सू देख लियौ। कुतरडै रै मूडै में थैलकी तो खासी मोटी दीसै। बापडै बोपारी नै तो इण डबोय दीनौ काळीधार। पतियौ मन में सोच्यौ। कुतियै रै लारै पडियै टाळ तो काम नीं बैठै। वो धोतियै रा खोळा टाग्या। गेडकी जमीं माथै ऊ उठाई, कै कुतियो तो हुडी करली। हमैं क्यू पूछो बाता? पतियौ कुतियै रै लारै अेडो रपटियो, जाणै हिरणियै लारै न्हार रपटियो व्है। थकै कुतियो नै लारै पतियौ। दोनू ई बगीड करता जावै। दोन्यू रो जीव थैली में। लारलै नै थैली में नोट दीसै अर धकलै नै आपरो सिरावण। कुतियो पूरी खैचळ करने लरडकी नै फाडी ने ओ धन पानै पडियो हो, सोरै सास देवै तो कीकर? अर बठीने पतियै री आखिया में नोटा आळी गडिया रा चित्राम तणियोडा, वोई हब्देणी कुतियै नै छोडै तो कीकर? दोन्यू ई सरणाट करता वगै। पतियौ मन में सोचे-पिदायोडौ

कुतियौ थैली मूडे सू छोड दे तो केडोक। पण गिडकडी ई आपरी मैंणत री कमइ यू सै'ज में ई कीकर जावण दे? पतियौ दौड-दौड नै परसेवा में घाण व्हैगौ पण नोटा री ठोकाक अजे व्हा नीं करी। अजे तो वाठकिया मायफर हिरणियै री दाई फाळा मारती सरणाट करतौ कुतियै रै लारै पडियोडी। कुतियौ आप अरै आता आयोडौ। मूडे में भार न्यारौ तो मीट पतियै रै माय गडोयोडी।

सजोग सू पतियै नै उणरै काकै रौ वेटौ भाई गोपियौ आवतौ दिख्यौ। पतियौ जोर ऊ गोपियै नै हेलौ करियौ–

"गोपू कुत्तै रै आडौ फिर, जावण मत दीजे। दौड-दौड, हुडी कर। जातौ नीं रै"। अडवाळ दै अडवाळ।

पतियै आळी रड सू गोपियौ ई गिडक सामी दौडियौ। गिडकडी ई पूरी छेह आयोडी हो, ओझडी नै वठै ई न्हाख नै गोपियै रै गो'डकर न्हाटगी।

"थैली तो कुतियौ न्हाख दी, ठीक करियौ।" पतियै रै जीव में जीव आयौ।

गोपियौ ओझडी सू थोडी छेटी ऊभगौ। सोचण लागौ-"म्हाटौ के अडगौ है? समझ में ई नीं आवै।" गोपियौ मन में विचार करै।

पतियौ हुडी करियोडौ आयौ। थैली सामी झाकनै गोपियै सामी झाक्यौ। कुतियौ आज टागा आळी आटौ पूरौ लियौ। वो निसासौ न्हाख'र बोल्यौ-"लै आव, ढाणी चाला गोपू।"

"आ के बात है? म्हारै अजे मगद में नीं बैठी।" गोपियौ पूछ्यौ।

"म्हाटौ घटेक पेल आपणी ढाणी अेक मडकल टाकल आयौ। उण भाईडा गोपियौ समझावण लागौ।

माडसाब! म्हैं वा दोनू जणा नै ऊभी व्हैन दीठा। अेक गै'री खेजडी हेठै दोनू भाईडा बतळ में लागोडा हा। पतियौ गोपियै ने आप वाळी बात पूरी माडनै सुणावै हो। म्हैं तो उणरी ढाणी ऊ अगूण कानी आळै धोरै री ढाळ ढळ परो नै तेतीसा मनाया। अधारौ पडता-पडता म्हैं म्हारली ढाणी आय पूगो। बापडै गोपियै नै तो कोथळी आळा नोट गिणता घणी जेज लागी व्हैला। रोळियो मुळक नै बोल्यौ।

"वाह रै रोळू वाह! आणद आयगौ, बात सुण'र। गोपियै नै अल्लू ठीक बणायौ। दौड-दौड नै बापडै री फींचा पाथरी होगी व्हैला।" मा'राज नै अणदौ अेकी साथै बोल्या।

"इणीज यात माथै चाय वणावौ अणदा!" म्हैं अणदै सामी झाक्यौ।

अणदौ चाय वणाय नै सैंगा नै पिलाई। चाय पिया पछै रोळियौ वोल्यौ-"हमैं माडसाव! मोडौ व्है, ढाणी खासी अळगी है। म्हू जाऊ।"

"हा रौळू! हमैं थू जा।"

रोळियौ रवानै व्हैगौ। आफतडी रै उन्मान टागडिया नै हिलावतौ वो जावै हो अर म्हनै उणरी रौळ-मसखरी आळी चतराई माथै हेप आवै हो। आज भी जद रौळ मसखरी रा प्रसग छिड जावै तो म्हारी आखिया सामी रौळियै रा चित्राम फिरण नै लाग जावै।

❑ ❑ ❑

हेमौ बंधाणी

अमल री वात जदै होठा माथै आवै तो वधाणी री उणियारी अर उणरै डीलतणी गत री अेक न्यारी ई चित्राम साप्रत आखिया थकै फिरण लागै। उणरो तो घसको ई देखण जोग वणियोडी व्है। थोडीसीक फिरची रै मावै ऊ सवर पकडलै, वै ई वधाणी नै पूरी डव्वी खळिग नै तोळै तोळै री कलेवी कर जाय थै ई वधाणी। दोना में जमीन आसमान री फरक। जका डवी खळिगण व्है, वै मोटा कडीर वाजै। आ मोटोडै कडीरा री डौळ अेडी वीगडै जाणै फाटोडी दूध। फाटोडी दूध की काम सै व्है तो अै कडीर कीं काम रा। मगरपचीसी रै माय आ मोटै पोतदारा री उणियारी तो थाप खायोडो ई लाधै। इण कोजोडी कमज्या सू वा री काधी, साथळा, पींडिया अर बूकिया गजव गळियोडा तो मूडै माथै अलेखू सळ पडियोडा। सरधा सैंग घटियोडी तो घर आळे कामा नै करण सू अतै आळी हूस साव नटियोडी। व्याव वधाणे अर औसर-मोसर माथै जे किणरै ई घरै अमल गळै तो आ कडीरा रा मूडा अमल खावण सारू घणा वळै। पछै तो धकलै नै पूरी ई तळै। अे वुलावै अर नूंतै री उडीक नीं राखै, अे तो अमल गळण रा वावड लाग्या नीं अर अें कडीर पगा में लिक्तरा घाल'र गेडी हाथ में सभाय टुल्या नीं। मोटौ सारो खेंखारो करनै अेडा रवानै व्है जाणै डाकियौ निमत्रण पत्र सैंगाऊ पैल आ नै ई देयनै गयो व्है। तागिया खावता-खावता सेवट पूग जावै धकले नै गोडा देवण नै उणरौ अत लेवण नै, लोही पीवण ने अर अमल सारू टीवण ने।

सभा में वैठोडै मिनखा सू राम-राम करनै विछायत माथै अेडा डेरा देवै कै वदा तीन दिना ताई उठण री नाव ई नीं लेवै। धकलौ आ नै केवै तो के केवै?

उणरी छाती रा छोडा तो पूरा ई लेवै। भलाई घर आळे रो मत चालो जोर पण कडीरा री तो गाळण माथे ई पूरी जोर। घर आळे नै पूरो ई तळे नै दोय तीन दिनाऊ वठे सू आपरो काळो मूडो करै। अेडे मौरा कानी सू अे पूरा सावचेत रेवै। मेह आधी भलाई चूक जावो पण अे नीं चूकै। गिरज री तो आख तेज व्है, उणनै फटाक सू ठा पड जावे के फलाणी ठौड मुवोडो जिनावर पड्यो है अर वो पूगतो जेज नी करै पण आ बयाणिया रा कान घणा सराडा व्है। सुणनै पती लगायनै के फलाणै री ढाणी मौरी वरतीजेला। अर पछै तो मौको हाथ सू जातो रेवै, उण रात तो अे जलम ई नीं लियो। वे तो ठीडे माथे पूगता ई निगै आवै।

अेडो ई अेक लाठो कडीर हो-हेमो बयाणी। हेमै नाव रा गाव में मिनख च्यार पाचेक हा। पण बयाणी इण हेमै टाळ दूजो कोई नीं हो। इण सारू मिनख इणनै हेमो बयाणी ईज कैवता। हेमो घणखरो उरमाणी ईज टेरा देवतो। कदी कदास उणरै पगा में लिक्तरा घाल्योडा लाधता। थोळे लट्ठे री धोती नै अगरखी पैरियोडी राखतो, जिणरी रग मैल सू काळो व्हियोडो। अगरखी रै थकली चाळ रा बोरिया खुलियोडा। लारै मौरा माथे अगरखी रै दोय तीनेक कारिया दीनोडी। खेसनै री जाडी पोत गोडा ताई री पैरियोडी। उणरो ई रग अगरखी सू मिळतो जुळतो। छीदी-छीदी काबरी दाढ्ळी जिणरा रूगता मेल ऊ करडा पडियोडा। मूछा आळा बाळ होठा रै माथकर घणा लुढियोडा, जिणसू दाढी आळा अर मूछा आळा बाळ अेकमेक व्हियोडा। मूंडै आळा होठ सफा लुकियोडा। सोरै सास आ ठा नीं पडे के इणरो मूडो कित है? खिजमत वा'र तिवार भलाई करवायली, नीतर तीन तलाक। दाता माथे पीळी-पीळी फेरडी जमियोडी। माथे ऊपर ढीलै पेचा री थोळो पोतियो मेल्योडो, जको लीरमलीर। अमल लेवण में इतरो अराडो के भला भला भायला मनवार करता भिडकै। अमल री पुराणी खुराट। जे कोई री दिन फिरियोडो व्है अर डबी थकै करदी व्है तो डबी री पींदो काढनै सेमूदो तातो ई मेट दै। गाव में ब्याव, मुकलावो नै खरच कित ई व्हो, हेमै री तो पाचू आगळिया घी में। अेडे औसरा माथे तो हेमो मन री पूरी काढै। उणरै तो लै'र लगोडी रेवै। टाणे री तो नाव सुणता ई उणरै मन में भूत जाग जावता पण मौको पूरो होवता ई भूतिया विखर जावता।

कैथाणी है कै "कदेई घी घणा तो कदेई मुट्ठी चिणा।" पण आज हेमै कनै उण मुट्ठी भरियै चीणा में ई विजोग पडियोडो। चीणा तो चीणा री ठौड पण

चीणा रै वूमडा सू ई छेटी। आज वात वेजा वणगी। आज उणमें ऐडी खाटी व्ही जेडी उणरी जिनगी में पैला स्यात् कदे ई नीं व्ही। कनै नीं तो अमल अर नी डोडा। कनै सिरफ रैया आप आळा गळियोडा गोडा। अै गोडा ई अमल लियै टाळ अठी-वठी पावडी भरण में पूरा नटियोडा। वापडो के करै? अठी-वठी मीट दौडाई पण साधी नीं लागी। थोडी घणी किरची ऊ कामडी धकनी व्है, जदै तो हरेक ई उणरी वेदन काटण नै त्यार व्है जाय पण ऐडै हाथी ऊ वाथिया कुण आवै? नेडै आवता ई घणा रा पग पाछा पडै। अमल आळै जुगाड सारू वो खासा पग पटकिया पण वात तावै नीं आई। अवै हेमी घर आळा नै गाळिया रा सटीड सुणाय नै कोठलियै माथै खेसली पड्यौ हो वो उठायौ नै आगणै में ई खूटी ताणनै सोयगौ।

गाळिया आळा सटीड उणरै पाडौसी वभूतै रै काना में थोडा थोडा पडिया हा अर वो वात रौ निचोड काढ लियो हो। थोडीक किरची लेयनै हेमैं कनै पूग्यौ। मूंडै में गडोई पण ऊटा नै गळवाणी ऊ के होवै? की साधी नीं लागी। साधी इतौ ई लागौ कै हेमी वभूतै रै आया सू पैल वेचेतै सो व्हियोडो वोलौ-वोलौ पडियौ हो, अव उण किरचडी रे पाण वोलण जोग अवस व्हैगी। अवे वो घर आळा नै सुणावण ढूकौ-नूवीं-नूवीं गाळिया। गाळिया अेकदम कचाडाफाड। गाळिया भात-भात री टेकै। हेमो तो जाणै गाळिया काढण में पी एच डी करियोडो व्है। काटा में कुण उळझै? वभूतौ तो आपरौ मारग पकड्यौ। गाळिया रा सटीड चालू। सुणणिया रै काना रा कीडा झडै। सूतो सूतौ गाळिया मचकावण री लावौ लूटे।

म्हैं अेक खास काम सारू सरपच री ढाणी जाऊ। म्हारै साथै कुभै आळौ अरजण। मारग हेमे वधाणी री ढाणी रै अेन मूडागै सू जावै। म्हैं अर अरजण ढाणी रै वगेरणै माथै पूग्या तो म्हारै काना में ई वे इमरत भरिया वोल पड्या। वै इमरत भरिया वोल काना में पडता ई म्हारा तो कान ऊभा व्हैगा।

वात के है? काली तो नीं हुयौ कठैई? म्हैं अळूझाड में पडियोडो सोचण नै लागगौ। म्हे दोनू जणा आगणै में उणरे कनै जायनै वैठगा। वतळायौ जदे हेमै मूडौ उघाडियौ। सामी झाकनै दोनू हाथ जोडिया अर नमस्कार करी।

"के वात है? वकै क्यू है अेडी भूडी?" म्हैं पूछ्यौ पण वो की पडूतर नीं दियौ।

थोडीक ताळ तो वो दुरायोडो व्है ज्यू सामी-सामी झाकतौ रैयौ नै पछै तो अेक नूवीं ई वात वणगी। हेमै री दोनू आखिया में आसुवा री लडा छूटगी। ढवै ई नीं।

"अरे लपोड! रोवै के है? मायलौ भेद तो वता। यू म्हानै के ठा पडे?" म्हैं थोडीसीक रीस करनै पूछ्यो।

वो आपरा होठ खोल्या-"आज माडसाव! म्हारे गोडै नीं तो अमल री किरची अर नीं डोडा री फूतरी। नाडा तूटै है अर मरू हू। म्हारै माय के बीत रैई है-का तो म्हू जाणू हू का बस ऊपरलो सावरियौ जाणै है। गरु! मौत तो हतीकी आयगी, जिणमैं फरक नीं।" हेमो रोवणको व्हैयनै वोल्यौ।

वो भळे केवण लागो-"गरु! छूट जाऊ तो गिरै मिटै। म्हैं ई सुधर जाऊ अर घर आळा रा ई काळजा ठर जावै। अै सैंग कमीण म्हनैं अेक मोटी आफत समझे।"

घर आळा ई बापडा थारै सारू डोडा अर अमल कठै सू लावै? कमावणियौं तो बींद धू है घर में। थोडी ऊडी विचार करनै सोच। घर आळा तो बापडा ज्यू त्यू करनै धकावै तो है। घणा-घणा थिनवाद है आनै तो। म्हैं हेमै नै कैयो। वो चिनींक ताळ तो चुप पडियो रैयो नै पछै अेकदम भळे बोलण लागो-

"घर आळा तो पक्का कमीण है माडसाव! थानै अजै म्हारै घर री ठा नीं है। नेना अर मोटा सैंग ई म्हनैं तो मारणी चावै। म्हारा तो दुस्मण हे, दुस्मण। आ सगळा नै ई म्हैं तो आक सरीखो लागू। सैंग आ ई चावै कै ओ कित्ती बेगो मरै। म्हनै तो अै मारण नै ई खपै। था नै ठा व्हैणी चाईजे कै अै सैंग म्हारै लारै पडियोडा है। म्हैं तो आ री आखिया में खटकू हू। अै तो म्हारी मूढी ई देखणी नीं चावै। कोई पैलडै भव रौ वैर है, काढै है बापडा। अै जाणै है-ओ मर जाय तो पाप कटे। म्है सोरासुखी व्है जावा, पण माडसाव ओ आ रो कोरो भरम हे। म्हैं, थे जाणो हो, मरिया पछै आ नै छोड दूला? कदेई नीं।"

"मरिया पछै म्हैं विपलौ बणनै आ नै अेडा फफेडला के वेटा घणै दिना याद राखैला। आ रै माय तो अेडी भूडी करूला कै डगलीचूक व्हियोडा नै भागता मारग नीं लाधैला। विपळै आळौ उपदरौ अजै अे दीठौ नीं है। ढाणी में अेडी खैगाळ मचाऊला के आ रा चूळिया ढीला पड जायला। पितर बणियोडो जदै हाडण लागौ तो आ रा धोतिया अर धाबळिया नीं भराय दू तो म्हारो नाव हैमलौ नीं। अबार

अै तन तन छो करता। मरू जिती जेज है। मरिया पछै तो आ री बोलती वद करनै अेडी छींका अवाणूला कै अै वगना व्हैता जेज नीं करैला। म्हनै पितर तो होवण दो, पछै देखजो मजौ। सवा री ढूढ घड घड नै ढेकणी बोलाय दूला। ढुवा अेडा भागूला के अै ढुई टेकने सेवट ढूगा रै अेडिया लगावता ई दिखैला। म्हने तो मारग लागणो ई है पण आ नै तो आठू पो'र चौसठ घडी नचावती ई रेवूला।" हेमो कालो व्हियोडी अटसट निरवाध वकिया जावै हो।

म्हैं अवै अरजण सामी झाक्यौ। अरजण! वातडी हमें कावळ गेड जावती दीसै। आदमी पूरो दवियोडो है। हेमो, ओ सगळो प्रळाप काले मिनख री दाई डोडा री कमी सू अणपखी व्हियोडो करै है। कठै ई अणकारी वात नीं वण जाय। मामलौ जकौ वणियौ है, म्हनै तो उणरी छेहलो नाको लागै। का अमल का डोडिया री जुगत वेगी सू वेगी वैठे, तदेई वाजी रेवै, नितर वातडी हाथ सू निकलण आळी है क्यू के कावळ तो तर तर भारी होवती लागै। बोल! कीं उकरास है?

"माडसाव! देवण री तो ठा नीं पण वगतियो आज ई दोय कीलो डोडा लायौ जरूर है। भाव तो ठा नीं के लगावेला?"

म्हैं अरजण नै कैयौ-"थू म्हारो नाव लेयनै वगतियै कने सू आधी कीलो डोडा छेकाई सू लावै जकी वात कर। भाव वो लगावै जकौ छो लगावतौ। लै अै वीस रिपिया! कुडतियै रै खूजै में न्हाख। ओ कनै ई जोगतै आळी ढाणी में ऊट ऊभो, लेयजा। पाछो किती वेगी आवै मोटियार।" म्हे अरजण नै भोळावण दी।

अरजण जोगले कनै ऊ ऊट लैयनै अपलाणियों ई चढ्यौ। चढती पाण ऊट नै ढाण कर दियौ। दमेक में जाय पूगी जोगै आळी ढाणी। जोगै नै सगळी विगत वतायनै आधी कीलो डोडा लिया अर पूठी छेकाई सू आयग्यौ। डोडा वटकी में घालनै पाणी सू भिगोय दिया। गळिया पछै वा नै गळणी सू वटकी में छाण्या। वटकी अेक कानी मेल'र हेमै नै झिझोड नै वैठो करियौ। डोडा त्यार करती वगत हेमै रै छोरडै नै चाय वणावण री कैय दीनी हो अर वो छोरडी घोनी मेळनै चाय चढाय दीन्ही। डोडा आळे रस ऊ वटकी सेंठी छालनै हेमै नै झिलाई। वटकी हथेळी माथै लेयनै वो अेक ई सास में गटकायग्यो। वळतै दीयै में ज्यू तेल निमड जाय अर उणरी लौ मोळी पडनै वुझण री त्यारी कर लै, पण पाछो तेल घालता ई जाणै उणमै प्राण वापर जाय अर चानणो पाछो तेज व्है जाय, उणीज भात डोडा पेट में पूगता

ई हेमै रै कोठै में चानणी व्हैगौ। वो सजीवण सो व्हैगौ। दूजोडी बाटकी भरनै भळै पकडाय दी। दूजोडी बाटकी हमैं वो नैहचै सू होळै-होळै पीवी। डोडा उगाया पछै उणनै चाय पिलाई। म्हैं अर अरजण ई चाय पीवी।

चाय पीवती टेम हेमौ अबै मुळक्यौ। गरु थे तो आज म्हारै माथै मोटी म्हैर कर दी। आज तो थै म्हनै बचाय लीनौ। मोत रै मूडे में गियोडे नै उबार लियौ। म्हैं कोई हालत नीं बचतौ। थे दोनू जणा यू समझलो, म्हनै नूवौ जलम दीनो है। म्हनै तो थे न्या'ल कर दियो न्या'ल। ओ अेसाण तो म्हें जिनगी में ई नीं पातरूला। अै डोडिया कितरै पडसा रा है गरु?

पडसा तो लागा जिका लागगा। थनै पडसा ऊ के करणी है? बचियोडे डोडिया नै भळै काम ले लीजै। अेक बात रो ध्यान राखजै। आ डोडिया रै खूटण सू पैला पैला थू अमल का डोडिया रो सराजाम कर लीजे भाईडा, नींतर हिडोळै चढग्यौ तो काम आ जायला। कोई नेडै ई नीं आवैला। मिनख तो तमासो देखेला अर थू जावैला खोखा खावतो, बा'रै रै भाव। पाळ पैला ई बाधियोडी काम आवै, पछै तो नद रै रेले में गडिदा खावतौ ई निगै आवै। मिनख नै चेती राखणी चाहिजे। म्हैं उणनै पूरी भोळावण दीनी।

"के मनवार करू आपरी?"

"सब बाता री लै'र है हेमा!" थू मौज कर। हमैं थू बैठ म्हे चाला। मोडौ खासौ व्हैगौ। इतरी कैयनै म्हे व्हीर व्हैगा।

"तो आछी तरा सिधावौ। भगवान आज तो भली पुळ में मेल्या थानै।" केवतौ सुणीजै हो। म्है थोडा खाथा पग भरनै सरपच री ढाणी पूग्या।

राखडी री छुट्टी रौ दिन। इस्कूल में नीमडै री छिया में माचौ ढाळियोडौ नै म्हू आडटेड करू। इस्कूल आळै हत्थै सू सटियोडे अगूण कानी जूनौ कटाण रौ मोटो मारग वेवै। अेक बेवतोडौ ओटी मारग माथे आपरो ऊट ढाबने म्हारै सू नमस्कार करिया। म्हैं नमस्कार रौ पडूतर देयनै ओठी ने नाव गाव पूछ्या। उण आपरो नाव'र गाव बताय दीना।

"धकै सिध जावौ?" म्हैं पूछ्यौ।

"जावणौ तो खासी अळगी भा है पण ।"

"पण के? रोटी जीमणी है?"

"नहीं रोटी तो जीमियोडी है।"

"म्हारे तो चाय आळो टेम हुग्यो। इण सारु आपनै बैठा देखनै ऊट नै ढाब दियो।" वो सकीजतो सो बोल्यो।

"चाय पाणी घणा। आछो सक्रै करियो?" ऊट नै उण पैलोडे सरेस रै वाधनै आ जावो। अवार बणावा चाय। वो सरेस आळे पीड सू मुरी कसने ऊट बाध दियो अर म्हारे कनै आयने बैठगो।

"आपा थोडीक ताळ वतळ करा, जितरेक कोई न कोई आ ई जासी' वो ई आपाने चाय बणायने पिलावेला।"

"तो ठीक है।" कैय परीनै वो म्हारे सू वाता में लागगो। सजोग सू जितरेक पूनमी आयगी। म्हैं उणनै चाय बणावण आळो काम भोळाय दीनो। पूनमी जायनै चूल्हो जगायो जितरेक राजा आय पूगो-हेमी वधाणी। म्हैं पूनमे नै हेलो करियो—पूनमा' हेमै री सवारी पधारगी है। चाय हिसाब सू बणाइजे। हेमी ई हेठी वैठगी।

"आज तो हेमा' राखडी री फूदी मोटी बधायो रै।" म्हैं हेमै रै हाथ कानी देखनै पूछ्यो।

"फूदो तो माडसाब' वसी मा'राज आयगा हा, वाध दियी।

आज तो राखडी पून्यौ ई है।

"राखडी बधाई री मा'राज नै के दिखणा दी हेमा?"

"पय्या तो म्हारे गोडै कित हा? वाजरी रा आखा दिया अेक धोवौ भरनै।" कैयनै हेमी म्हारे सामी झाक्यौ।

ठीक हे हेमा' अन्न री दान तो सास्तरा में सै सू ऊचौ दान मानीज्यौ है। अन्न सै सू मोटी है। म्हैं हेमै नै समझायो। चाय बणाय नै पूनमी ले आयौ अर सगळा जणा चाय पीवी।

ओठी आछी तरिया रजनै चाय पीवी अर चाय पीया पछै बोल्यौ-"गरु आज तो पून्यौ है, परव गै दिन। थानै म्हैं थोडोक अमल देवूला, ना मती दीजो।"

"म्हू तो अमल अंगैई नीं लिवा करू।" म्हैं ओटी नै समझायो।

"नीं गरु चिन्योक दस्तूर तो करूला।" ओटी अडग्यो।

"तो तिल जितरोक दे दो।" इणसू वेसी म्हारे नीं खटैला।

"कीं वात नीं, थानै रुचै जितोई लो।"

पू कैंयनै वो तिन भरियो अमन म्नै दियो अर मैं उणरी मनवार नै साची कर दी। वो हेमै सामी झाकनै बोल्यो—"इण भाई री के नाव है? थोडीक किरची इणनै इ देऊन्ना।"

मैं बोल्यो—"इणरी नाव तो हेमी है पण किरचडी तो आधे तिल ऊ वती नीं घटे। निपट सोफी है।"

वो तो म्नै सैंग टा है। गाव री गत खेडा ई वताय दै। हेमै री उणियारी आप कैवै। हेमी तो माडसाव। अेक चीज ई दूजी है। ओटी हसनै बोल्यो। हेमा! आज राखडी पून्यौ है। परव अर पूनीं दिन। थू म्हारी मनवार री अमल आछी तरिया रज'र ले लै। वो हेमै नै घणै सनेव सू कैयो।

"थारी नाव के है?" हेमी ओटी नै पूछ्यो।

"म्हारी नाव तो भूरियो है हेमा।"

"भूरा म्हारै अमन लीनोडो है। मैं थारी मनवार मान ली। थू थारै गिनायता में जावै है। थारै गोडै अमन री किरचडी होवणी चाहिजे। म्हनै थू चिणै जितोक दे काढ। म्हारै घणोई घणी।" हेमी उणनै मली तरा समझायौ।

हेमा थू भाईडा, दीसै तो अरड बधाणी है पण है मोळी ई। दीसै जेडी कोयनी। म्हारी दिल तो थनै पूरी मावी करावण नै करै पण थू तो थारी पोत पैला ई वतावण लागगी। म्हनै थोडोक अेक बै'म भाईडा भळै है। स्यात थू सोचती व्हैला के इणरै कनै अमल सरासरी ई व्हैला अर आपा इण मारग थैवतै नै क्यू सतावा?

"तो भूरा! टीक है। थारी मनवार तो मानणी पडसी।" हेमी मुळकतो बोल्यो।

भूरी हमैं चकूडे ऊ, आपरी डबी री अमल निकाळ'र नेना-नेना नुकरा करिया। नुकरा ऊ हथेळी भरनै वो हथेळी हेमै रै सामी करी। हेमी अवै चूकण आळो कदे। पूरी मन री काढी। हेमी मन ई मन में करै-'ऊपर आळो देवै जदे छप्पर फाडनै देवै। आज आपणै तो सोनै री सूरज उग्योडो समझो। भूरे री हथाळी सू हेमी दो-दो तीन-तीन नुकरा उठावती गयौ नै वरडकावतो गयौ। वो अेक तोळे रै लगैटगै अमल नै ठीकाणै लगाय दियो। भूरी मन में सोच्यो—हेमी कडीर तो जबरेल है, मोळी नीं।

"ले भूरा! म्हैं धापनै अमल ले लियौ। थारी मनवार पूरी मानी।"

"अब ठीक है हेमा! म्हारी जीवसोरौ होयग्यौ। नींतर म्हारै मन में गिचपिच रैवती।" भूरो हसनै कह्यौ।

अबै भूरौ सरेस सू वाध्योडो आपरो ऊंट खोल्यौ अर उणरी भूरी पकडियोडी म्हारै कने आयौ। घणै सनेव साथै हाथ मिलाय नै जै रामजी री करी नै रवानै व्हैगौ।

भूरौ खासी भा गियौ परौ जदै म्हैं वोल्यौ—"हेमा आज थू अमल रा घोपटा तौ जबरा ई करिया।"

"हा माडसाव! आज घरै वैठा गगा आयगी। दाता देवै जद छप्पर फाडनै यू ईज तौ देवै। म्हैं आज आपरे गोडै आयो जद सुगन सागेडा लेयनै आयो। भूरी आज म्हारै भाग री ठीक आयौ। म्हनै तौ वापडी ओडी रजायी है कै गई दोय दिना री। हेमौ पूरो मगन व्हियोडौ वोल्यौ।"

भूरे आळी अमल उगण में ठीक हो। हेमौ तौ ओडी घोडै चढियौ कै वाता फैंकै लाबी लाबी। वाता रा टोल गुडावतौ-गुडावतो ई वो आपरौ हाथ ढूढ कानी लेयगो। पोत री अटी में खलेचीनुमै टूल रै खोतळियै ने बो खाचनै काढयौ अर आपरे धके मेल्यौ। खोतळियै में तमाखू री पान अर सुल्फी। सुल्फी रा मूंडै माथला काना दोय तीनेक जगाऊ चिन्या चिन्या झडियोडा। वो ओक कुचरौ लेयनै चिलम रै माय घणै दिना रै गुल ने कुचर-कुचर ने वारे काढ्यौ। पछै मूंडै सू उणमें लारली कानी सू फूक ठोकी। हथेळी माथै तमाखू री पान लेयनै उणनै मसळियो अर पान रै आपरी दोनू हथेळिया सू दोय तीनेक थापी देयनै सुल्फी में भरियौ।

"चूल्हे में वासदी तो होवैला माडसाव?"

"वासदी तो चूल्हे में नीं व्हैला?" हमैं तो नींतर ई चाय रो वगत व्हैगौ। वासदी तौ वाळणी है ई।"

"म्हैं गरु चिलमडी भरली, गोटी बणायलू, थोडी वागस झिलाय दो।"

म्हैं उणरै सामी तूळिया री पेटी फैंक दी। पोतियै रै आटा में मूज रा दोय तीनेक तोडा गडोयोडा, ओक तोडी वो खाच नै काढ्यौ अर ओक नेनीक गोटी वणाई। गोटी रै विच में ओक कुचरौ अडायो नै तूळी सू सिलगाय दी। गोटी त्यार व्हिया पछै चिन्नम माथै मेन'र होळैसीक अगूठै रै इसारै सू उणनै दवाय दी। पाखती पडियै लोटै सू चळू में पाणी लेयनै स्यापी भिगोई। स्यापी निचोड नै चिन्नम रै हेठलै

छेड़े लपेट दी। अबै वो चिलम री फूक खाची। फूक अेडी आकरी खाची कै चिलम रै मायली तमाखू में झाळ उपडगी।

"चिलम आकरी घणी खाची हेमा! बापडी तमाखूडी रौ अेक ई फूक आळै सरडकै ऊ पाप काट दियौ।" म्हैं हसनै कैयो।

हेमी म्हारली वात सुणनै थोडौसोक मुळक्यो। उणरै मुळकणे सू दाढी अर मूछा आळा बाळ, जका अेकमेक व्हियोडा हा, थोडाक छिदा व्हिया अर वा रे बीच में थोडीक गळी बणी। पीळा पीळा दात तिडकावतौ वो बोल्यो-

"आज तो गरु घोडे चढियोडौ हू। म्हारी चोथा सारू खूब लियोडौ है। म्हैं तो चदोळा खावतौ फिरै हो। भूरियो अलाई भली पुळ में आय भिडियौ। धूपट लागै जदै यू ई लागै। धूड में लट्ट लागणी हो, लागगो। तीन पौ'र तो आपा राजा बणियोडा हा। इतरौ कैयनै वो चिलम री फूक खाची पण बाता आळै टोरा में घणी जेज लागण सू वा बुझगी ही।" बेटी आ हरामजादी कैडी दुखदेणी हे, बुयती जेज नीं करै। अबै दूजी ई भराला।" कैवतौ वो चिलम नै अेक कानी झाडदी।

आज हेमी पूरी मगन व्हियोडौ, जाणै कोई गढ जीत्योडौ व्है। सावठो उन्मादयोडौ। काळियै रै परताप सू नडी-नडी चेतन व्हियोडी। हेमी तो भूपत बणियोडौ। हियै में अणूतौ उमाव भरियोडौ। वो कदी पावू राठौड रा तो कदी गोग चव्हाण रा सूरापण आळा दूहा बोलै। गोग अर पावू ने रग देवै, बो न्यारौ। मन में पूरी छैल बणियोडौ। पावू अर गोग चव्हाण नै रग देवतौ-देवतो वो तेजौ गावणो पोळाय लीनौ। तेजै आळे गीत नै वो लावी राग सू उगेर्यो। म्हैं समझ्यौ के अै सैंग चाळा बापडी हेमी नीं करै है। अै तो काम इणरे माय बडियोडे काळियै रा है। हेमी तेजै आळे गीत री राग नै लावी खाची। लाछा गूजरी री गाया लायौ मोडनै । 'मोडनै' सबद रै साथै ई हेमी तो थासी में अेडो अळूझ्यौ कै म्हैं तो देखतौ ई रैग्यौ। उणरौ तो सभळणौ ई मुस्कल व्हैगी। मूडौ रातो लाल नै आंखिया में पाणी री लडा। उणरे वस री वात नीं रैई।

"बेटी रा बाप! थनै ई बाटी खावतै नै बूज आई।" म्हैं थोडी रीस करनै कैयौ।

हेमी खासतौ-खासतौ बारै गियौ। कठा में झिलियोडे खकार रे डचकै नै खेंखारै री आछट ठोकनै बारै टेक्यो जदै जायनै उणरे जीव में जीव आयौ। पाछौ आयनै बोलौ-बोलौ बैठगौ।

"हेमा! औ दूहा नै गीत गावणा थारै वस री बात नीं है। बळण दै आगा। मती गा। घणी अळूझग्यौ तो कोई नूवीं गि'रै करैला।"

हेमी नीची थूण करनै बैठगी। म्हे दोनू बाता करता ईज हा, जितरैक सामी ऊ चेनो आवती दिख्यौ। चेनी ई अरड वधाणी। चेनी उमर में हेमै ऊ कीं मोटौ। वधाण में दोनू अेक ई धोतियै रा पल्ला। दोनू जाणै अेक ई डूगर रा मोरिया। चेनै रै पगा में लावा-लावा लिक्तर टेक्योडा, जिण सू वै' तै रै लारै धूड उडै। अेक हाथ में ढेरियो नै दूजोडै में पीतळियौ होकौ लियोडी। चेनी आयनै राम-राम करी अर बैठगी। बारलै छेडै दोना रा लिक्तरा अेक जोडै, कनै-कनै पडिया, जाणै अेक ई कपनी अर अेक ई 'मेक' रा है। चेनै रै दोनू आखिया में गीड आयोडी। पोतिनै रा पेच ढीला पडनै भापणा माथै आयोडा। अगरखी रै कूणिया माथै ऊ फाटनै मोटा-मोटा बागा हुयोडा जिका रै माथ अणूती काळी काळी मैल जमियोडी। दाढकी रा रूगता ठोडी माथै कीं जाझा। ठोडी रै आ'डै-पा'डै साव छीदा। दाढी सफा धोळी पण चिलम अर होकै आळै धूंवै सू पीळास लियोडी। चिलम रै प्रताप सू धोतियै रै तीन च्यारेक चादी आळै रिपियै रै उन्मान ठींडा व्हियोडा। चेनै रै मूडै में दात अेक ई नीं। मूडी सफा फोफलियौ। पण अमल रो गनीम तो अेडौ भूडो कै मसूडा सू ई अमल आळे नुकरा नै भाग-भाग नै ठीकाणै लगावती जेज नीं करै। म्हें दोना रै सामी बेठौ-बैठौ देखू। दोनू अेक आडी रा। दोनू कनै-कनै बैठा। म्हनै हसी आयगी। आज ओ जोग कैडी बणियौ जकौ अै दोनू ई पोतादार म्हारै कनै हेकण ठोड आयनै भेळा व्हिया। म्हारै गोडे केमरो नीं हो, नींतर दोना रो फोटू खाचे जेडी जबर मोकौ हो।

"था दोना में मोटी कुण है चेना?" म्हैं हसनै पूछियौ।

"मोटी तो माडसाव! म्हू हू। हेमली तो का'लै री छोरी है। म्हू तो छिनवे काळ में ई भरपूर मोटियार हो। हेमै रै तो आणौ लाया वा दिना म्हारी दाढी में छीदामाडा धोळा बापरग्या हा। म्हू के आज रो हू? कैई उन्हा-ठाडा बायरा रा दोटा खाधोडा है म्हारै। म्हू तो खासा वरस गिट्योडी हू। हेमली तो माडसाव! मोटी वधाणी होवण सू अेडी बूढी खपीड व्हे ज्यू लखावै है। डळा-डळा खावण सू ओ अेडो विकराळ दैत ज्यू लागै।" चेनी खासी ताळ हेमै री उमर आळी तातो ताण्यौ।

यू रोळ मसखरी करता करता म्हे चाय बणाई। म्हू तो अेक कोप चाय पी पण वै दोनू दो दो पिया पछै व्हा करी।

"हमैं थारली होकौ भर चेना। देखा कैडीक आवे? ठा तो पडै।" चाय पिया पछै हेमी बोल्यौ।

चेनौ आपरौ होकौ उठावतौ बोल्यौ—"पीवण में हेमा! ओ मोळौ क्यू व्है? बापडौ घणौ जूनौ है। ठेठ म्हारले दादे रै हाथ रो है। आ तीजी पीढी है, अजै तो वैडौ रौ वेडौ पडियो है।"

चेनौ आछी तरा होकै में तमाखू भरनै माथे वास्ती रा खीरा धरिया। नै' मूडै में लेयनै हेमौ अर चेनौ बारी-बारी सू गुड़गुडावण लागा। होकौ पीवणौ वै पोळायो ई हो कै भेरौ आयनै बोल्यौ-माडसाव! फोजे री ढाणी आज रात रा रामदेव बाबै रौ जमौ है। थानै घणेमान बुलाया है।

"ठीक है भेरा! सुण लियौ, जरूर आऊला।"

भेरौ तो गियौ परौ नै म्हें चेनै अर हेमे सामी झाक्यो। दोनू ई पूरा मगन व्हियोडा माय ई माय हसे।

"थे दोनू ई इतरा राजी कीकर व्हिया? कीं धन लाधगौ?"

म्हारी सवाल सुणता ई वै अेक साथै बोल्या—"म्हाटी आज तो फौजो न्याल कर दीना गरु।"

"न्याल कीकर करिया थानै?"

"कीकर के गरु! ढाणी गिया पछै आवकार रै साथे खावण नै सखरा रोटा अर ओलण, धपाऊ चाय नै गै'रा अमल-डोडा। इण सू घणौ बापडो के करै? बोलै कनी चेना!"

"थे जमै री, भजना री, ग्यान री अर भगवान री बात तो हेमा अगेई नीं करी। कोरी खावण-पीवण री बाता सतरह करली। आपा भगवान रौ नाव सुणण नै जावा हा का रोटा ठोकनै डोडा पीवण नै?' म्हें वा नै पूछ्यौ।

"भगवान रौ नाव तो हैईज। पण बापडौ फोजौ आयोडै मिनखा सारू सराजाम करण में कीं कसर नीं राखैला। म्हारो मुतबल ओ है माडसाव।" हेमौ आपरी सफाई देवतौ बोल्यौ।

"तो माडसाव! चाला का थारै अजै जेज है? वे दोनू हेकण साथै बोल्या।

"नीं हेमा! थे दोनू पूगता व्हो, म्हें तो घणौ मोडो रात पडिया आऊला।"

हेमी बोल्यौ—"चेना! होको समाळ भाईडा। म्हे तो आपा आदू आटी ढाणी रै कनै ऊ सीधा ई निकळी। भा खासी लावी है, आपा टुळता व्हो। वै दोनू रवाने व्हैगा। दोनू हेकण साथे सागण मेक आळा लिकतरा पगा में टेक्योडा फोजे आळी ढाणी सामी अेकी हुडी जावे हा, जाणे आ रै पूगण सू ई फोजे आळो काम सुधरेला। म्हें वा नै जावतोडा नै देखे हो। वै दोनू खाथा पडियोडा सपीड वोलावता धकै वधै हा अर वै लिकतरा वा रै लारै धूड उडावण में लागोडा हा।

उण दिन रै पछे तीन च्यार महिणा निकळगा। हेमी म्हनै पूठो नीं मिळियौ। अेक दिन इस्कूल री रिसेस व्हियोडी। छोरडा विखरियोडा अठीवठी रमै। मास्टर घणखरा इस्टाफ रूम में बैठोडा नै दोय तींनेक चाय री सौक राखणिया म्हारे कनै कमरै में बैठा। म्है वैठा-वैठा चाय पीवा। अचाणचकै हेमी आयनै कमरै रै वगैरणै विचाळे ऊभनै नमस्कार करिया। म्है नमस्कार री पडूतर देवती हेमे रै सामी झाक्यौ। आज तो उणरी हालत थापनै माडी लागी। मूडौ उतरियोडो। ऊभौ।

म्हें हेमै ने खरी मीट सू जोयौ। आज उणरा विलिया विखरियोडा हा। गाडी साव दोय लैण माथै आयोडी। डेरो पूरी ई लारलै आसण में आयोडी। उणरी आखिया में गीड रोजीना ऊ कीं जादे ई आयोडो। उरमाणै पगा। पोतियै आळा आटा इलरा ढीला के दोनू कान ई ढकीजगा। अगरखी ऊधी पैरियोडी। तमाखू आळो खोतळियो आज अटी में नीं, पोतिये आळे आटा में खसोलियोडो। पोत रा दोनू पल्ला ई वरावर नीं। अेक पल्लो गोडै ऊ ऊपर तो दूजोडो गोडे ऊ खासो नीचो। अेडी लागे जाणे धोती वेवेते व्हियौडी बाथी व्है। थोडो-थोडो नाक ई वरे। चूकती मामलो अगळ-डगल व्हियोडो। मूडी रोऊ-रोऊ हुयोडो। अेडी लखावै जाणे हेमै री ऊभी रैवण री आसग ई नीं व्है। रिसेस खतम होवण री घटी वाजगी। मास्टर अर छोरा सैंग आप आप री किलासा में गया परा।

"हेमा हेठो वैठजा।" म्हें उणनै कैयौ। म्हारलो सोचणो सही हो। उणरी ऊभी रैवण री आसग विल्कुल ई नीं ही। वो तो वेठण रौ कैवता ई भच्च देणी कमरी ऊट री गळाई वैठगौ। अवै वित म्है दोय जणा ई हा।

"हा तो हेमा! अवै वता के वात है?"

वो गळगळो व्हियोडी नै निजर म्हारे सामी। वोलै नीं।

"अरे वेटी रा वाप! वोल तो खरी। वोलिये टाळ मिनख नै टा कै पडे?" म्हें थोडी रीस करनै पूछ्यौ।

उणरा कठ थोडाक खुल्या अर टूटोडासाक वोन निकळ्या। माड सा च। खूजे में अेक टको नीं अर डोडिया लावणा जरूरी। नींतर म्हारी तो भळै ई मौ त आयगी। कबूतर नै तो गरु कुओ ई दीसै। म्हनै तो मरतगाळ में थे ई निंगे आवौ। आपरे गोडे आवता सरम ई लाख गाडा आवै, पग ई दोरा पडे, आवण री छाती ई आहजी पडे, सैंग वाता है पण जदे च्यारूमेर सू मारग वद व्है जाय जदे प्राण वचावण री आसरौ म्हनै तो आप आळी ई दीसै। कै करू? मजबूर व्हियोडी उनैं टूळू। म्हैं देख्यौ-हेमै री आखिया आसुवा सू भरियोडी नै डबडबाईजियोडी ही। होठ ई फुरकण लागग्या हा।

"कित्तरा पइसा जोईजे?"

"दस रिपिया।" हेमी जवाब दियौ।

लै दस रिपिया! म्हैं खूजे सू काढनै दे दिया।

वो दस आळी लोट लैयनै माथै रै लगायौ अर वोल्यौ-

"गरुजी! म्हैं महिणेक ऊ अै रिपिया आपनै दूध में खोळ नै पूठा देऊला।"

अवै हैमै रै मूडै माथै की सायत वापरती सी लागै ही। वो नमस्कार करी अर व्हीर व्हैगी। हेमी खाथा-खाथा पावडा भरती जावै हो अर म्हारै अतस में उणरै कथण रा वै आखर माटै आळै सिलालेख दाई कुरीजग्या हा-

"गरुजी म्हैं महिणेक ऊ अै रिपिया आपनै दूध में खोळनै पूठा देऊला।"



काळजीभौ

म्हारी इस्कूल सू खासी छेटी माथै भोमै चौधरी रौ घर हो। भोमै रौ ब्याव व्हिया पछै पाचेक बरसा ऊ अेक दिन रात री बारेक बजिया उणरै घरै थाळी बाजी। थाळी आळी टणटणाट म्हनै ई सुणीजियौ। म्हैं सोच्यो-बापड़ै रै सामी भगवान जोयौ तो खरी। लुगाई री पेट नीं मडणै सू भोमै री मा अर बाप, डोकरौ-डोकरी दोनू ई घणा दुखी हा पण आज तो वा दोना री ई हियौ ठरग्यौ। थाळी री टणटणाट पाडोसिया नै ई सुणीज्यौ। दिन ऊगता ई भोमै रै घरै पाडोसणिया भैळी व्ही। बाळै रा मगळगीत गावीज्या। गुड बाटीज्यौ डूम ढाढी आया, वा नै ई राजी करिया। जलम माथै जितरा रिवाज नै रीता व्हे, वै सैंग पूरी व्ही। समचो व्हिया पछै भोमै री बै'ना ई आप आप रै सासरै सू भाई रै घरै आई। वा नै ई भाई भोजाई री तरफ सू कपडा रा वेस अर नेगचार दीरीज्या। बाळो दोय तीन महिणा री व्हियौ जद घर आळा टाबर रो नाव राख्यो-भींवडो। नाव तो घणोई जोरदार राख्यौ। पाडु-पुतर भींयौ कुणसी मोळो हो। ज्यू-ज्यू दिन बीत्या, भींवडो मोटो व्हियो। भींवडो पाच छ बरसा रो व्हैगो। पाच छ बरसा पछै भीमडै रै वधण आळी काम धापनै मोळौ पडग्यौ। थोडौ घणौ डीगो भळै व्हियौ पण पछै तो वधण आळी काम ठप्प। भोमो उणनै दूध अर असाळियौ ई खासो पिलायौ पण भींवडो तो नीं बधियौ जको नींज वधियौ। मा बाप कानी सू करियोडी माथाफोडी सैंग अळी गी। वो तो जाणै नीं वधण रो सकळप ले लीनो हो। बावनियौ रे'णौ हो जको रैयगो। ओपरौ मिनख जे उणनै पूठ कानी सू देखे तो आई जाणै के कोई व्हेला-सात आठ बरसा रौ छोरौ पण मूडै कानी देखै जद ठा पडै कै बापजी तो खासी उमर में है। टींगणौ रैया पछै गाव आळा चूकण आळा कद रा? गाव आळा अबै उणनै टेणियो कैवण लागगा।

उणरी भींवडी नाव तो बिल्कुल ई लुकग्यौ। टेणियौ नाव मिनखा री जवान माथै अेडौ चढ्यौ कै गाव में बूढा-ठाडा, लुगाई-टावर सैंग उणनै टेणियौ कैवै।

टेणियौ छ बरसा रै लगैटगै हो जद अेक वार घर आळा नै अेक अेडी करिस्मी बतायी हो कै बापडा रै सातू नाडिया रौ ई निसरग्यौ हो। बापडा इचरज सू भरियोडा वै तो टेणियै सामी झाकता ई रैयग्या। उण दिन पछै तो घर आळा टेणियै ऊ डरण लागगा। वा रै मन में टेणियै रौ पूरौ डर बैठगौ।

बात यू बणी कै टेणियै री मा भारी पगा ही। लुगाई दोय जीवा व्है जदै पेट तौ अनवत मोटौ हुया ई करै है। वा आटौ लुळियोडी घर रै आगणै में झाडू काढै। टैणियौ टावर हो, आगणे में रमै। झाडू काढनै टेणियै री मा जदै सीधी व्ही तो टेणियौ उणरै गोडे आयौ। वो आपरी मा रै कनै आयनै ऊभग्यौ। उणरी मीट आपरी मा रै पेट माथै पडी। वो पेट रै माथै आपरौ हाथ फेरतौ थकौ बोल्यौ-

"मा थारौ पेट मोटौ क्यू व्हियौ?"

टेणियै री मा बापडी इण सवाल रौ पडूतर कै देवै? वा होळेसीक मुळक नै रयगी। थोडीक छेटी ऊ आगणे में टेणियै री दादी बैठी-बैठी बिलोवणौ करै। डोकरी नै ई हसी आयगी। वा टेणियै नै आपरै कनै बुलायौ। वो दादी रै कनै गयौ जदै दादी उणनै आपरै खोळे में लेयनै समझावणा ढूकी। "थारी मा रै पेट में नेनौसोक बाबू है। आपाणे घर में भळे अेक भइय्यौ होवैला। थारै जेडौ रो जेडौ। थू उणनै रमाइजे।" दादी रा बोल टेणियौ ध्यान सू सुणिया। दादी री बाता सुणनै वो दादी नै कैयौ-

"दादी मा! आपाणे भइय्यौ तो व्हैला, पण थू देख लीजे वो तो होवता पाण ई पट देणी मर जावैला।"

टेणियै रौ ओ बोल सुणता ई डोकरी रै मन में झाळ उपडगी। वा उणरी टाट में ठोलौ मचकायनै गाळिया काढती थकी टेणियै नै आपरै खोळे सू अळगो कियौ अर बोली-

"अरे टालाभूला! ओ के आखर काढ्यौ थू? अरे करमफूटोडा! आ के जची थारै?"

डोकरी गाळिया काढनै रैयगी। दस पन्द्रेक दिना ऊ भोमै रै घर में दूजी वार थाळी बाजी। हुयौ तो छोरौ ई पण टेणियै रै कैणे मुजब होवता पाण ई वो तो पाछौ हुग्यौ। घरआळा बापडा कूकारोळौ करनै रैयग्या। के जोर करै? डोकरी (भोमै री मा)

रै हिये में पूरी जमगी कै–छोरी तो काळजीभी है, जिणमैं फरक नीं। अवै घर आळा वापडा टेणियै सू डरण लागगा। वा रै डर बैठगी कै मूंडै सू जे ओ कीं कावळ भाख दियो तो तीन तेरह करनै छोडेला। इण घटना सू गाव आळा रै मन में ई पूरी गादडी वडग्यो। वे ई टेणियै सू डरण लागगा। वा नै ठा पडग्यौ कै छोरै री जबान फळै हे, इण सारू लोग उण सू आपरी पल्लौ आगी ई राखता।

भोमे रै घर में अेक टाळवा गाय ही। पूरी डीलरी धणियाणी अर डील गैल ई वा दुधाळी। मेळावती टेम धणियाणी री काळजो ठारे। टक रो छ कीला दूध। धोळै रग री फूटरी फरूरी गाय। पूरे गाव में अेडी धेन किणरै ई नीं। भोमै ने आपरी गाय माथै खासो गुमेज। भोमी आपरी गऊ री पुरी सेवा चाकरी करती। घर में धीणी भरपूर हो। ओलण कानी सू सैंग घर आळा सोरासुखी हा। भोमी अेक दिन गाय नै घर सु उछेरण सारू खोली। टेणियी कनै ई ऊभो हो, वो बोल्यौ–

"काका! थे आपणी गाय नै कठै ले जावौ हो?"

"इणनै खेत में उछेरा। आ सैंग दिन आपणे खेत में चरैला नै सिझ्या ग आपणे घरै पूठी आ जावेला।"

"आ तो काका! अवै कदेई आपणे घरे पूठी नीं आवैला।"

बात या सागी ई वणी। गाय सिझ्या ग ढाणी नीं आई। भोमी आखती-पाखती गाया में घणोई फिरियो। चकरी चढियोडी फिर फिर नै आपरी पगरखिया रा खाल्डा कर लिया पण गाय तो नीं लाधी जकी नीज लाधी। वापडो हारनै हेठी बैठो। गाय आळी वारदात सू टेणियी पूरै गाव में काळजीभो पक्को ते व्हैगो। हाडी तीर ऊ डरै ज्यू ई गाव आळा टैणियै ऊ डरै।

टेणियो पूरे गाव में दोटा देती रैवतो। दूजी उणरै काम ई के हो? बो फिरतो फिरतो प्राइमरी इस्कूल में जा पूगो जठै रामेसरलालजी माडसाव घणै बरसा ऊ जमियोडा। इस्कूल अेकल अध्यापक। हैड मास्टर, मास्टर नै चपरासी कीं समयी, थै रामेसरलालजी अेकला ईज। रामेसरलालजी छोरा नै चोखा भणावै जिणसू गाव आळा वा सु पूरा राजी। माडसाव रै घरै तीन च्यारेक बकरिया, अेक गऊ नै अेक घोडो। आ जिनावरा सारू चारो-कूचौ गाव आळा री तरफ सू। माडसाव रै लै'र लाम्पोडी, टावरटोळी मौज करै। गाव जाणै जागीर में मिळियो व्है। वा रै तो पूरी मौज लागोडी। म्हैं ई किणी काम सू माडसाव गोडै आयोडी हो। म्हा दोनू गल्ला करा हा। रामेसरजी जदै टेणियै रै माथै मीट न्हाखी तो वे अेकदम राता-पीळा व्हैगा अर बोल पड्या।

"अरे टेणिया! हरामजादा थू अठै कीकर आयगी? थू अठै क्यू आयौ? थनै पीळा चावळ कुण दिया? इण भात वै उणनै फटकारणी सरू करियौ।

"थू अठी आ! म्हें थनै बताऊ।" रामेसरलालजी बोल्या।

टेणियौ चुपचाप ऊभौ झाकै पण बोलै नीं। रामेसरजी जदै उण माथै घणी रीस करी तो म्हें बोल्यौ–

"इणनै छोडो माडसाव! क्यू मगजपच्ची करो? ओ गै'लो गूगो अर भोळो तो है ईज पण साथै ई काळजीभौ न्यारो है। आगो वळण दो।" काळजीभै री नाव सुणताई माडसाव तो व्यग्य री भासा में म्हनै समझावण माथै उतरगा–

"गरु! थे ई पढिया-लिखिया व्है परा नै अणपढ मिनखा री गळाई दिमाग मैं अधविस्वास राखौ। के होवै काळजीभौ? मिनख तो काला है। झाटी झाल ली– काळजीभौ, काळजीभौ, काळजीभौ। म्हें साइन्स री विद्यारथी रैयोडी हू। म्हें तो आ वाता नै बिल्कुल ई नीं मानू। अेडा काळजीभा तो म्हे घणा ई दीठा है।" वै भळै दाकल करनै टेणियै नै आपरै कनै बुलायौ। टैणियौ डरतौ डरतौ वा रै कनै आयनै ऊभगौ। माडसाव अवै रीस में बोल्या–

"क्यू आयौ रै अठै? इस्कूल थारै बाप री है? कमीण! हरामखोर! वणजा मुरगौ।"

टेणियै रै तो बडेरा नै इ ठा कोनी कै मुरगौ किण नै कैवै अर कीकर वणै? जदै रामेसरजी रै हुकम री अनुपालणा नीं व्ही तो वा नै रीस घणेरी आयगी। वै कुरसी माथै ऊ ऊभा व्हैय नै टेणियै रै दोय तीनेक झापट जड दिया। जातो रै' अठा सू, नींतर भळै लाता मचकावूला। माडसाव आपरी आफरो पूरो झाड दियौ। टैणियौ कूकनै रवानै व्हैगौ। कूकतौ-कूकतौ वो बोल्यौ–

"थू तो हमैं दोय च्यार दिना री पावणौ है। थारी अजळ अठा सू ऊठग्यौ। जावतै रौ सपीड वाजैला। वदली नीं व्है जाय तो म्हनै कैय दीजे।"

टेणियौ गियौ परौ। टेणियै रै बोला माथै रामेसरलालजी नै घणी हसी आई। वै मजाक में म्हनै कैवण ढूका–

"तो हैडमाडसाव! आपणी तो अव वदली होवण आळी है। टैणीजी री ओडर हुग्यौ है। टेणियौ तो म्हारो इस्पेक्टर है। वदली तो इणरै ईज हाथ में है। ओ तो आपरै दफ्तर में पूगता ई म्हारी वदली री ओडर डाक सू रवानै कर देवैला। रामेसर जी भळै मजाक रै मूड में बोल्या–लो हैडमाडसाव! इस्कूल री टेम तो हुग्यौ। अब

आपणै घरा चाला। था नै ई चाय रो ओक कोप तो पिलाय दू। बदली तो व्हे ईज गी।"

म्हैं दोनू रामेसरजी रै घरे आया। वा रै घरआळी चाय बणायनै लाई। चाय पीवती टेम वै भळै टेणिये नै चितार्‌यो। बेटे रै माथै में दोय च्यार झपीड लाग्या जदै वो म्हारी बदली माथै आयौ।

"रामेसरजी! अेडे नै छेड्योडो चोखो कोनी। सैंग गाव आळा केवै के उणरी जवान फळै है, जदी तो ओ काळजीभौ बाजे। आपरो तो इण गाव में ठाठियो सागेडो जमियोडो है। सोरा सुखी बेठा हो। कठैई अेडे मुरदै री जीभ फळगी तो गिरै' व्हे जायला।"

"फळिया ओ फळिया, हेडमाडसाव! थे ई पूरा दकियानूसी दिसी म्हनें। कागला रै केणै ऊ ढाढा थोडाई मरे।"

म्हैं थोडीक देर गप्पा लडायनै घरै आयगो। रामेसरजी म्हनैं च्यारेक दिना पछै मारग में मिल्या। मूडो अेकदम थाप खायोडो। थापनै मोला पडियोडा।

"आज यू मोळा कीकर हो? के चित्या है? आळोच में डूबियोडा दीसौ?"

"चित्या क्यारी है हेडमाडसाव! उण कगाल री जबान तो साचाणी फळगी। बदली रौ ओडर काल्है ई आयग्यौ। हमैं तो दिनूगे ई स्पेयर होयनै जावणो पडसी। गिरै' तो सागेडी व्हेगी। पण जोर के चालै? रौळ-रौळ में देखौ के वात बणी है? म्हनै ई बाटी खावते नै बूज आई। पतळै गू में भाटो वाह्यो जदै ओ नतीजौ निकळ्यौ। हरामजादी बैठा-सूता आफत करदी। इण कमीण नै उण दिन नीं बतळावता तो ठीक रैवतो।"

"थे तो साइस रा आदमी हो। अेडी वाता में विस्वास करौ काई?" म्हैं चूगट्यौ भर्‌यो।

रामेसरजी बोल्या—"अवै म्हैं मानग्यौ कै है ओ पक्को कालजीभौ, पण अब मानण सू के होवै? म्हारी तो इण टिकट कटाय दी। म्हैं तो हेडमाडसाव! वा सागै ई करी के—आव बलद म्हनै मार। बापडी कोई केवणियो ठीक ई केयौ है के 'पेना रह्ता यू तो तरना जाता क्यू?' ठीकाणै पडिया हा आराम सू पण इण काळजीभियै तो खडबडाय नाख्या। माथै में कमेडी हाली जदै इण कोजोडे ऊ बाथेडी करियो। आपरै हियै मायली चूकती विथा वै म्हारे सामी भाख दी। रामेसरजी रा पग उखडग्या, गाव छोडणी पड्यो।

अेक दिन सिझ्या रा म्हारे कनै लाखो आयग्यौ। म्है गप्पा लगावण बैठग्या। चाय पीवती वगत म्हैं लाखे नै कह्यौ–

"लाखा! सी तो रटका सागेडी ईज काढै।"

"सी तो गरु! पडण आळी को पडे है नीं। इण सरदी रै लागण सू ई तो बापडौ टैणियौ ताव में पडियौ है। म्हैं आज दिनूगै भोमै रै घरै गयौ हो, बापडौ टैणियौ तो ताव में सीकै हो।"

"जदै ई लाखा! तीन च्यार दिना ऊ म्हैं उणनै देख्यौ ई नीं। चाय पिया पछै घडी भरिया मिळियावा तो?" म्हैं लाखे नै कैयौ। म्हारै भोमै ऊ कीं काम ई हो नै मिसामिस टैणियै रा समचार ई पूछियावा। लाखौ हा भरली।"

म्है दोनू भोमै रै घरै गया। टैणियौ ओरडी में सूतौ। म्है अर लाखौ अेक माचै माथै बैठगा।

"टैणियौ तो माडसाव! बापडौ ताव में पडियौ है।" भोमौ बोल्यौ।

"तो भोमा! इणनैं कीं दवा बीजी दीनी का यू ई भुगतै है?"

"म्हैं डाकदर गोडे गियौ। ताव आळी गोळिया लायौ हू। दोय गोळिया इणनै दीनी है अर माथै चाय पिलाय दी। भगवान करियौ तो ठीक व्हे जायला।"

"तो ठीक है। कीकर टैणा? थारै कीं आराम है?" म्हैं टैणियै नै पूछ्यो।

"हा माडसाव! हमैं कीं फरक है। थोडी थोडी माथौ तो दुखै है पण ताव में खासौ फरक पड्यौ है।" टैणियौ आपरी हालत बताई।

"भोमा! इणनै दूध पिलावता रैईजी। अै अंग्रेजी दवाया गरम घणी व्है। आ माथै दूध पिलावणौ जरूरी व्हिया करै।"

"दूध में कमी नीं आवण दू। टैणियै नै भावै जितरौ ई दूध पीवौ। आपरी तो दया चाहिजै। दूध री लै'र लागोडी है। कीं कमी नीं है। अेक गिलास तो आपरै सामी ई पिलाय दू। भोमौ अेक गिलास दूध रौ भरनै लायौ अर टैणियै नै पिलाय दियौ। टैणियै रै दूध पीया पछै भोमौ चाय बणायनै ले आयौ। चाय पीवती वगत म्हैं भोमै नै पूछ्यौ–भोमा! घी कित्तरोक हाथ आवैला? म्हारै तो घी सैमूदौ ई खतम व्हैगौ।

"घी तो गरु! दिनूगै आळो बिलोवणौ व्हिया दोय किलौ साव सोरौ सोरौ हुय जायला। दिनूगै थे दोय किला घी ले जाइजौ।"

"तो दिनूगै आळो विलोवणी व्हिया पछै भोमा म्हनै दोय किलो घी जोख दीजै।' म्हैं भोमै नै पकावट करावती कैयौ।

"दिनूगै आळौ विलोवणी तो माडसाव! म्हनै होवणी ई मुस्कल लागै।" टेणियै सूतौ सूतौ कैय दीनौ। म्हे सैंग जणा उणरै मूडै सामी झाकण लागगा।

"ओ यू कीकर वोल्यौ?" म्हैं भोमै नै पूछ्यौ।

"वापडौ ताव में पडियौ-पडियौ वेले है। वो देखौ आगणै में भैंस अर गाय आळौ दूध आछी तरिया कढायोडी कढावणिया में ठरै है। जमावण देवा जितरी जेज है। विलोवणी नीं होसी तो जासी कुनै?"

"विलोवणौ तो दिनूगै नीं व्हैला। थे वाता भलाई करौ।" टेणियौ भळै आपरी वात नै खरावट करतौ वोल्यौ। म्हा सैंगा नै हसी आयगी।

भोमौ वोल्यौ-"गठ ओ तो वुखार में पडियौ-पडियौ बकै है। वापडै नै वकण दो। आपणौ के लेवै? इणरी जीव सा'रै कोयनी। वेले है।"

अचाणचकी वारै आगणै में जोरदार दडवडाट व्ही अर उण दडवडाट रै साथै ई कोई ठाव फूटण सू की लुळे जेडी खळ्ळाट व्हियौ।

"ओ के व्हियौ?" कैवतौ भोमो दौड'र वारै गियो अर लारै रौ लारै म्हें ई वारै आयो। वारै आयनै देख्यौ तो कढावणी री ठीकरिया विखरियोडी पडी, नै दूध रा रैला आगणै में घणी-घणी मा में गियोडा।

"आ के वात व्ही?" म्हें भोमै नै पूछ्यौ।

भोमौ वोल्यौ-"माडसाव! ओ काळियौ कुत्तौ आपणै पाळियोडौ है। वडो नेक अर समझदार गिडक है। दूध दही री रुखाळी ओ ईज करिया करै है। के मगदूर के दूध-दही आळी कढावणी अर जमावणी गोडै कोई मिनक्री, हाडौ का कोई दूजौ जिनावर आ जाय। हू जाणू दूध री ठोकाक कोई मिनकी कदावणी रै नेडै आई व्हैला अर कुतियै उणरै' लारै झडप काढी व्हैला। इण कुत्ते-मिन्नी आळै गोदम सू आ वात वणी है। भोमा'ळी वात म्हारै ई हियै लागगी।

"आ ईज वात व्ही है भोमा!"

म्हे दोनू जणा पूठा ओरडी में आयनै वैठगा। म्हारै दोना रै माचै माथै वैठा पछै टेणियौ वोल्यौ-"होवैला दिनूगै आळौ विलावणौ? म्हे दोनू ई उणरै मूडै सामी झाकण लागग्या।

दो च्यारेक दिनाऊ टेणियो ठोर व्हैगौ नै पाछौ गाव में टिप्पा मारणा सरु कर दीना। अेक दिन वो घूमतौ फिरतौ म्हारै कमरे में आयगौ। दिनूगै रौ वगत। म्हैं चाय वणावण में लागोडौ। कमरे रै बारणै आगै सू मारग वेवतौ गेपरियौ भील म्हारै सू नमस्कार करिया। म्हैं उणनै नमस्कार रौ पडूतर देवतौ थकौ पूछ्यो-

"आज तो गेपर! खवै बन्दूक घात्योडी, मूछा रै वट्ट ठोक्योडौ, पूरो तानमान व्हियोडौ अर तानारीरी करतौ कुनै टुरयौ है? कीं मतौ दूजौ ई दीसै।"

गेपर बोल्यौ-"हा गरुजी! आज अेकाध हिरणियौ लावण री तेवड करी है। खासा दिन व्हैगा सिकार करिया नै।" गेपरियौ मुळक नै रवाने व्हैगो अर म्हैं चाय वणावण में लागोडौ।

"ओ बन्दूक लेयनै के काम गियौ है माडसाव?" टैणियौ म्हनैं पूछ्यो।

"ओ सिकार गियौ है टेणा! बापडै अेकाध हिरणियै नै मारसी, ओ ईज इणरौ क्रम है। आज कोई न कोई हिरणियै री गिरै आयोडी है।" म्हैं टैणियै नै समझायौ।

टैणियौ बोल्यौ-"माडसाव! म्हनै तो लागै है गिरै' इण री खुद री आयोडी है। ओ कठै ई खुद काम नीं आ जाय।"

म्हैं टैणियै रै मूंडै सामी झाक्यौ। वेटौ आखर तो कावळ ई काढ्यौ है, देखौ कीकर व्है। चाय वणनै त्यार व्ही जदै म्हैं अर टेणियौ दोनू जणा चाय पीवी। चाय पिया पछै टेणियौ आपरै घरै गियौ परौ।

टैणियै आळै आखरा सू म्हारै मन में डर वैठगौ। म्हैं आळोच में पडियोडौ सोचण लागौ कै घणै ऊ घणौ ओईज व्है सकै है कै गेपरियौ हिरणियौ मारण सारू आपरी तरफ सू पूरी माथाफोड करै अर तो ई हिरणियौ उणरै पल्लै नीं पडै तो धूड खावतौ रात पडिया ताई पाछौ आय जावैला पण खुद रौ विणास तो क्यू व्है? अर कीकर व्है? वात कीं मगद में नीं वैठी। कुनै ई दिमाग लगावौ, गेपरियै रौ के विगडै? वेटौ टेणियौ यू ई टोरौ ठोक दियौ।

उण दिन छुट्टी ही। गरमी रौ मौसम। म्हैं रोटी जीम जूटनै सोयग्यो। म्हारी आख लागगी। म्हनैं नींद में आधी रो सूसाट सुणीज्यौ। वारै झाक्यौ तो दरसाव वडौ विकराळ वणियोडो। इस्कूल आळै नीमडे रा मोटा-मोटा डाळा सूटै रै झपीडा सू दोटा चढियोडा। अचाणचकौ मोटोडो डाळौ टूटनै हेठो पडियौ। सामी हरदान आळै खेडै में च्यार पाचेक जूनी अर मोटी खेजडिया जमी माथै लाबी व्हियोडी पडी।

पचायतघर थकलौ मोटोडौ नीमडो पोडी रै आध विचाळै ऊ टूटनै अेडौ लखावै जाणै खवीस व्है। सूटौ दरखता नै मुरड-मुरड नै भागण में पाछ नीं राखी। पूळा री कराया नै जडामूळ सू उठायनै कुनै ई लेयगी, ठा ई नीं पडी। गाया-भैंस्या री टापा ओ'ला अर घोना-लरडा रै अेवाडा री वाडा, नेनै घेटिया-बकरिया रा तूताडिया सैंगा रौ पोखाळौ कर नाख्यौ। छा'ना-छपरा रा डोका तो कुनै ई गिया अर जमीं में रोप्योडा खूटा लारै रैया। सूंटै रै आडै-अवळै झपीडा सू पसु-पाखी नै मानखौ तकातक आकळ-वाकळ व्हैगौ। दमेक में सूटौ तो सैंग काम अगळ-डगळ कर नाख्या। सूंटै री झाट ई घणी अराडी व्है, कुण नीं जाणै।

गेपिरयो रोही में पूगने हिरणियै सारू अटी वटी डोळा फाड्या, जितरेक तो जगळ में सूंटै आळौ सूसाट सरू व्हैगौ। गेपरियौ वात ओळखली कै सूटौ आ रैयौ हे अर सूटौ ई हळको अर मोळौ नीं है पण उण रिण रोही में कुनै जावै? कुणसै घर में वडे? जगळ में तो भलाई अराडौ मेस वरसौ, सूटौ आवौ का जोरदार तावडौ पडौ मिनख नै तो दरखत री ई सा'री लेणी पडे। गेपरियौ ई भागनै अेक मोटै खेजडे री सा'रौ लियौ। खेजडौ जूनौ विरख हो। खेजडे रौ पोड अणूतौ ई जाडौ हो। गेपिरयौ खेजडै रै आपरा मो'र भिडाय नै ऊभगौ। गेपरियौ सूंटै रै झपीडा अर दोटा सू घणी ताळ वाथेडी करियो। कैथाणी कूडी नीं है के मौत रा कैई बहाना व्हिया करै है। उण खेजडै री अेक मोटी डाळी टूटनै अरडाट करतौ पाथरौ गेपरियै माथै पडियौ। इतरी मोटी डाळी के छोडै? वापडौ रिण रोही में काम आयगो। गियौ तो हो हिरण री सिकार करण सारु अर खुद सूंटै री सिकार व्हैगौ। घर आळा नै पूरी चित्या लागोडी ही। सूंटै री परभाव खतम होवता ई वै रोही कानी भाग्या। थकै जायनै देख्यौ तो गेपरियौ डाळै ऊ दवियोडौ मुवोडौ पडियौ है। लोथ नै घरै लाया। वापडा घरआळा कूकारोलौ करने रेयग्या, के जोर करै? होळै-होळै बात पूरै गाव में फैलगी।

गेपरियै री मरतु आळी वात जदै म्हारै काना पडी तो म्हने दिनूगै आळी टेणियै री भाख्योडी वात याद आयगी। म्हें म्हारे मन में सोचण लागौ-"इणनै कैवै-काळजीभौ।"

❑ ❑ ❑

झोटियौ

बांपडा मा बाप तो नाव छोटियौ राख्यौ हो पण पूत तो मोटौ व्हियो जदै इण नाव नै लजाय दीनो। डीगाई में वो साढे छ फुट रै नेडै पूगग्यौ तो जाडपणै में लारै क्यू रैवै। गवार ऊ भरियोडी बोरी रै उन्मान डील। उणरी काथी पाडे री व्है ज्यू तो माथौ भारीघरै में तींवण राधण आळै तावणियै रै जोडै। रग काळौ कुट्ट, काडी रौ व्है ज्यू। अबै बोलो-अेडै कवर नै छोटियौ कुण कैवै? रागस रै बचियै में के घटै? जदी तो बापडा गाव आळा ई सोच समझ नै ओ नाव 'झोटियौ' ठीक ई काढ्यौ। रग रूप नै डील देखता वो झोटै (पाडे) ऊ कम नीं हो। अेडै रै पगा री पगरखी तो पैला ऊ बणायोडी मोची कनै लाधै ई क्यू? जे आपरै पगा रौ नाप देयनै बणवावै तो ई दोय जोडिया जितरौ आवखान तो साव सोरो-सोरो लाग जावै। जे अेडी मोचड्या नै चोपडै तो आधा सेर तेल ऊ कम तो के लागै? ऊटा रै पगा में पगरखी कद व्है? ये तो उरभाणा ई वगै। झोटियै रै पगा में ई लिक्तरा कदैसीक ई दीखता। भगवान री मैरबानी समझौ का झोटियै रै पगा री, पगरखी च्यार महिणा ऊ वेसी नीं चालती। च्यार महिणा रै माय-माय बो वा रा फूदा बिखेरनै छोडतौ। बापडी पगरखिया लिक्तरा वणती जेज नीं करती। इण सारू झोटियौ घणकरौ लिक्तरा पैरयोडौ ई अठी-वठी मलगा मारतौ रैवतौ। काम रै नाव माथै फळी फोडण री उणरै सौगन। सेंग दिन अठीवठी पदडका मारणा अर भवतौ रेवणौ। मिनखा री जाड सू वो घणौ राजी रैवै नै घणौ मिनखा माय बैठनै ई बतळ करै।

झोटियै नै फगत दोय बाता रौ ई सौक। अेक तो घणौ खावण री नै दूजौ घणौ भार ऊचावण री। आ दोनू बाता में बो घणकरी बार कैई मिनखा सू अळूझ नै हार जीत माथै उतर जावै। बडौ आडू नै जिद्दी सुभाव रौ जम हो, जरख जेडौ।

होड करणी तो उणरे डावे हाथ री खेल अर नीं होड करती जेज करै। सरीर री हाण नै तो अेडा वळद समझे ई के?

म्हारी इस्कूल रै गोडे ई सेठा री दुकान। चाय री पत्ती सारू म्हैं दुकान मांयै पूगग्यौ। गिराक खासा भेळा व्हियोडा बैठा नै झोटियौ ई वा रै भेळौ बैठौ। हरकू रा उण दिन भैंसी ब्याई, उण सारु वो गुड लेवण नैं आयौ हो अर वो ई बैठौ।

''सेठा! गाया-भैंस्या नै देवा जकौ लाठियौ गुळ के भाव?''

''हरकू! जिनावरा आळौ गुळ तो भाइडा कीं हळको है। चोखोडौ लाठियौ तान च्यारेक दिना ऊ आवेला, दोय दिन ठैर नै ले जाईजे।''

''सेठा आज मरे उणनै अदीतवार कद आवे? म्हारी भैंस तो आज ब्यायोडी ऊभी है। बापडी नै उकाळ नै गुळ देवा तो उण री मळ पडै।''

''हा तो लेजा, है की मोळो हरकू, बोल! कित्तो करू?''

''पाच किलो तोल दो सेठा!''

सेठ ताखडी उठाई अर हरकू नै पाच किलो गुळ जोख दियौ। हरकू आपरी पछेवडी में गुड बाध लियौ।

''हरकू! भैंसी सारू इत्तोक गुळ के तो लियौ? बेटी रा बाप! इत्तोक गुळ तो मिनख ई खा जाय।'' झोटियौ बोल्यौ।

''हा इतरौ गुळ तो झोटियौ मिनटा में टिकाणे लगाय दे।'' अेक जणौ बळती में पूळौ नाख्यौ।

''हा तो ओ गुळ तो म्हैं आराम ऊ खा सकू। थू के जाणे है मन में।'' झोटियौ जिद्द पोळाय ली।

''जे नीं खाधौ तो?'' हरकू तै'म में आयनै बोल्यौ।

''जे नीं खाधौ तो इतरा मिनख बेठा है, चौडै थाडे केवू--दूणौ देवू दूणौ। गे'ला! मिनख री जवान थान खावण री व्है।'' झोटियौ देहड्क्यौ।

''पाच किलो गुळ अेकै साथे दाव नै ई नीं दीरीजे। भळै ओ कोजोडौ गुळ, कीकर खाय सकै? मूरख अर आडू लट्ठ है। आज इणरै दस किलो गुळ रौ फटीड लागणो लिख्यो है। पछेवडी री गाठ खोलतौ हरकू बोल्यौ।

पछेवडी आळी पोटळी री गाठा खोली, पल्ला छीदा करनै हरकू झोटियै रै सामी गुळ मेल दीनौ।

"तै ठोक देखाणी, थनै ई टा तो पडै। हार जीत करणी पातर नीं जाय तो म्हनैं कह दीजे।" हरकू बोल्यौ।

दुकान थकै बैठोडे मिनखा रै अेक मोटी तमासी व्हैगी। कैई जणा जाण करने झोटियै रा बिडद-बखाण करण लागा।

"झोटियौ तो डाकी राघड पड्यो है राघड। इण गुळ नै ओ के गिणे?" नेमी बोल्यौ।

"खावण में तो झोटियौ कैई जोसिया नै ई लारे राख दिया। इणरी राफा देखौ नीं, इण गुळ में ऊ तो अेक किरची ई उबर जाय तो म्हनै कहीजी।" पा'डे बैठो बिडदी खळकाई।

झोटियौ तो अबै मोटा-मोटा डळा राफा फाड-फाड नै मूडे में दाबणा सरू करिया। झोटियै रा दात अबै बोलण लागा जाणै खीजियोडै डागै रा दात माकड झाडती टेम बोलता व्है। गुळ माथै बैठो झोटियौ अेडौ लागै जाणै करक माथै ढींचाळ बैठौ व्है।

"रग है राघड थनै! आयोक तो जरकायग्यौ।" अेक छोरौ बोल्यौ।

"अरे ठे'रौ तो खरी, ओ तो आथौ के बाथोई ठीकाणै लगाय नै छोडैला। भूरे रौ काथौ जाणै लिखमै कुमार आळे पाडे रौ व्हे ज्यू।" दूजोडो छोरौ बोल्यो।

झोटियौ गुळ रौ गनीम वणियोडौ। हाथ नै मूडौ दोनू बराबर चालै। लाची पडण रौ नाव ई नीं। हरकू झोटियै रै गोडै रै कनै बैठो टुग टुग जोवे। ज्यू-ज्यू गुळ खूटै, हरकू रौ मूडौ फीटौ पडै। थोडीक ताळ में मूरखियौ तो सगळौ गुळ चरग्यौ। पछेवडी में उबरियोडा सैंग भोरा भेळा करनै लप भरी अर मूंडै में न्हाखतो पछेवडी झडकाय नै बोल्यौ-"लो हरकू! थारी पछेवडी। दूजो गुळ मोलावौ अर भैंसी सारू ले जावौ।"

सैंग जणा देखता ई रैयग्या। झोटियौ तो ऊठ ने रवानै व्हैगौ, जाणै आकल साड सूनै लाटै माय पूरा थोपटा करनै रवानै व्हियौ है।

"हरकू भळै करजौ हारजीत।" दुकान में बैठोडै मिनखा माय सू अेक जणौ बोल्यौ।"

"भाइडा म्हनै गत्तू ई विस्वास नीं हो कै अेडौ सूगली गुळ ओ पाच किलौ खा जायला।" हरकू हेप करनै पडूतर दियौ।

"सूगले अर सखरे में तो मिनख समझे। वळद सारू तो सैंग सरीखा ई व्हिया करे। झोटियो तो वळदा रो ई वाप है। ओ ई गुळ वापडी भैंसी नै देतो तो सुवाडी भैंसी रै गुण करतो। इण आकल वळद नै यू ई वैठो वैठो गोठ दे काढी।" दूजा कोई वोल्यो।

"भाईडा! वात तो साची है। ओ तो साचेलो वळद ई है पण म्हारी तो अकल निकळगी।" हरकू हस नै कैयो।

हरकू सेठा कनै सू पाच किला गुळ भळे तोलायो नै ढाणी पूगतो व्हियो।

ओ रटको देखनै म्हनै हेप तो आयो जको आयो ई पण साथै ई साथै हसी ई घणी आई। सेठा कनै सू चाय री पत्ती लेयनै म्हैं इस्कूल में म्हारे कमरै में आयो। चूल्हे में वासदी वाळनै म्हैं चाय वणाई। चाय चूल्है माथै ऊकळे ही, जितरेक म्हारो खास हेताळू भारमल आयगो।

भारमल कमरै में वडतो ई वोल्यो-"माडसाव! इस्कूल बोंडरी रै वारै मधियै आळे खेडै में अेन मारग रै विचाळे दोय खो'दा अेडा थुडिया है जिका री खेंखट खासी-खासी भा सुणीजै, दरसाव देखण जोग वणियोडो है। पाडा व्है ज्यू लखावै दोनू जणा। अगद रै उणियार झोटियो तो जाणै कुमकरण सू पजियो है। दोनू अेक ई गत रा। अेक रागो तो दूजोडो परागो। डील तो माडसाव! दोना रो ई थुथको न्हाखे जेडो। पण झोटियो तो डीगो नै डाड अर कीं अराडो लागै हे स्यात मोडो वेगो उणनै गोडा देयनै रैवेला। झोटियो कदी-कदी फींचियो अेडो आकरो वावै हो, जाणे जडो ऊट ताफडो वावै। झोटियै री झाट झिलणी तो दोरी है, पछे भगवान जाणै कीकर व्हेला?"

भारमल इतरी वात करी जितरै चाय वणगी। म्है दोनू फुरती सू चाय पीया पछे झोटियै आळे दगळ कानी व्हीर व्हिया।

"झोटियै रे सामलो कुण है?"

"सामलो सावतै आळो काळियो है।"

म्हैं अर भारमल वा रै गोडै पूग्या। दोनू जणा खसै। गाव आळा तीन च्यारेक भळे ऊभा।

"अै कीकर भिड्या रै गोरखिया?"

झोटियो तो गाव कानी ऊ आयो अर काळियो गाव कानी जावै हो। पैला तो अै दोनू वाता में अळूझिया। झोटियो वोल्यो–आज तो काळिया म्हैं हरकूडे नाई सू

पाच किला जिनावरा आळौ गुळ खावण री होड कर ली अर दुकान में बेठौ-बैठौ पाच कीला गुड ठोकग्यौ। बापडौ हरकूडौ भळै दूजौ गुळ तोलायनै भैंसी सारू लेगौ है।

काळियौ झोटियै री बात सुण नै बोल्यौ–"था रै ऊ इण घणौ खावण आळे काम टाळ होवै ई के है?"

झोटियै नै इण बात माथै रीस आयगी। वो बोल्यौ-"दूजौ थने के करावणौ है? दौडण में, मालो उठावण में, गेडी छुडावण में अर कुस्ती में म्हू त्यार हू। थू चावै जकी ई काम आजमायलै। झोटियै रै इतरौ केया पछै काळियौ कीं चढनै बोलग्यौ कै म्हारै ऊ जै कुस्ती आयग्यौ तो ढाणी मिनखा रै खंवे चढियोडो पूगैला। कुस्ती आवणौ कोई हरकू आळौ गुळ थोडी ई है जकौ ठोक परी नै पछेवडी झाटक नै धणी नै झिलाय दी। कुस्ती आळा तो आटा ई दूजा है।

काळियै आळा बोल सुणनै झोटियौ बोल्यौ–"तो थू मन में ओ गुमेज राखजै ई मती। खस नै देखलै। हमैं जेज के है? कुणसी रामेसर मा'राज ने पूछणौ है? या रै कनै ऊ के मौरत कढावणौ है। थारलै गुमेज ने भिडता पाण जे धूड भेळौ नीं करदू तो म्हारौ नाव झोटियौ नीं।"

यू बोलता बोलता माडसाव[1] अे तो भिडिया परा। गोरखियौ पूरी विगत बताइ।

मारग रै अैन विचाळै ओ अखाडौ मडियोडौ। दोनू ई गाढ रा धणी। अेक दूजै नै पटकण सारू खपे पण पडै कोई नीं। दोनू अेक दूजै री माजनो धूड में मिलावण सारू उतावळा व्हियोडा। कदी-कदी तामस में आयनै झोटियौ, काळियै नै अधर उठायलै अर चित करण सारू पटकै पण पडती बगत काळियै रा तो सीधा जमीं माथै पग ई पडै मौ'र नीं। काळियौ थोडौ खटरौ तो अवस पण झोटियै रै माथै वाधै जेडौ। खसता-खसता दोनू परसेवै सू हळाबोळ व्हेगा पण फैसलौ नीं व्हियो। झोटियौ काळियै नै पटकण सारू कैई कळाप करे पण काळियौ दाव नीं लागण दै। अचाणचकौ झोटियै री आछट सू दोना रा हाथ छूटगा नै बै खुल्ला व्हेगा। अेक दूजे नै काबू करण आळी ठोड सू पकडण सारू दोनू ई खपै। दोना नै हाथा आळा फटकारा ठोकता खासी जेज व्हैगी। झोटियौ खपियौ घणौई पण काळियै रै ई काची गोळिया रमियोडी नीं। झोटियौ अबै तमोळ में आयनै विफरग्यौ। उणनै चिडाळी

अेडी छूटी कै देखणिया देखताई रैग्या। दात अेडा पीसै जाणै धकलै रा चूंळिया हिलायनै छोडैला। यू करतौ-करतौ वो अवै बोलणौ पोळाय लीनौ-

"हमैं देख लाडी! थनै मजौ चखावूं। थारी फूदी काढने नीं छोडू तो म्हारो नाव झोटियौ नीं।"

झोटियौ हाफळा मारण ढूकगौ। हाफळा मारता-मारता वो काळियै नै पकड़ण सारू बाथ भरी। बाथ में नीं आवण सारू काळियौ अेकदम उछळियौ। उणरै उछळण सू जोग अेडो बण्यौ के काळियै री अेक टागडी ने अेक हाथ झोटियै री बाथ में झिलगा। अब वो जरख छोडण आळो कदै। आपरो पूरी गाढ लगायनै काळियै नै अेडी पछाड्यो कै पडतै रा मो'र वाज्या। काळियौ लचकाणौ पडियोडी आपरे मौ'रा री धूळ झाडतो बैठौ व्हियौ। बैठौ व्हिया पछे झोटियै रै सामी झाक्यो।

"गाढ टाळ पाच-पाच किला गुळ थोडौ ई खाईजै डोफा! झोटियौ बोल्यो। काळियौ मोळौ पडियोडी आपरी मारग पकड्यौ।

"थू दुकान सू ऊठनै पचास पावडा ई नीं भरिया ने आ के रम्मत माडनै बैठगो?"

"गरु! थानै ठा नीं है। ओ आपरी मगरपचीसी री मगजाई में आटी व्हियोडी हो। घणा दिन व्हिया, इणरा मी'र फाटे हा। बोले तो ई वेडो, जाणे सीधौ बोलणौ सीख्यौ ई नीं। आज ई इणरा मठ मरिया हे। सगळी आट ने टरड आज ठिकाणै लागगी। आज कान खुसने हाथा में आयगा। हमें पूछ पाधरी करियोडी ऊचो माथौ नीं करैला। अवै कदेई सामी नीं झाकेला। इणनै ई ठा तो पडियौ कै सेर नै सवा सेर मिल जाया करै है। ओ ई ठीक व्हियौ, बापडे रै मन री हूस तो नीकळी। खसण सू पैला माडसाव, इण मोटा बोल बोलणे में कीं पाछ नीं राखी। आ बोला माथै ई म्हनै भिडणौ पड्यौ, नींतर म्हू तो सीधौ ढाणी जावै हो। आज इणनै इत्ती दोरी पटक्यो है कै घणा दिना ताई याद राखैला। पूरो टीकली कमेडी बणियोडी हो। म्हने केवै कै "थू अजै दुकान में बैठने पाच-पाच किला गुळ ई ठोक्यो है किण ए ई कुस्ती आळा दो-दो हाथ नीं करिया। म्हारे ऊ कुस्ती आवै तो ठा पडै। रींछी अेडी उतारी है कै घणा दिना ताई पाछी नीं चढैला इणनै तो।"

"माडसाव! थे तो भणिया-गुणिया हो। मोटा बोल किणनै ई छाजै? नै घमण्ड करियोडो मिनख नै फावै? घमड करियोडो तो लका रै राजा रावण नै ई काम नीं

दीनी। उणरा ई भोडका भगवान मा'राज रै हाथा ऊ कटता ई निगै आया। उणरा ई हागडधाट सैंग ऊभा व्हैगा। इणरी तो ओकात ई के है? इण तरा झोटियौ आपरै मन री पूरी आफरी म्हा सामी झाड्यौ।"

उणरी सैंग वाता सुणनै म्हैं वोल्यौ—"आज भाईडा, झोटिया म्हैं तो थारा दोय रटका देख्या, नै दोना में ई थू लवर लेयगो। थारा दोनू ई कामडा सरावण जोग। म्हनै तो पूरौ ई आणद आयगो। लै आव इस्कूल में चाला। चाय पीया पछै जातौ रीजै।"

म्हैं, भारमल अर झोटियौ इस्कूल में आया चाय वणाय नै पीवी। घणी ताळ हथाई करी, पछै झोटियौ घरै गियौ।

इस्कूल में चेटी चण्ड री छुट्टी ही। म्हू कमरै में अेकलौ ई वैठौ हो। माडसा'व नमस्कार' म्हनै आवाज सुणीजी। देख्यौ तो आडे रै बा'रलै छेडै म्हारी इस्कूल री ईज अेक टीपूडौ जकौ सातवीं किलास में पढै, ऊभौ। नाव उणरौ किसनाराम।

किसना थू ठीक मौके माथै आयौ। चूल्हे में वासदी वाळ नै क्रेपेक चाय बणा दीरा। वो चूल्हौ जगायौ अर चाय वणाय नै म्हनैं पिलाई। चाय पिया पछे म्हैं उणनै पूछ्यौ-

"किसना ढाणी ऊ आयौ रै?"

"हा माडसा'व।"

"क्रीकर आयौ?"

"आज आपणै गाव में रासनआळी खाड आई हे नीं।" म्हैं खाड लेवण नै आयौ।"

"खाड ले ली?"

"नहीं।"

"नहीं रै" पडूतर साथै ई वो भळै वोल्यौ—सेठ तो अजै कारड ई नीं लिया। वै झोटियै सू माथा फोड में लागोडा है।

"कैडी माथा फोड?"

गोदाम में खासा मिनख भेळा व्हियोडा ऊभा है नै झोटियौ अर सेठ ठा नीं किण वात री होड माथै उतरियोडा है। होड किण बात री है? यू तो म्हनैं ठा नीं, पण है वात होड री। किसनो भळै आ नूवीं बात वताई।

"धू किसना! देगडी अर कोष साफ करनै कमरै में राख दीजै। आडो वद करनै ताळो लगा'र कूची म्हनै दे दीजै। म्है गोदाम में मिलूला।"

किसनिये नै भोळावण देयनै म्हें गोदाम में पूग्यौ। हारजीत आळी बात पूरौ जोर पकडियोडी। झोटिये री कैवणी कै खाड आळी दोय बोरिया मिनख म्हारै मो'रा माथे चिणदी। म्हैं वा बोरिया नै लेयनै दोय सौ पावडा जाती रैवूला अर सेठ कैवे कै नीं जाईजै। आ जिद्द चालै। होड सौ-सौ रिपिया री। गाव आळा री नीत सेठ रै सौ रिपिया रो फटीड लगावण री।

सेठ अर झोटियो आपस में ताळी ठोकनै होड नै खरी कीधी। सेठ मन में सोचे कै-झोटियौ कित्तरो ई सैंठो है, पण बोरिया ई तो दोय है नीं। ओ ले कीकर जावैला?

भेरौ म्हारै सामी आख भाग नै बोल्यौ-"कीकर गरु! थानै कीकर लागै? झोटियौ दोय बोरी आपरै मौ'रा माथे लेयनै दोय सौ पावडा जाती रैसी?"

म्हैं बोल्यौ-"भेरा! म्हनै तो लागे है कै ओ इण जलम में तो के जावै, सात बार जलम लै ले तो ई मुसकल है। दोय बोरी बापडी ई को होवै नीं। दोय बोरी जदै मिनखा इणरै मोरा माथे टेकी तो म्हू तो जाणू इण सू सागी जागा ऊ चुळीजैला ई नीं अर जे औ हिम्मत कर ली तो तीन च्यारेक पावडा चालता ई इणनै तो नानी याद आ जावैला। दोय कुटळ भार पूरौ ऊट रो भार है। झोटियौ कित्तरौ ई सैंठौ है पण ऊट ऊ सैंठौ तो है कोयनी।"

"वाह रै वाह गरु! हमकै न्याव कर दीनौ। म्हू तो खुद ई आ ई जाणू। दोय बोरी इणरै बाप ऊ ई नीं चालै।" हमकळी गुमनी बोल्यो।

म्हारै अर गुमने आळे बोला ऊ सेठ रो पतियारो पक्को अडीजत व्हैगौ। सेठ नै पक्की धीजी आयोडी हो, बोल्या-

मेलौ इणरै मो'रा माथे दोय बोरिया। दोय-तीन मिनख मिल परा नै झोटिये रै मौ'रा माथे दोय बोरिया ऊपरतळी चिणदी। झोटियौ तो पग पाडे रा व्है ज्यू रवानै व्हैगौ। दमेक में बो तो दो सौ पावडा माथे करियोडे निसाण रै माथे जाय पूग्यौ अर बोरिया पटक दी। मिनख तो अडारिया हुयाईज करै। जका छाती ठोक-ठोक नै कैवता हा कै झोटियौ बोरिया हरगिज नीं ले जाय सकै, वै सागै ई अब कैवण लागगा-म्हाटौ हद करदी भाईडा। कीकर ले आयौ? अचूभी आवै। सेठ री मूडी चिन्योक व्हैगी। मोळी पडग्यी।

"वाह रै राघड! झोटियौ तो झोटियौ ई है!" धिनवाद देवतौ कुभौ बोल्यौ।

सेठ अेक सौ आलो लोट जेब रै माय सू काढनै झोटियै नै झिलावतो बोल्यौ—"झोटा! म्हैं थनै अेडो नीं जाणतौ हो। थू तो कमाल कर नाख्यौ भाईडा। धिन है थारै मात-पिता नै। गाव में तो थू टाळवा ई है। मोटियार अेडो ई होणो चाहिजै। मडियो नै मुडदी के काम रो। यू गोबरिया गदफड तो घणा ई फिरै!" झोटियौ सौ आळो लोट खूजै में घालतो मुळक्यो नै गोदाम सू बारै आयगो।

इस्कूला में सीयाळे आळी सात दिना री छुट्टिया व्हैगी म्हैं अेक जरूरी काम सू छुट्टिया में घरै नीं आयौ। सी बडो कुजरवो पडै। सागेडी रडक। दिनूगै रौ बगत। म्हैं चूल्हेमें सिणियो बाळ नै दोय तीनेक कुमटियै री कठफाडा जगाय दी। खमत जोर पकड्यौ नै तप सागेडी हुयौ। म्हैं बैठी-बैठी तापू। मिनखा री स्यान लेवे जेडै कोजोडै रद्व में ई झोटियौ तो ठा नी कुनै ऊ आ धमक्यौ। बो नमस्कार करनै चूल्है कनै बैठगी अर तपण लागगी।

"आज तो झोटा! इण सी आळी घमरोळ में इतरी वेगो कुनै ऊ आयौ अर कुनै जावै?"

"जावण नै ठोड कठे? अठै ई पडिया फिरा हा।"

म्है बैठा बतळ करै हा अर तापै हा जितरेक तिलोको अर जगमाल दोनू आयगा। चूल्है कने वेठता बोल्या-

"माडसा'ब डाणै हो?

"म्हैं तो जगमाल डाणै ई हू पण थे अेडे रद्व में कुनै मालगा मारो हो? जे ठड हाडोहाड बैठगी तो गुजराती वणता जेज नीं लागैला। डाक्दर रै पैदा करावोला।

अब झोटा थू देगडी माज'र अेक लोटो पाणी घालनै लिया। देगडी चूल्है माथे मेल नै, ओलै में आपणी बकरी ऊभी है, मेळनै लिया। झोटियौ बकरी मेळ'र लायौ। चाय त्यार व्हीं, म्है च्यारू ई पीवण लागा।

"हा तो जगमाल! दिनूगै-दिनूगै कुनै टूर काढ्यौ?"

जगमाल बोल्यौ—"टूर के करमा रो काढ्यौ माडसा'ब! खेतै आळी ढाणी गिया हा, बळदगाडी लावण नै। पण गाडी री तो ऊद भागोडी पडियो है, के काम री?

"काई करोला गाडी रो?" झोटियौ पूछ्यौ।

"सोनै आळी ढाणी ऊ कडाव लावणी हो। तिलोकै री दादी डोकरी मिरगा पाच आगळा अस्सी लेयने राम करियौ है। उणरै लारै घूघरडी तो करणी'ज पडेला पण गाडी टाल काम ठप्प व्हेगौ। दूजी कोई गाडली नेडी दीसे कोयनी।

"सोनै आळी ढाणी थारली ढाणी ऊ कितरीक पडे?"

"भा तो घणी कोयनी। आधोक कीलोमीटर नीठ व्हैला। पण साधन टाळ तो कडाव लावणो सारै पण कोनी।

"ऊट माथे नीं आवे?"

"ऊट माथे कडाव जमे कोनी माडसाव। कडाव री तूडो गोळ व्है, वो पिलाण माथे ठेरै ई नीं।"जगमाल म्हने समझायौ।

"अब के करोला?" झोटियै सवाल करियो।

"के करा? कीं समझ में नीं आवे।"

"आ तो कीं समस्या कोयनी। गाडी ऊ थारै के धोक देणी है। सोना'ळी ढाणी ऊ कडाव लायने थारली ढाणी तो म्हू परो टेक देऽवू अर दूजो म्हने ठा नीं।" झोटियौ बोल्यौ।

"गाडी आळे नै कै भाडी देवती जगमाल?" झोटियौ पूछ्यो।

"डोढ सौ रिपिया।"

"झोटियौ तो दोय सो रिपिया ऊ अेक टकौ ई कम नीं लेवै। थारे जे मगावणी होवे तो बात खरी करलै।" झोटियो जोर देयने बोल्यो।

"साई आळो रिपियौ मेल म्हारली हथेळी माथै अर ढाणी आळी डाडी पकड। अबार आवै कडाव लटका लेवतो।" झोटियौ बात ने खरी करतो बोल्यो।

"बात तो खरी ई समझ झोटा। लै ओ साई रो रिपियौ, हाथ माड, पण जे थू भागग्यौ-टूटग्यौ का सिधायग्यौ तो म्हने ठा नीं है।" जगमाल मुळकतौ-मुळकतौ बोल्यौ।

"उण बात री चित्या म्हनै है जगमाल। थने सोच करण री जरूरत कोनी।" झोटियौ पडूतर दियौ।

रिपियौ देयने जगमाल अर तिलोकौ तो रवानै व्हैगा।

"झोटिया! अेडा जोखा'ळा काम आछा कोनी। कैथाणो कूडो नीं है के-'मूरख का तो खाय मरै का ऊचाय मरै।' दोय सौ रिपिया री के माजनौ है? कुनै ई आवै

जावै, अेडी जोखौ नीं उठावणौ। म्हारो तो ओई केणो है, ने पछे थारी समझ थारै कनै है।" म्हैं वोल्यौ।

"माडसाव! राज थानै पईसा महिणै रा महिणे वापडौ घणा ई देवे है, जदे था नै वाता आवै। म्है तो रिपियौ ई आख सू कदीक देखा। रिपिया पडिया कटै हे? वापडा मिनख थूड में माथौ दियोडा दिन सैंग आफळे जदे जायने सिझ्या रा पाच आळे नोट रा दरसण करै। राज री नोकरी लागगी, जदे ई वगला वजावौ। म्हा तो पइसे नै माई वाप समझा।" झोटियो जोर देयनै वोल्यौ।

"ठीक है झोटू! पण अवै थू म्हारी बात सुण। कीं झारो वारो करियोडौ है कै निरणी ई है।"

"म्हैं ढाणी ऊ निरणौ कदे ई नीं निकळू माडसाव! थानै तो म्हारी आदत रो ठा ईज है कै, के ठा पडे म्हें किण टेम के कमतर पोळाय लू। केडोई अवखौ काम व्हौ, म्हू तो खोळा टागतौ जेज नीं करू, जदे निरणी रैया कद पोसावै? दिनूगै ऊठतौ ई दोय जाडा-जाडा धेंड घडनै वांनै खीरा माथै सेक्या। धेड अेडा आकरा नै खरा व्हियोडा के जे किणी फोरै पतळे री छाती में ठोक दिया व्है तो बूज आ जाय। वा नै घी अर खाड में चूर परा नै ठोक्योडी हू। म्हारी तो थे चित्या ई मत करौ।"

"कडाव भाईडा खासो भारी व्है। माथै ऊपर मेल्या पछे जे टें बोलगी तो?" म्हैं रोळ करी।

झोटियौ वोल्यौ—"म्हारी गरु टें नीं बोलै। म्हनें म्हारै गाढ री पतियारौ है।"

झोटियो रवानै व्हैगौ। वडगडा-वडगडा सीधौ पूग्यौ सोनै आळी ढाणी। सिणियै री डोरियॉ काढने अेक मोटो अरावौ बणायौ। अरावो झोटियौ आपरै सिर माथै मेल्यौ। सात आठ जणा कडाव नै अधर करनै उणरै सिर माथै धर दियौ। कडाव उचावणिया झोटियै नै पूछ्यौ—

"कीकर झोटू! ले तो जायला?"

"तो ऊच्यौ का खातर है?"

झोटियौ रवानै व्हियौ। कडाव उखण्योडौ अळगी भा सू झोटियो अेडो दीसै, जाणै लिछमण सारू हडमान जडीवूटी आळौ भाखर ऊचायोडा सुवेल परवत माथे जावता व्है। झोटियौ तो आधेक घटै ऊ ओछी-ओछी वीखा भरती जाय पूगो जगमाल आळी वाखळ रै माय। च्यार पाच जणा पूरी सावधानी रै साथै कडाव ने पकड नै झोटियै रै माथै ऊ हेठौ उतारियौ। वाखळ में उभोडै मिनखा माय सू केई जणा थुथकौ नाख्यौ।

"वाह रे झोटा वार! ओ तो आपणे गाव री हडमान ई है।" भीखो बोल्यौ।

"ओ लायो कीकर? म्नै तो हेप आवे। रग है झोटिया थारे मात पिता ने।" गिरधारी बोल्यो।

"थोडोक फूकारो मार झोटा! चाय वणे है, चाय पीया पछै जाईजे।" पेमी टुणको नाख्यो।

"चाय तो आपा पीवाला, झोटिये सारू तो त्रिलोक दूध पाव भरियो घी न्हाख नै उन्हो करियो है। तपिये हाड गुण करसी।" जगमाल कह्यो।

"हा बिल्कुल ठीक है, लाइ री डील खुल जासी।" सामी बैठो दीपो बोल्यो।

जगमाल घी नाख्योडे दूध सू भरियोडो वाटकी लायनै झोटिये नै झिलायौ। झोटियौ तो निवायो-निवायो दूध गटकायग्यौ। दूध पीया पछै जगमाल आपरी गजी आळै खूजियै रै माय सू दोय सौ रिपिया काढनै जीवणे हाथ सू झोटिये नै झिलाया। झोटियौ रिपिया आपरी जेब में घालनै सामी पगा आयो म्हारै कनै इस्कूल में।

"कीकर झोटा! काम करियायो?"

"कडाव पुगायनै सीधो था गोडेई आयो हू।" बो मुळक नै कह्यौ।

झोटियौ आपरे अगोछिये री गाठ खोलण लागो।

"इणमै के लायो है?"

बो बोल्यौ—"इणमै की मालमत्ती है। गाठ खोलनै वो अगोछियो म्हारे सामी करियौ।"

पाच छ नूवोडा गोटा अर आधी किलौ चोखोडो माळवी गुळ। झोटियौ गोटे नै दोनू हथेळिया रै विचाळे झालनै आगळिया आळा कागसिया बीडनै जोर लगावै, गोटौ बरडाट करतौ भाग जावै। इण तरिया वो सैंग गोटा री चिटका कर काढी।

बो बोल्यौ—"लो गरु! हमैं ठोकौ। पनरै रिपिया रा गोटा नै पाच रिपिया रौ गुळ लायो हू। आपणे तो देपारी व्हे जायला।" म्हैं गुळ री अेक मोटी सी डळी अर च्यार पाचेक चिटका उठावतो बोल्यौ—

"आपणै तो झोटा घणी, बस थू ई खा।"

झोटियौ तो दमेक में वै चिटका अर गुल समेट परो नै अगोछियो झाटक नै आपरै खवै माथै नाख लियो।

"कीकर झोटा! कडाव तो दो'रौ आयो व्हैला?"

"म्हाटी भारी तो खासी हो कडावियौ। म्हैं जगमाल आळी ढाणी पूग्यौ जितै पूरी दवग्यौ हो। माथौ कुळण नै लागग्यौ हो। पण वातडी रै'गी, माडसाव!" झोटियौ हसण ढूकगौ।

"अेडी मूरख मतौ कदै ई नीं करणौ डोफा।" म्हैं थोडी गभीर होयनै कैयौ।

"हा वात तो आपरी सही है माडसाव! पण अजै तो भगवान वाजी राखै है। मन चिन्त्योडी अजै तो पूरी व्है। थकै री थकै देखी जासी।"

इतरौ फेयनै झोटियौ रवानै व्हैगौ। थोतियै रा खोळा टाग्योडा, उरभाणै पगा, पींड मइयै रा दै ज्यू डाडी माथै झोटियौ दोटा देवती जावै हो। म्हैं म्हारै कमरै रै वारणै माथै ऊभी हो। म्हैं उणनै जावतै नै देखै हो। झोटियौ आख्या सू ओझळ व्हैगौ जदै म्हैं माय आयनै माचै माथै आडो व्हैगौ। विचार आयौ-साई री कुदरत वोत वडी है। वेमाता कैडा केडा जिद घड-घड नै इण पिरथी माथै मेल्या है। रागस ऊ के कम है झोटियौ।

उण दिन रै पछै झोटियौ वीस पच्चीस दिना ताई आयौ ई कोनी। म्हैं सोचियौ—झोटियौ का तो वीमार व्हैगौ का आपरै कोई काम सू गावतरौ करियौ है, नींतर वो पूत इतै दिना आयै टाळ कद रैवै? उण दिन दीतवार हो। म्हैं घरिण्डै रै माय अेक नेनीक खटली माथै पडियौ आडटेड करू। उतराद कानी काठळ चढी। थोडीक देर ऊ रिमझिम झीणी-झीणी वूदा सरू व्हैगी। मेह रै साथै थोडी-थोडी पवन ई छूटगी। सिरांथियै कानी मामूली चीछड आवण लागी। म्हैं खटली नै थोडीक लारनै खींचली। म्हैं उतराद कानी काठळ में मीट गडोयोडी। वादळा रै विचाळै वीज अेडी पळकै जाणै घमसाण रै माय सूरै री वाढाळी पळाका करती व्है। कदी-कदी जळहरा रै धूडण सू घोका अेडी आकरी व्है जाणै तोपा रै गोळा रा हव्वीड वोलता व्है। परकत आळै दरसाव नै छोडनै म्हारी मीट अचाणचकी अेक दूजै दरसाव माथै पडी। तीनसोक पावडा माथै मारग-मारग झोटियौ झोटा चढियोडी आवै। अेकी हुडी हुयोडी जाणै स्याळख आळा नारा गाडी री पजाळी में वडता ई हुडी काढण नै लाग जावै। उरभाणै पगा नै खो'ळा टागियोडी झोटियौ आयनै नमस्कार करियौ।

"आव झोटा! अवकै तो घणा दिना ऊ आयौ। थारी तो उमर लावी है भाईडा! अवार ई थनै चितारियौ अर चितारता ई थू आय पूगौ। के सल्ला? अवकली कुनैई गाव जातौ रैयौ हो?"

"के नाव है थारो?" अेक जणो पूछ्यो।

म्हे म्हारो नाव वता दियो।

"थके कुण से गाव जावे?" दूजोडो आदमी पूछ्यो।

म्हें या नै तोडिये आळी वात विगत सू पूरी समयाई।

"भाईडा थू जका अेनाण वतावे, आ अेनाणा रो तोडियो तो राते म्हारे गाव आळे तळे माथे ऊभो हो। तोडियो तो हथीको थारले अेनाणा मुजव थारलो ई हो पण वो तो आगो ढळग्यो दीसे।" अेक मोटियारडो वावड दिया।

"तो थू जदे नाअेट है?" अेक अधखड आदमी वोल्यो।

"नाअेट में तो घाटो ई के है?" म्हें उणनै पडूतर दियो।

"थू नाअेट आदमी है। अळगी मा ऊ जमीं खूदतो आयो है। म्हे आ हाथ मायली पाथ पूरी करनै इण खेजडी हेठे आवा हा। थू हेठो वैठ। रोटी जीमने जाइजे।" अेक डोकरो म्हारी मनवार करी।

म्हू दस वा'रे कोस री जमी किचरियोडो। पेट में ऊदरा कूदे। म्हनै डोकरे आळी मनवार दाय आई। म्हैं खेजडी हेठे टाडी छिया में वैठगो। पाथ उतारिया पछै सैंग ल्हासिया ई खेजडी हेठे आय पूगा। रोटिया खेत में ई वणाई ही क्यू के म्हारी मीट पडी-वासती रो जगरो अजे वुझ्यो को हो नीं।

रोटिया जीमावण री जुगत व्ही। सैंगा रै थके अेक जणो लाय लाय नै थाळिया मेली। दूजोडे कनै रोटिया आळी छावडियो। वो अेकूकी थाळी में दो-दो सोगरा मेल दिया। अव घी री चरूडी लियोडो म्हारी गत रो अेक जिनावर आयो। तीन च्यार जणा नै घी परोस नै वो म्हारे कनै पूग्यो। अकल ई मोटी नै वोली री ई धाप ने फूड। म्हारे सामी ऊमनै वोल्यो—

कीकर रै! घी कितोक घालू?

म्हनै उणरी ओछी वोली माथे रीस तो आयोडीज ही। म्हें ई केय दियो—

"थारी मरजी व्है जितोई घालदे।"

मरजी रो कैवता ई उणनै तो झाळ छूटगी। डीगै काना री परात पडी ही, उणमें म्हारला दोनू सोगरा थाळी माय सू लेयनै न्हाख दिया अर परात में चरी आळो चूकतो घी उधाय दियो।

अवै वो बोल्यौ–आ म्हारी मरजी। थू कैयौ हो के थारी मरजी व्है जितोई घाल दै। हमैं औ सैंग खावणो है। जे छोड दियौ तो ठोकियै टाळ नीं छोडूला। म्हैं थाळी सामी झाक्यौ, परात में घी अेक कीले रै लगैटगै। विचार करियो-इण परात में तो अेक छाट घी छोडू नीं अर पछै ओ ठोकैला किणनै?

वा मिनखा रै माय सू अेक आदमी म्हारली थाळी (परात) सामी झाकनै घी घालण आळे नै फटकारण लागौ।

"मुकनिया! थनै की सोजी है रै? वै'तै मिनख ऊ इण तरिया रोळ थोडी ई करीजै? इण रोळ में के काढ्यौ? ओ मूँगे भाव रौ कीले नेडी घी डफोळ! अळियौ ई जावतो दीसै।

म्हैं दोनू सोगरा झीणा चूरनै, थोडीक दाळ ले ली। घोळियौ व्है ज्यू होग्यो। उण घोळियै नै अवै म्हैं लपा सु सवडकावण लागौ। आधै ऊ घणो सवडकाया पछै उण घोळियै में दोय सोगरा भळे मुरड्या। वा नै ठीकाणे लगाया पछे म्हैं चळू करी।

चळू करिया पछै म्हैं बोल्यौ–"कीकर मुकना! हमै तो को ठोकै नीं। घी अणूतौ ई हो। म्हारे ऊ खावीजतो तो कोनी पण भाईडा! थारली ठोक ऊ डरतै खावणो पड्यौ। मिनख हसण लागगा।

वा सैंगा सू राम-राम करनै म्हैं व्हीर हुयौ। गाव में पूगनै भळे तळै माथ ऊ पागळियै रा पग लिया। म्हैं आसरै ऊ चालतौ रैयौ। सूरज डूबग्यो हो अर अधारौ होवण आळो ई हो। म्हैं तिरू डूवू व्हियोडी वीखा मोटी भरण लागौ। अजै म्हनै नीं तो कोई ढाणी दीखी अर नीं गाव रा कोई अैनाण दिखिया। म्हनै चित्या व्हैगी कै रातवासी ई कठे लेऊला? म्हैं आळोच में पडियोडी खाथी-खाथी वगे हो, जितरेक सामी खासी छेटी ऊ चिन्योक चानणो दिख्यौ। अवे म्हनै धीजी आयगी के ओ तो गाव ई है अर जे गाव नीं है तो कोई ढाणी जरूर है। डग खाथा भरचा, गाव आयगी। गाव में वडता-वडता म्हनै सागेडौ अधारौ पडग्यौ हो। गाव रो चौवटौ आयग्यो। चौवटै में अेक ठोड तीन च्यारेक मोटा-मोटा छोरडा वाता करै। म्हैं वा छोरडा कनै तोडियै री बात करी। तोडियै रा अैनाण वतावता ई अेक छोरडौ बोल्यो–

"ओ तोडियौ तो दोय दिन व्हिया हरलाल आळे चेनै री ढाणी ऊभौ है।"

म्हैं उण छोरडै नै चेनै आळी ढाणी पूछी। छोरो म्हारै साथै चालनै चैनै आळी ढाणी बताय दी। छोरो तो ढाणी बताय नै पाछो जातो रैयौ। म्हैं ढाणी रै बारणै

ऊभ नै चैनै नै हेलौ करियौ–चैनौ वारै आयौ। राम-राम करनै वोल्यो–"म्हैं ओळखिया नीं, थे कुण हो?"

"म्हैं तो मारगू हू, रात पडगी, रातवासी लेणौ है।"

चैनौ आवकार देयनै म्हनै माय लेयगौ। म्हैं गडाळ में जायनै अेक माचे माथै वेठगो। चैनो चाय वणा'र लायौ। चाय पीवती टेम चैनौ पूछ्यो–

"तो कठा सू आया? नै आगै कुण सै गाव जावोला?

"म्हनै आगै कठै ई नीं जाणी है, वस अठै ताई आयो।" ओ पागळियो गोता घाल दिया। हमैं चैनै रै सगळी वात समझ में आयगी।

"ओ तो काल्है रात रा ई म्हारली साढिया रै साथे आयगौ हो।"

थोडीक ताळ ऊ चैनौ व्याळू ले आयो। म्हैं सिरफ अेक रोटी दूध'र राब रे साथै खाई।

"यू के रोटी खाई?" चैनो अचूभो करतौ वोल्यौ।

"म्हैं मारग में अेक खेत में ल्हास ही वठै रज नै रोटी जीमली ही। भूख कोयनी।" म्हैं चैनै नै समझायो।

आधीक रात ताई म्है दोनू जणा हथाई करी, पछे सोयग्या। दिनूगै चाय पीया पछै साढ्या आळी जोख में पूग्या, पागळियौ चैनै आळी साढ्या रै बिचाळै वैठो उगाळै हो। म्हैं पागळिये रै मूरी घालनै वैवण लागौ, उणी टेम चेनौ झारो ले आयो। झारो करनै म्हैं वठा सू टुरयौ। होळै-होळे हाकतो माडसाव! म्हैं सोपौ पडिया ढाणी पूग्यौ। पागळियौ अेडी करी म्हारे माय।

"वाह झोटा वाह! ल्हास आळा ने ई हाथ तो वताय दीनौ। हाथ आयोडौ मौकौ थू गमावै जेडो कद रौ? झोटियौ कमरे आळै किवाडा सू आपरा मी'र भिडायोडा ने दोनू टागडा पाथरा करियोडौ बैठो हो अर म्हैं उणरै सामी माचै माथै वैठोडौ उणरी कूत आळी कमज्यावा ने हेप कर कर नै चितारै हो। गाढ रै थणी झोटियै रा करियोडा रटका म्हने अजै कठे हे। वळ रै कामा में गाव री नाक हो झोटियौ।

❑ ❑ ❑

विपळौ

अमरो आपरे पोतिये रै छेडे में दीनोडी गाठ खोलने उमणे सू चिन्याक पीळा चावळ म्हनै देवतौ थकौ बोल्यो—"काल्हे गंगाराम रै मोटियार हडमान री देपारा पछे जान चढैला। आपनै अर आपरै इस्टाफ ने गंगाराम घणैमान चितारया है।"

"ठीक हे अमरा! आवाला।"

वो म्हारो पडूतर सुणनै रवानै व्हैगो क्यू के उणनै फिर-फिर ने घणा जणा ने चावळ देणा हा।

दूजे दिन साढी बारा बजिया पछै म्हे इस्कूल सू च्यार जणा गंगाराम री ढाणी गया। गडाळ में मिनखा रो ठट्ट लागोडो, चाय रो मोटो देगडो चढियोडो न्यारो, तो खरळा में अमल घोटीजे वो न्यारो। अमल अर चाय री डोढी मनवारा चाल री। मनवार रूपी तिल भरियो अमल लेवणिया मिनख तो आप-आप री बाता में लागोडा पण तीन च्यारेक जणा आपरै कडीरपणे री ओळखाण करावता आप आपरी ठौड माथै लावा व्हियोडा पडिया। म्हे च्यारू जणा गडाळ में बैठा। तिल-तिल भरियो अमल लेयनै म्हे अेकूकी बाटकी चाय पीवी। म्हारे कनै डोकरौ मुकनी बैठौ। म्हें डोकरे मुकनै ऊ गल्ला पोळाय ली। मुकनै रै कनै ई पच्चीसेक बरसा रे लगेटगे अेक मोटियारडो धूण नीची घाल्योडी बैठौ झेरा खावै।

"मुकना! थारे कनै ओ नीची धूण करियोडो बैठो हे, आपणै गाव रो तो कोयनी, कुण हे?"

"ओ तो माडसाव! म्हारो भाणेज हे। म्हारी बै'न पारू रो मोटोडो बेटो तुळसियो। इणरे बाप रो नाव विडदो हे।" मुकनो म्हनैं ओळखाण कराई।

ओ काल्हे ई आयो है म्हने तेडण ने। बिडदै ऊ तो सावरियो अेडो रूठो है माडसाव! कै कीं कैवण आळी वात नीं है। वापडो पूरो दुखी है। रामजी मा'राज रूठै जदे यू ई व्हे। भगवान रै घर रो तीर अेडो लागो है के वापडा री ढाणी नै तीन तेरह कर न्हाखी। दिन अेडा फिरिया है कै ढाणी रा सेंग वगना व्हियोडा फिरे है। करम फूटनै हाथा में आयगो। वापडा रे करम में कागले रा पजा हा। काटा में अेडा उळझ्या है के निकळणो भारी व्हेगो। पेलडे भव में कोई खोटी कमज्या कीधोडी है तो ई ठा नीं। राफळरोळियो अेडो करियौ है कै रोटी हराम करदी। वापडा मूडे रै छींकी वाधियोडा फिरै है। पूरा पींदे वेठगा। धूवा अेडा काढ्या हे कै डगळीचूक व्हेगा। वण्यो वणायो खेल विगडने धूडधाणी व्हैगो। अवखी में आडो कुण आवे गरु! आप-आप री खाचो नै ओढो। परापरी ऊ दुनिया रो तो ओई धारो है। मुकनो तो अेक ई सास में आपरे भाणेज तुळसिये रे दुखा रो पा'ड म्हनै सुणाय दियौ। म्हनें इण दुख रौ कारण नीं लाधो। डोकरौ अजे ताई कोरो दुख ई भाख्यो पण वात खोलने नीं वताई।

"थे मुकना! इतरी वात वताय नै ई मूळ बात नीं वताई। वात खोलनै बतावो तो ठा ई पडे।"

"मूळ वात तो धणी नै पूछलो माडसाव! नै जे कीं कारी लागती व्हे तो लगावो बापडे रे।"

म्हें मुकनै अर तुळसिये ने गडाळ माय सू उठाय नै ढाणी रे बारे खासी अळगी अेक गै'री खेजडी हेठे छिया में लेयगौ। म्हें तीनू ई खेजडी हेठे बैठगा। अबै म्हें तुळसिये ने पूरी वात ठेठ सू सावळ माड नै साफ-साफ कैवण रो कैयो। तुळसियो हमें ढग ऊ वात माडने समझावण लागो--

बात यू है गरु! के आज सात-आठ दिन व्हैगा, म्हारी ढाणी में तो विपळौ घूमर घाल राखी है। इतरो जोर पकड राख्यौ है के म्हाने तो रिगदोळ नै फफेड नाख्या। अेडा कोजा चकरी चाढ्या है कै आडला-पाडला मिनख धुराधर वीहता लीद वगावे। विपळै आळो आतक तो नेडी नेडी भा में तहलको मचाय दीनौ। विपळियो तो अेडी धूडधाणी कीधी है के म्हानै तो दोडता नै मारग ई नीं लाधे। वोत मोटो जमजाळ है। अेडो ढाळो लागे हे कै ओ म्हा सेंगा रा टिगट काटनै छोडैला। अेडै मोळै वगत में म्हारे अव टिग कुण लगावै? टाटिया रे छातै में हाथ घालणो दो'रो घणो व्हे माडसाव! आपरी टिपली कुटावणी व्हे जको नेडौ आवै। म्हाने

तो कोई मिनख इणसूं गैल छुडावण सारू जकै मारग घाले, वो ई मारग पकडा, क्यूं कै डरतो डूम तो वापजी ई कैवे। डरता गोगो थोका हा। डर अेडो वैटो है कै म्हे तो सेंग जणा डाफाचूक व्हियोडा फिरा हा। डूवते नै था' मिलणी दो'री है। वो तो सींवाळा में हाथ घाले वापडो। अव इणरे ढीरो कीकर फिरे? म्हाने तो इण पूरा ढोळै वेठाय दीना। गरु! इण री फिटक में म्हें तो अेडा झिलिया हा के फिडकली वणग्या। फाडी तो पूरी फसाई हे पण जोर नीं चालै। अव तो ढाणी में पग फूक-फूक नै मेलणा पडे। फूफाडा करणे ऊ कै साधी लागे? म्हारी तो पूछ पाधरी करनै छोडी है। छकडी भूलियोडा अठी वठी हाडता फिरा हा। म्हाने तो छाणा चुगता करनै छोड्या है। आठू पोर छाती माथे हाथ रैवे। छाती में राध पडगी। पण ओ छाती रो जम तो छोडे जणा? घाटो दावनै घाण काढ नाख्या पण किणनै केवा? घणचक्कर व्हियोडा गिण-गिण ने पग मेला हा। भगवान जाणे ओ गैल कद छोडसी? इण तो खीर में मूसळ अेडो दीनो हे कै पूरी गळ में आयगी। गोडा में पाणी पडग्यो पण कुण सुणे? घर को तो घरकूंडियो कर नाख्यो इण पलीत, पण काळजो दाव'र वैठणो पडे। टूपो अेडो दीनो हे के भाई सैंण ई टोगडिया टाळ लिया। लाठा री तो हरमेस सक्रात व्हे, के करा? छाती माथे अेडौ फिरियो है के हर टेम छक्कै पजे सावधान रैं'णो पडे। रात-दिन रै छाती कूटै ऊ छाती रा छोडा ई छुलग्या। छाती तो पूरी छलणी ई व्हैगी। म्हारे वूढिये वापू रै तो छाती माथे साप अेडो फिरियो हे के वा नै तो सुपने में ई विपळो ई निगै आवे। माडसाव! म्हारे तो घर आळा रे जीभ अर ताळवे रै छेटी पडगी। वापडा मूडा रै ताळा दे राख्या हे। दिन फोरा आवे जदै ज्यूं त्यूं दिन तो तोडणा ई पडे पण वाता सेंग गतवायरी वणगी। विपळी तो पग अेडा रोप्या है कै जाणे ढाणी नीं छोडण रो सकळप कर लीनो है। मिनखा सूं तो मुकावलो ई करा, जे घणी करे तो उणरे माथे में डाग ई मचकावा, पण इण अदीठ पलीत रौ के करा? कीं समझ में नीं आवे। पूरा दवणी में आयोडा हा। अेडा दळदळ में फसिया हा के कोई काढण आळो ई निगे नीं आवे। दिन आथमणे में कीं वाकी नीं रैई। नाक में नाथ अेडी घाती हे के ज्यूं नचावै नाचणी पडे। प्राणा माथे तो जकी वीतै वा वीतै ई है पण प्राण वचावण सारू तो पपाळ करणाई पडै। विपळियो अेकाध नुक्साण करने व्हा करदी व्हे, वा वात नीं हे वो तो ढाणी में नित नूवा फळगा फूटावे। जदी तो म्हाने फणा रै पाण ऊमणो पडे। इण फोडा अेडा घाल्या है के जीव जाणे हे। पण वात वख में नीं आवे। माडसाव! कीं ठा नीं पडै, ओ

के-के रचनावा रच-रच नै आपरी डेरी सावटैला। इणरी ओ ई जाणै। खोटोडी पुळ में जलम्योडी म्हनै तो भिस्ट कर नाख्या। लावी चौडी दुखडी भाखनै तुळसियी हमें व्हा कर दी।

"तो इणनै काबू करण रा कीं जतन नीं करिया?"

"जतन तो माडसाव[1] के अेक आधो करियौ, घणा ई करिया। कीं पाछ नीं राखी पण कारी नीं लागी जकी नींज लागी।"

"थू किणनै लायी अर वो जावतो करण सारू के करियो? म्हनै समझा।

वो केवण लागी—सपेलडी तो भाई सैणा रे कैणे सू ढाणी में जागरण दिरायी। उणसू हींग री गरज ई नीं सजी। पछै म्हैं अेक भोपे नै लायी। भोपे ऊ पैलपोत मिळियौ जदे वो वोल्यो कै—"थारै दोय सौ रिपिया री खरचो है। म्हनैं दोय सौ रिपिया अवार ई दे दे, जिणसू म्हैं धूप अगरवत्ती आळे सामान री जुगाड वैठायनै काल्है सूरज री किरण साथै ई थारी ढाणी आय जाऊ। तुळसा[1] म्हारली रटकी तो थनै घणा दिना याद आवैला। विपळा री तो म्हैं रिप पड्यौ हू। वो तो म्हारी छिया पडता ई न्हाटण आळी करैला। विपळिये में तो अेडी करूला के उणनै तो भागते नै मारग ई नीं लाधेला। धूप कर परी नै जदे म्हैं म्हारी चींपियौ घुमावण लागो तो उणनै तो छींका आ जासी नै सेवट आपरै मूंडे में तिणकली लेयनै म्हारै सामी हाजर होणी पडसी। अै सैंग वाता काल्है थू थारी आखिया ऊ देख लीजे। हा, विपळै रो पाप काटिया पछे भाईडा थनै भोपे नै अेक ऊन री सातरी पट्टू तो ओढावणो ई पडैला। पटूडे सारू जीव नेनी मती करजे।"

म्हनै पूरी धीजा व्हैगी। म्हैं पूरी मगन व्हियोडी वोल्यो-

"पट्टू री के परवा करी। पट्टू ठाठदार ओढावूला। अै पकडी दोय सौ रिपिया नै दिन ऊगता पाण थे आ जाया।" म्हैं चालू। भोपे ने भोळावण देय नै म्हैं ढाणी आयगी।

सूरज री किरण रे साथै ई भोपौजी आपरा डेरा कमडल लियोडा आय पूगा म्हारली ढाणी। ढाणी में पूगता ई भोपौ आपरे धूप करण आळो सराजाम करियो। म्हनै वासती लावण रो कैयौ। वासती लावण रौ कैवता ई उणरा ऊभोडे रा ई पगलिया ऊचा व्हैगा अर ढूढतणी अेडो पडियौ कै पडता ई वेचेतै। चोरिया बिखरग्या नै भोपाई ऊभी व्हैगी। मूडे में झाग आयगा अर भोपापणे आळी अकड

कुनेई पदडका देयगी। पडियौ-पडियौ रड करै। मिनख घणा भेळा व्हियोडा हा। सैंग जणा वेठा-वैठा देखै।

परतापो वा'रै ऊ आयो अर आवती ई वोल्यो—''कै व्हियौ? ओ यू क्यू करे?''

''ओ विपळे नै सीख देवण में लागोडो है।'' अेक जणो वोल्यो।

''विपळे नै काढणो ई भाईडा आहजो है। खासो जोर लगावणो पडे।'' दूजोडो कुण्ही वोल्यो।

''थे देखो तो खरी! ओ तो यू करता-करता काढनै छोडेला।'' तीजो कोई वोल्यो।

''ओ काढेला का मायने ई राखैला, इण रो तो म्हनै ठा नीं पडे पण जे ओ इण सागे जागा काम आयगो तो भळै अेक नूवीं गिरे' करैला।'' अवकै रामूडो वोल्यो।

इतरैक में म्हारली वापू डोकरो विडदो आयने ऊभा रै'गा। उणने देखनै वोल्या—

''इण आटे रै ठाव नै कुण लायो? ओ तो रोटिया रो न्हार है वापडो। भोपाई तो इणरै कनै ऊ ई को नीकळी नीं। विपळियो जे इण री लीद विखेर दी तो लेणा रा देणा पड जासी। कठे आयनै पडियो हे भोपाई में आटो व्हियोडो। भोपे रो तो इणरो उणियारो ई कोयनी। चेती होवता पाण इण वळद नै काढो अठा सू, पाप कटै। इलोजी कदे घोडा रा पारखू व्हिया? तुळसियै वापडे नै के ठा? के भोपो कैडो व्हे?''

आधेक घटे ऊ भोपे ने चेतो व्हियौ। चेतौ हेवता पाण वो तो वस अेक ई रट झाल ली कै ''म्हने वेगै ऊ वेगौ म्हारी ढाणी पुगावण आळी जुगत करो।'' तुळसिया! जे म्हू मरग्यौ तो थारै माथै आऊला।

भोपे आळी वात सुणने डोकरो विडदो अवै पूरो चिडग्यो।

''अरे तुळसिया! वेगो काढ इण गिडक ने। म्हैं तो देखली इणरी भोपाई। ठग है टुकडेल। इणरै गोडे भोपेआळी सकळायी रा वीज ई कोयनी। डोकरो यू वक्तो-वक्तो भोपे रे गोडे पूग्यो। भळे भोपै नै केवण लागो।

"थनै पूगावण नै अठै निकमी कुण वैठो है? ओ पडियो पाधरो मारग, डाडी पकडे जकी वात कर। जै थनै थारै टावरा ऊ छेटी पाडणी व्है तो भलाई पडियो रै' इत ई। थारो बाप अवार दमेक में थारी लीद नीं विखेर दे तो म्हनै कह दीजै। कनै तो झाडा-मतर आळी अेक आखर ई कोयनी नै विपळे ऊ कुत्ती लडण नै मचक-मचक वुवा आया। जाणै धके नानाणी व्है ज्यू। डोकरो अेडी दाकल करी कै भोपीजी तो उल्टै पगा न्हाटण आळीज करी।"

"भोपे आळी उण घटना ऊ माडसाव! म्हारे अते सू भोपा आळो पतियारो ऊठगो। म्हें आछी तरिया जाणग्यो कै आरै गोडे ठगी, छळ, प्रपच अर कूड टाळ दूजी की नीं है। अे हे कोरा रोटाक नै धन रा ठोकाक।" तुळसियो आपरे मायली वात वताई।

"इण भोपे टाळ भळै किणनै ई लाया?"

"नीं माडसाव! इणरै पछै भळै किणनै ई नीं लाया।"

"तुळसा सरूपोत में वो कीकर परगट व्हियो? के चाळा करिया?" ठेठ ऊ म्हनै विगत सू समझा।

म्हारे सवाल री पूरी विगत वो हमे इण भात भाखी-

लारले सूरजवार नै म्हें कडव रै पूळा री अेक गाडो भरनै खेत ऊ ढाणी लायो। अधारो पड्या पछै म्हें ढाणी पूग्यो। म्हें गाडी ऊभी राखनै वळद खोल दिया। वळदा नै खूंटै सू वाधनै वा रै धकै चारै री ओडी मेल दी। पूळा गुजार में नाखणा हा पण म्हें पूरी आखतो व्हियोडी हो। सोच्यौ भूख ई जोरदार लागोडी है अर कायी पण न्यारी व्हियोडी हू। पैला व्याळू करलू। पूळा पछै ई न्हाख देवाला। सीधै आळै झूपडै में वड्यो तो छोरा री मा रोटिया घडे। रोटिया सू पैला उण तींवण वणायनै तावणिये नै वेवणी में मेल दीनो हो। वा अेक रोटी खीरा माथै आछी तरा सेक नै चूल्हे रै ठियै माथै लारलै छेडे मेल दी नै दूजोडी रोटी घडण सारू आटै रै ल्हसरका देवै ही। टावरिया तो वापडा दिन आळी ठाडी रोटिया, राव अर दूध रै साथै खायनै गूदडा में वडग्या हा। म्हें वेवणी कनै वैठनै बोल्यो—

"ला रोटी घालदे, जीमलू।"

"वो था रै लारै किवाडी रै गोडे वाटकियौ पडियो, झिलावो रोटी घालू।"

म्हें उणनै वाटकियौ पकडाय दियो। वा हाथ मायली रोटी तवै माथे नाखनै तावणियै रै माथै ऊ डोयलियो पकड नै ढकणी अळगी मेली, तीवण लेवण सारू।

डोयलियो हाडी में फेरयौ तो हाडी में तींवण रो नाव ई नीं। लुगाई रै डवको
वा फाटोडी आख्या सू म्हारै सामी झाकण लागी।

"के हुयो?" म्हें थावस वधावतै पूछ्यो।

"म्हें गवार री फळिया रो तीवण पकायनै तावणियै नै देवणी में मेर
तींवण कित गयो? के वात हुई?

"तीवण थू गैली! करियो ई कोयनी। थनैं यू ई याद रैयगी।" म्हें उणनै
वधाई।

"करियो कीकर कोयनी? म्हें हथीको तींवण राधनै हाडी वेवणी में मेली
पछै दोय रोटी घडी हू। अेक तो सेक नै चूल्है रै लारै ठियै माथे मेली है अर
आ देखौ तवे माथै पडी है।" वा हडवडावती वोली।

"ला म्हनै तो ठियै लारली रोटी झिलाय दै। कोरी ई खाय लेस्यू, भूख जे
लागी है।"

वा ठियै माथली रोटी उठावण नै हाथ घाल्यौ पण हाथ खाली ई गयो।
माथ ऊ रोटी गायव। लुगाई री जात। इतरी झटको तो लाख गाडा। वा तो
ऊ रड करी नै अेकदम दौडनै आगणे में आवती ठे'री। आगणे में आया पछे
जोर ऊ रोवणो पोळाय लियौ। अेडी डाडे के खासी-खासी भा सुणीजे।
अळूझाड में पडियोडी आगणे में ऊभी। आज आ के वात वणी? इणरो म्यानै
लाधै। साव अणहोणी नै अचींत वात। म्हें गतागम में पडग्यी। लुगाई आळी
सुण नै अडोस-पडोस री लुगाया अर मोटियारा सू आगणी काठो भरीजग्यो
होयौ? के होयौ? आवे जको ई पूछे। लुगाई तो बेचेते व्हियोडी कोरा डुस्का व
म्हैं मिनखा नै विगत सू पूरी हकीकत समझाई। वापडा घणोई अचूमो करै अर
थावस देवण री खप्पत करै। इणरैं टाळ वै करै ई कांई? आ वात तो दमेक में स
गाव में पून री ज्यू फैलगी। पूरै गाव में चरचा रौ विसै वस ओ हीज वणियो
ज्यू-ज्यू आ वात मिनखा रै काना पडै, त्यू-त्यू वै आयनै म्हारली ढाणी भेळा

म्हे पनरा वीसेक जणा आगणे में ऊभा ई हा कै अचाणचकी गेव आवा
आई–

"थे मन में के जाणो हो? अवार देखौ, सजीरै आळे झूपडे में डूचै माथै ज
लोह री पेटी पडी है, उणरै मायलै गावा रौ थपळको वोलाव। था सु करणो व्हे ज

जावती करलौ। अै तो थारी आंखिया सामी वाळ नै छोड्‌ला। थोडीक देर ऊ विपळै तो कैयौ हो वो कर नै वताय दीनो। पेटी रै मायला सगळा गावा वळ'र राख व्हैगा। मिनख वापडा उदास व्हियोडा वैठा। दूजो वै कर ई कै सकै।

लोग वाता करै–वेटी विपळो कैडो चेत्यौ है? हद कर दी, चुणोती देयनै गावा वाळ नाख्या। आ तो मोटी वलाय है कोई। वापडै विडदै री तो खोटी दिन आयगो। वैठा-सूता कैडी गिरै' व्हैगी। विपळा आळा चाळा घणाइ सुणिया नै दीठा पण अैडो फित्तूर तो आंखिया धकै आज ई आयौ। मिनख विपळै रै वारै में भात-भात री वाता करै हा। म्हारो हौसलौ वणियोडो राखण सारू च्यार पाचेक पडौसी म्हारी ढाणी में ईज सोवता। दूजै दिन सूरज निकळिया पछै म्हैं मिनखा सारू चाय वणायनै लायी। सैंग जणा वैठा-वैठा चाय पीवे हा, जितरेक तो भळै आवाज सुणीजी-

"थे चाय पीयनै त्यार व्है जावौ। अवार देखौ, इण गुजार में जकी कुतर, खाखलौ, पालौ, लूग अर कडवी आळा डोका पडिया है, आ नै वाळूला। थारी आंखिया धकै अै सैंग वळैला अर थे ऊभा-ऊभा थारा वाका अर डोळा फाडोला।"

दमेक में गुजार माय पडियै चारै में धपळको उठ्यो अर सैंग चारो-कूचो वळनै राख व्हैगो। इणी तरा वोकार नै वो अेक भैंस उठायली। अेक वेडको नै भाग काढी। ऊंट तो भाग री अजे ऊभी है पण इणरो के विस्वास? किण वगत ओ घात करै? कुण कैय सकै? अवै दोय तीन दिन व्हिया, कीं सवर पकड्यौ है। यू चाळा तो आठू पी'र करतो ई रेवे। ज्यू-हर कुनैई अचाणचको खडवडाट सरू व्हैगी तो पड्या-पड्या वासण ई वाजण लाग जावै। कदी-कदी जिनावर दोडै ज्यू दडवडाट सुणीजे। मन में आ जावै तो जोर-जोर ऊ चिरळिया मारणी सरू करदे। पण नुक्साण दोय तीन दिनाऊ वद है। जदी तो म्हैं अर म्हारो वापू विडदो इण मोकै माथै आय पूग्या, नींतर आवणो के सारै हो। धूडधाणी करण में तो ओ वाकी में चाक्री राखी है। पण जोर के करा? वैठा हा मन मारियोडा। देखा हा–भगवान कदी तो सामी झाकैलो।

म्हैं तुळसियै री सुणायोडी आपवीती सुणी, पूरो ध्यान लगायनै। म्हैं उणनै कैयौ-

"थू काल्है ई थारलो ऊंट लेयनै देपारा ऊ पे'ल-पै'ल म्हारै कनै पूगजा। आपा अेक ठीकाणै माथै चालाला। भगवान करियौ तो ओ विपळियौ तो थारी ढाणी में

ऊभी ई नीं रैवेला। उपदरी पदड़का देवती कुनै ई ढव्वेला, टा ई नीं पडेला। पातरजे मती। यारा वजे रैं लगेटगे थू म्हारे कनै आयो रहिजे। म्हू थारी अडीक राखूना।"

मुकनो आ वात सुणनै वोल्यौ-

"गरु! जे ओ कगाल आ नै छोडदे, तो समझ लो वापडा री जमारो सुधर जाय। जाणै अे तो गगा न्हा लिया। खाणो-पीणो, उठणो-बैठणो, सैंग हराम व्हियोडा है। सैंग दिन छाती माथे हाथ रैवे। भात-भात री आसक्रवा मन में उटती रैवे। धर आळा रै मन में डर अेडी बैटी है कै वापडा डरता-डरता पग मेनै। नेनकियै टींगरा रै मन में ई पूरी गादडो वडियोडो है। वापडा मोळा है के करै नै कुनै जावे? आ'डला-पा'डला पडौसी कुणसा सुखी है? वांरै ई डवकौ पडियोडो है। वे ई डरता गोगी धोके। वा नै इ पूरी डर है कै विडदे आळी ढाणी छोडनै जे म्हारे आयनै डेरी दे दीनी तो केडी व्हैला? विपळै आळो डर तो गरु! मूडी ईज व्है। वो सोर सास पिंड थोडी ई छोडे? पूरी पींदि बैठायनै छोडे। काळजी काढै टाळ नी छोडे। इणरै डर ऊ तो मिनख पोठा करण नै लाग जावे। वेडै आळे डर ऊ तो भला-भला वूका वगावता दीठा। पलीत जदे नाक में दम करै लो केई नाच नचाय नै छोडे। काकी री जायो पछे तो मूत काढने ई छोडे। कीं उघाड नीं पडै कै, के करणी रैयौ? इणरो किनकी कदै जदै जायनै सास में सास आवै। आ रै तो इण अेडो कुचरो करियो है के आ री तो खाट ई खडी व्हेगी। वादी आळा जूत ई खासा लागग्या पण इणरौ तो काळो मूडो नीं व्हियो। वापडा री तो इण चोटी पकडली पण इणरी चेटी कुण पकडे? इण तो पूरा ई जतरी मायकर काढ लीना। छाती माथे मूग अेडा दळिया है के ऊपर आळो ई जाणे। नाका में नाथ घालनै पूरा कावू कर राखिया है। इणरै ऊपरलो पाट व्हे जदे ई काम सलटीज ने सुधरै। मुकनौ आपरे हियै मायलो सगळो दुखडो सुणायनै चुप व्हेगो।"

म्हें भळे तुळसियै ने भोळावण देयनै आवण आळी पकावट करली। पाछो गडाळ में जायनै म्हारे मास्टरा साथे बैठगो। थोडीक ताळ ऊ सैंगा रा वेपारा आयगा। म्हें वेपारा करिया। वेपारा करिया पछे गगाराम नै वान आळा पइसा देयनै म्हें इस्कूल आयगा।

दूजै दिन तुळसियो ऊंट लेयनै म्हारै गोडे इस्कूल में आय पूगो। म्हें ऊंट कानी देख्या-ऊंट मातो मतवाळो, वणियोडो अर काळौ भवर। पिलाण पीतळियो नै पीतळ रा ई पागडा। तग काठै हाथा ऊ खींच्योडौ। थडा नरम अेडा के लावी मजल में

ई असवार करयौ नीं व्है। आडै आसण में अेक पीतळ रा पोला जडियोडी नै तारा ऊ मंडियोड़ी गेडी पिलाण आळै कस्सा मायकर खसोलियोडी, जिणरो आगलो सिरो पिलाण आळे आगले हानै ताई पूग्योडो।

"थू ई तुळसा! ऊट री पूरी रसियौ दीसै?" म्हैं हसनै पूछ्यो।

"चीज राखणी तो अेडी ई राखणी गरु! दोय जणा देखे तो देखता ई रै' जावै।"

"चढी में कैडोक है?

"चढी में तो वाता छोडी थे, घोडा री ई वाप है। थोडीक अेडी लागता ई पवनपूत वणै है सीधो। आसण री इतरी सोरी के मगदूर है माथे बैठोडे मिनख रै पेट री पाणी हिल जाय?"

"ऊट के हाण है तुळसा?"

"नैस करै है, हमै थे नेसारू ई समझौ। अवै अरड जवान है।"

म्हैं च्यार दिना री छुट्टी री अेक अरजी लिखनै अेक माडसाव नै डाक सू आगै दफ्तर में भेजण री भोळावण दीनी अर वा नै म्हारी चारज ई सूप दियो। चपडासी चाय वणाय नै ले आयो। चाय पीवी अर म्हे दोनू रवानै व्हिया। गाव-तळै पूगनै तुळसियी ऊट नै पाणी दिखायनै पछै झेंकरयो। ऊट रै झेंक्या पछै वो वोल्यौ—

"गरु! धकलै आसण में वैठो।"

म्हैं उणनै समझायी के धकलै आसण में थू ई वैठ। ऊट थारी आपरो है। थू इणरी गत में समझै। मारग में अे किणीं जिनावर सू भिडक जावै अर ताफडै चढ जावै का घणी हुडी करलै तो थू इणने कावू तो कर ई सकै। म्हैं अेडी टेम के कर सकू? म्हैं तो लारै ई ठीक हू।

वो म्हारी वात मानग्यो अर म्हे दोनू ई चढग्या। ऊट हाक दीनी। ऊट ढाण हुयोडौ होळै-होळै वगै हो।

"गरु! आपा कुणसै गाव जावा हा?"

"आपा तुळसा! खासा अळगा अेक गाव में जावाला, जिणनै मुल्लाजी आळो गाव केवै।"

"इत ऊ कितोक अळगी पडै?"

"अेडीई पंद्रेक कोस।"

"जदे तो भा खासी है, थे केवो तो ऊट नै थोडी खाथी खडू।"

"थोडोक तेज भलाई करदे।" म्हैं रजा दे दी।

"विल कोई समझ्र है?"

म्हैं उणनै समझायो के वित अेक मुल्ला है जको अेडे भूत, पलीत, डाकण, चुडेल, विपळै, खवीस नै विचरग आद रो पूरो रिप है। मुल्लाजी इण कमतर सारू पूरे चोखळै में चावा है। मिनख तो वा नै ढाणी में टिकण ई नीं देवे। वा रै कनै पूरी अेलम हे। धकले कनै ऊ अेक लावै री पइसी लेवणो हराम। पूरा परमारथी है। विपळो तो वारी छिया पडता ई अेडो मोळी पड जायला जाणे माइत मरग्या व्है। मुल्लाजी तो थारली ढाणी पुगे जितरी जेज है। मुल्लाजी ढाणी लाधेला के नीं, पक्को विस्वास नी हे क्यू के मिनख वा नै अेकल ताणिया फिरै है। देखो कीकर व्हे? म्हे दोनू वाता करे हा अर ऊट अेकी ढाण वगे हो। ऊट सात-आठ कोस रे लगैटगे मजल करली ही। म्हा दोना नै ई तिरस लागगी।

"डावे हाथ कानी मोटोडे नीम आळी ढाणी थनै दीसै है तुळसा?"

"हा माडसाव! पाणी पीणौ है नीं?"

"हा भाईडा! तिस जोरदार लागगी।"

"तिस तो म्हनैं ई आकरी लागी है।" कैवती थको वो ऊट उण ढाणी कानी मोड लियो। ढाणी थोडीक छेटी रेई जदे म्हैं ऊट झेकाय नै उतरग्या। ढाणी ऊ बारे अेक खेजडी रै ऊट बाधनै म्हे ढाणी री बाखळ में वड्या। बाखळ में नीमडै री छिया में अेक अधखड आदमी अेक नेनीक माचली राणीवाण सू वणे। राम-राम व्हीं। वो आवकार देयनै म्हानें कनै ई अेक ढाळियोडे माचे माथे वैठण रो कह्यो।

"के नाव है था रो?"

"म्हारो नाव हरलालियो। जात रो विस्नोई गोदारो।"

"तो ठीक हे हरलाल! म्हानै पाणी पिलायदो, कीं अतावळ है, नै भा ई अजे खासी जाणो हे।"

"पाणी तो पीवौ, पण रोटिया त्यार हे जीमनै जावता।" हरलाल घणै सनैव सू म्हारी मनवार करी।

"नीं हरलाल! रोटिया म्हारे जीम्योडी है, थे तो पाणी ले आवो।'

वो ठाडे पाणी री अेक बाल्टी नै लोटो ले आयौ। म्हे दोनू जणा रज नै पाणी पीयौ। काया तिरपत व्हेगी।

"थकै कित्तरीक भा जावेला?" हरलाल पूछ्यो।

"मुल्लाजी आळै गाव।"

"मुल्लाजी आळै गाव तो ओ पडियौ। मुळगो पाचेक कोस नीठ है।"

हरलाल खेजडी ऊ बंधियोडै ऊट कानी देखनै बोल्यो—"ओ मइयौ तो अेक ई ढाण में मुल्लाजी आळै गाव पुगावै जेडो है, क्यू परवा करौ? थारै गोडै तो जाखोडो भलो है।"

हरलाल आपरी घरआळी नै चाय रौ इसारौ ठा नीं कद दीनौ, वा चाय लेयनै आयगी। चाय पीवती वगत म्हैं हरलाल नै पूछ्यो—

"कीकर हरलाल! मुल्लाजी आपरी ढाणी लाध जावैला?"

"मुल्लाजी रौ तो अबै की नीं कैय सका। परकाजू मिनख है। मिनखा रा दुख काटता फिरै। आ नै मिनख ऊचायोडा ई फिरै हे। दुनिया में दुख ई तो घणा है। मुल्लाजी पूरा उस्ताद है। म्हारै चौखळे में तो अेडो आदमी दूजौ कोयनी।"

हरलाल सू राम-राम करनै म्हैं रवानै व्हिया। हरलाल खासी दूर म्हारै साथै चाल नै सीधौ मारग जको मुल्लाजी रै गाव जावै हो, बताय दीनौ। हरलाल आळी ढाणी सू म्हैं चढ्या तो दिन थोडोक हो। म्हैं तुळसिये नै ऊट खाथौ हाकण सू रोक दियो।

म्हैं बोल्यौ—"जे मुल्लाजी आपरी ढाणी में ई आपा नै लाधग्या तो ई आपा सामी रात तो पूठा आवण सू रैया। मुल्लाजी सामी रात थोडा ई व्हीर व्हे? रात रा तौ आपा नै रुकणो ई पडसी। पछै उतावळ क्यू करणी? बापडै ऊट नै क्यू दुख देवै? होळै-होळै ई हालण दे। आपा ई काया व्हियोडा हा अर बापडौ डागी ई अलबत कायौ तो हुयौ ई व्हैला। वो ऊट नै होळै कर दियौ। सोपो पड्या पे'ल पे'ल म्है गाव में पूगग्या। गवाड में अेक छोरै नै मुल्लाजी रौ घर पूछ्यो। छोरो बापडो टेठ जायनै म्हानैं मुल्लाजी रौ घर बताय दीनौ। ढाणी ऊ सोअेक पावडा अळगो मुल्लाजी रो मोटौ सारौ उतारो। उतारै री बाखळ में तीन च्यारेक जूनी मोटी-मोटी जाळा नै वा जाळा री उमर रौ ई अेक मोटो नीमडौ ऊभौ। तुळसियो ऊट ने जाळ रै बाध दियौ अर म्है उतारै आळे झूपडे में आयग्या। गडाळ खासी मोटी नै बीच में रोयडै रौ थाभौ लगायोडो। थाभै रै ऊपरले छेडे ऊ थोडाक नीचै च्यारूमेर सातरा हिरणावटिया लगायोडा। हिरणावटिया ई रोयडै री लकडी रा अर माथै खोद

करियोडी। रोयडे री लकडी री ई अेक मोटी तख्तौ पडियो, जिणरै माथै रजाया, पथरणा ने ओसीसा पडिया। लाल अर थोळे सूत सू वणियोडी पाच छ सूत री सातरी खाटा ऊभी करियोडी नै तीन च्यार वाण आळा माचा विछायोडा।

म्हे अेक माचे माथै वेठगा। आधेक घटे ऊ अेक मोटियारडी अेक चाय री केतली अर दोय वाटकिया लेयने आयो। वो वाटकिया में चाय घालनै म्हानै दीनी अर म्हे चाय पीवी। मुल्लाजी रो पूछ्यो जदे वो वोल्यौ-

"मुल्लाजी तो पाचेक कोस अळगा अेक ढाणी गियोडा हे।"

"के काम गिया?"

"कोई लुगाई रै चेडो लागगो।"

"पाछा?" तुळसियो पूछ वैठो।

वो वोल्यौ—"सोपो पडिया ऊ पै'ल-पै'ल आ जासी। ब्याळू ढाणी आयनै ई करैला। थे तख्तै माथै ऊ विछावणा लेयने माचा माथै विछायलो अर आराम करो। लालटेण था रै कनै जगे है। रोटी त्यार होवता ई म्हें ले आवूला। जितरै थे आराम करो।"

इतरो केयने वो गियौ परौ। ऊट रै धके ओडकी में कीं चारो मेल देवतो तो ठीक रैवतो पण वापडे नै कैयो ई कोयनी। म्हू हेलौ करने केय दू, आ सोचनै तुळसियो वारै निकळियो। वो विना हेलौ करिया ई पाछो आयने माचै माथै आडो व्हैगो।

"हेलौ करियौ तो कोयनी? के हुयौ?"

वो वोल्यो—"ऊट तो वैठो-वैठो चरे है। वापडौ गवार री फळगटी अर कूतर रौ भेळियो करनै ऊट ने कदै ई नीर दियो। म्हें देखनै आयौ हू।"

ब्याळू त्यार होवता ई वो वडी जुगत सू ब्याळू लेयनै आयो। ब्याळू लावण सू पै'ल वो हाथापाई करण सारू पाणी री चरूडी नै लोटौ मेल दियौ हो। म्हे हाथापाई करने त्यार व्हियोडा हा। ब्याळू आयो अर म्हे रज'र ब्याळू कर लियो। ब्याळू करने म्हे वरतण माचै रे हेठे सरकाय दीना। थोडीक ताळ ऊ वो ब्याळू करावणियौ ने मुल्लाजी दोनू भेळा ई आया। वो आदमी तो वरतण उठायने लेयग्यो अर म्हे दोनू जणा मुल्लाजी सू घणे अदव साथै सलाम करी। सलाम री जवाव देयनै मुल्लाजी अेक माचै माथै वैठगा।

"कठा सू आया? के नाव है?" इत्याद वाता पूछिया पछै वै मूळ वात पूछी।

म्हैं वानै सरू सू आखरी ताई री वात माडनै विगत सू समझायदी। वै पूरी वात नै ध्यान लगायनै सुणी। सगळी वात सुण्या पछै वै वोल्या—

"अवै माडसाव! थे दोनू जणा आराम सू नींद लेवो। तिस लागै तो ओ लोटो'र वाल्टी पड्या है। ऊट नै नीरणी मेल्योडी है। दिनूगै आपा चालस्या। मालक नै याद करनै सो जावो।"

म्है दोनू ई गडाळ में सूता-सूता घणी ताळ ताई तो वतळ करी ने पछै सोयगा।

दिनूगै म्हारी आख वेगी ई खुलगी। दोनू जणा लोटा लेयनै निपटण नै गया अर पाछा आयनै कुरला दातण करनै वैठगा। मुल्लाजी री आदमी म्हानै चाय पिलाई अर गयौ परौ। चिनीक देर ऊ मुल्लाजी खुद आया अर पूछ्यौ—

"थारै ओर कीं अमल तमाकू री नसीपती व्है तो केय दीजो। आपणो घर है। सकौ सरम नीं करणी।"

"नीं मुल्लाजी! म्हैं तो दोनू ई सोफी हा।" म्हैं वत खुलासा करी।

"तो ठीक है। थोडीक जेज करो। रोटिया वणै है। रोटी-वाटी जीमनै पछै ई चालाला।"

"रोटी तो आगै ई जीम लेवता।"

"नहीं माडसाव! रोटिया वणरी है। जीमनै व्हीर व्हाला। आपानै पन्दरै कोस री पथ करणी है। घर सू भूखा चाला ई पण क्यू?"

घटेक भर में रोटिया त्यार व्हैगी। वो सागै ई आदमी गडाळ में म्हानें दोय ओलणा सू रोटिया जिमायदी। ऊट ई नीरणी चरनै दुड हुयोडो हो। तुळसियौ ऊट नै वेरै माथै ले जाय नै पाणी दिखाय नै ले आयो। पिलाण करियो जितरै मुल्लाजी त्यार व्हैगा। वै आपरो थेलो लेयनै आयग्या।

"तो तुळसा! थारौ ऊट तैळास में दवैला तो नीं?" मुल्लाजी पूछ्यौ।

"ऊट आपणो सैंठो घणोई है। ओ तेळास नै कीं नीं गिणै। थे कीं परवा मत करो।"

मुल्लाजी वोल्या—"तो चालौ।" म्है रवानै व्हिया। गाव रै वारलै पासै गवाई कुवै कनै आया जदै तुळसियौ ऊट नै झेखायो। आगलै आसण में मुल्लाजी, वारै लारै तुळसियो अर लारै म्हू वैठगो। तैळास होवण सू अब ऊट रै हुडी करण आळो

डर तो सैमूदो ई खतम व्हैगो। ऊट तेळायो होवण सू आपरी चाल मुधरी पकडली। मारग में भळे मुल्लाजी विपळे रै बारै में तुळसिये नै खास-खास वाता पूछली। तुळसियो ई सगळी वाता विगत सू वा नै वताय दी। चालता चालता अधारी पडण ढूको जदे गाव रो काकड नेडो आयो। मुल्लाजी पै'ला ई सावळ कैय दीनो हो के थारै गाव रो काकड आवे, उणसू पाच मिनट पै'ला म्हने कैय दीजे। "अव म्हारे गाव रै काकड री हद आवण आळी हे।" तुळसियो मुल्लाजी नै कैयी। अव मुल्लाजी तुळसिये ने समझायो कै जदे आपा अेन काकड माथे पूगा, जदे ऊट ने ऊभो राख दीजे।

अेन सीमाडे माथे पूगता ई तुळसियो ऊट नै ऊभो राख दियो। मुल्लाजी आपरै थेले माय सू पाणी री केतली काढी। पाणी रो गिलास भरियो। पाणी माथे वै कैई वार क्लाम पढिया नै पाणी नै दम करियो। दम करियोडे पाणी नै वै सीमाडे माथे उछाळ दियो। पाणी उछाळिया पछे वै होळैसीक वोल्या–

"अव वह मरदूद इस हद से वाहर किसी भी सूरत में नहीं जा सकता।"

यू कैवता म्हने वे साफ सुणीज्या। ऊट रवाने व्हियो नै थोडीक ताळ ऊ गाव रा खेडा दिखण लागा। गाव रे माय वडिया सू पेल वे भळे ऊट नै ढबायो। पै'ली आळी गळाई वे पाणी दम करियो अर उछाळती वगत वोल्या-

"अव वह हरामखोर गाव से वाहर हरगिज नहीं जा सकता।"

थोडीक ताळ ऊ ढाणी आयगी। तुळसियो ऊट ने झेंकायो अर म्हे नीचे उतरया। मुल्लाजी भळे पाणी दम करने ढाणी रै च्यारूमेर पाणी री कार काढ दी। कार काढने वोल्या–

"अव यह वदजात ढाणी की हद से वाहर लाख कोशिशें करने के बावजूद भी नहीं जा सकता। शेतान अव पूरा गिरफ्त में है।"

इतरो केयनै वे ऊभा व्हेगा।

तुळसियो अेक मोटो सारो सातरो माचो लायने ढाळियो अर उण माथे चोखा विछावणा कर दिया। मुल्लाजी माचे माथे वेठगा।

तुळसियो मुल्लाजी नै पूछ्यो–"आपरै रोटी वाजरी री वणवावा का गवा री?" हुक्म करावो।

तुळसा! म्हारे सारू रोटी नीं वणावणी। म्हारै कनै थेलै में रोटी है, म्हैं जीम लेऊला। म्हारो ओ उसूल है कै म्हे जकी ढाणी ॲडे काम सारू जावू उणरै वठै नीं जीमू। बस ओ ईज नेम है। हा थू चावै तो ॲक कोप चाय ला सके, बा तो पी लेवूला। रोटी तो म्हैं म्हारी आपरी'ज खाऊला।"

तुळसियो चाय रो कोप लायो। मुल्लाजी चाय पीयग्या। थोडी देर पछै मुल्लाजी आपरे थेले माय सू बाजरी रा दोय सोगरा अर ॲक लाडू जितरीक गुळ री डळी बारै काढी।

वै सोगरा गुळ सू लगाय नै जीमग्या। रोटी रो उबरियोडो चोथाडो टुकडो वै माचै ऊ थोडी छेटी माथे वेठौडै कुतिये कानी वगाय दियौ। वै चळू करली नै तुळसियो थाळी उठा नै लेयगो। वा रे माचे रे ओळी-दोळी घणाई मिनख जमियोडा। घणी देर ताई हथायी चाली। रात आधी ऊ घणी ढळगी। अवै मुल्लाजी बोल्या—

अवै थे सैंग जणा आप-आप री ढाणी जावो। मालक रो नाव लेयनै सो जावो। दिनूगै वेगा आ जाया। थारै उण मल्लजोध ने बोकरा‌ला। थाने ई ठा पड जासी कै वो कैडोक गाढ री धणी हे। इणनै ठा तो पडग्यौ है के काकोजी आय पूग्या पण अब बडे कीमे? जावे कुनै? ढाणी रै तो च्यारूमेर ॲडौ जावती करियोडौ है के नेडो जावता ई नानी याद आवै। अबार तो छापलियोडौ पडियो है। दिनूगै उणनै सला पूछस्या। काबू ॲडो करियौ हे के पूत चुळ नीं सकै। जावौ बीरा आराम करौ। यू कैयनै मुल्लाजी सोयग्या ने मिनख ई सैंग आप-आप री ढाणी गिया परा। म्हारो माचौ ई मुल्लाजी रै कने ई हो। म्हैं ई सोयग्यो।

दिनूगै भाण किरण काढण ऊ पे'ल ई मुल्लाजी उठग्या। वाल्टी रै माय सू लोटौ भरनै निपटण सारू निकळग्या। पाछा आया पछै म्हैं वा रा हाथ धुलाया। वै आपरा हाथ-मुह धोयने वजू वणाई। अंगोछियौ विछायनै नमाज पढी। नमाज पढिया पछै वै पूठा माचै माथे वैठनै तसवी (माळा) फेरण लागगा। सूरज री पै'ली किरण रै साथै ई लोगबाग टुळ-टुळ ने बिडदै आळी ढाणी आवणा सरू व्हैगा। मुल्लाजी रै आवण रो समचो सगळे मिनखा नै हुयोडो ईज हो। मुल्लाजी के करैला? कीकर करैला? अर विपळे नै आपरे वस में कीकर लेवैला? आ वाता रा कोडाया अर उम्हावियोडा मिनख ॲकी नाळ हुयोडा हुडी करता आवै। थोडीक देर में तो आधे ऊ घणो गाव विडदै री ढाणी में भेळो व्हैगो। बाखळ अर आगणे में मिनख मावे नीं। तुळसियौ मुल्लाजी अर म्हारे सारू चाय लायौ। म्है चाय पी अर वाता में

लागगा। आज विडदे री वाखळ में अेक मोटी चाय री देगडी चढ्योडी। चाय ऊकळे अर मिनख वैठा-वैठा पीवे। सवा रै होठा मावे वात वस विपळे आळी। आज तो खास चरचा आ ईज छिडियोडी दूजी वाता नै दोड कटे? मिनखा नै उतावळ लागोडी कै मुल्लाजी आपरो काम कितरो वेगो चालू करै।

मुल्लाजी माचे माथे ऊ ऊठने आगणे में आया। वे अेक चोखे पाणी सू धोयोडो काच रो गिलास मगायो। अवे वै कुवे सू ताजे पाणी रो माजियोडो कळस मगायो। उण कळस रै माय सू वै गिलास भरियो नै अेक पीढी मगायनै उणरै माथे वैठगा। करीव आधे घंटे ताई वै वैठा-वैठा उण पाणी नै कलाम पढ-पढ नै दम करता रैया। अवे वै उण गिलास रै पाणी सू अेक चळू भरी नै जोर सू आगणै में अेक छावको मार्‍यो। छावके रै साथे ई अेक जोरदार रड व्ही। रड अेडी जोर सू व्हीं के ऊभोडा मिनख अेक दूजे रो मूडो झाकण ढूकगा। विपळो डाडतो-डाडतो वोल्यो--

"वापजी म्हू थारी गाय हू, म्हनै छोड दो। म्हैं इत ऊभी ई नीं रेवूला।" आवाज गैव पण साफ सुणीजै। मुल्लाजी रो चे'रो रीस ऊ भरियोडो। वै वोल्या--

"हरामजादे! तूने खामख्वाह इस गरीव इन्सान को क्यों तवाह किया? मरदूद की औलाद! अव तू छोडने के लिए गुजारिश कर रहा है? तुझे तो अव मैं नेस्तनावूत करके ही छोडूगा। विला वजह तूने इस गरीव आदमी के नाक में दम करके उसका खाना हराम कर डाला।"

इतरो केयनै वे रीस रै माय लगूलग दोय चळू पाणी लेयने भळे छावका ठोक्या। अवकली विपळियो जोर सू करळायो।

"अरे वापजी वळू हू, कीं तो दया करो। वासदी री लपटा म्हनै दोरी घणी लागे है।" विपळो गिडगिडावै हो। मुल्लाजी भळे दात किडकिडायनै पाणी रो छावको ठोकता वोल्या--

"शैतान की औलाद! क्या तेरा सोचना खुद तक ही है? सन्दूक में रखे हुए कपडे तूने वडे गुरूर के साथ जला डाले। गुजार में डाले हुए भूसे को तूने चुनौती देकर खाक कर डाला। अव तेरा वह गुरूर, चुनौतिया और कुव्वत कहाँ चली गई? आजमाइश क्यों नहीं करता। हराम के वच्चे! जुवा वन्द क्यों हो गई? जवाव क्यों नहीं देता? नाचीज! किसी गरीव इन्शान की जिन्दगी से खिलवाड करते तुझे शर्म नहीं आती? वेहया, वेशउर, वदतमीज, वदकार, देख अव मैं तेरी क्या हालत

वनाता हूँ। तेरे वजूद को खाक वनाकर मिट्टी में न मिलादू तो मेरा नाम शमशेर मौलवी नहीं।"

अवै वै ओक काच री साफ वोतल मगवायी। ओक जणौ लायनै वोतल दी। वोतल लेयनै वै माचे माथै जमग्या। आपरे कलामा (मन्त्र) आळी सकळायी रै जोर सू वै विपळे नै वोतल रै माय उतार लियो। वे आपरै कनै पडै सीसी रै काग नै उठायो नै सीसी रो मूडो वद कर दियौ। सीसी री मूडो वद करिया पछे मुल्लाजी वा वैठोडे मिनखा नै कैयो–

"थारला विपळोजी अवै इण सीसी में कैद हुयोडा विराजिया है। अवै वे वारे नीं है। अव तीन च्यारेक सैंठा मोटियार दोय फावडा लेयनै म्हारे साथे चालो जगळ में। आ नै खाडावूज करने आवा। आ नै माटी लाग्या पछै नेहचौ है। पूरी ई पाप कट जासी।"

तीन च्यारेक सैंठा मोटियार दोय फावडा लेयनै मुल्लाजी रै साथै व्हीर व्हिया पण देखण सारू घणा मिनख उलळग्या। मुल्लाजी रै कैवण सू वे पडत भोम में पूग्या। मुल्लाजी वा नै आपरै पग सू ओक जागा निसाण माडनै करीव छ फुट ऊडो खाडौ खोदण री कैयौ। मोटियारा दमेक में उण जागा सात-आठ फीट ऊडो दरडो खोद नाख्यौ। वोतल रै मूडै माथै ओक लावो धागो पै'ला सूई वाधियोडौ हो। अवै ओक जणौ उण धागे नै पकड नै होळे-होळे उण खाडे में उरावियौ। वोतल जदे ठेठ तळियै पूगगी तो उण धागे नै उण खाडे में ई छोड दीनौ। खाडो पाछो तुरत फुरत वुराय दीनौ। पोली जमीन नै पगा सू खूदा-खूदा नै मजवूत कराय दी। विपळे नै खाडावूज करने सैंग मिनख मगन व्हियोडा मुल्लाजी रै साथै विडदे री ढाणी आया। मुल्लाजी की काया व्हियोडा हा, माचे माथै आडा होयग्या। विडदे री ढाणी में सुख सायत वापरगी। ओक पलीत सू मुगत व्हियोडा सगळा ई घर आळा घणा राजी हा। चूकता रा चे'रा अवै खिलियोडा निगै आवै हा। डोकरो विडदो घणो राजी हो। वो गदगद् व्हियोडौ मुल्लाजी रै माचे री ईस कनै वैठगो। विडदो हाथ जोडने वोल्यो–

"मुल्लाजी थे तो न्याल कर दीना वापजी न्याल! ओ धकला दिन तो अवे आपरा ई दिनोडा है। के ठा पडे? ओ कगाल म्हारै माय केडी वितायनै छोडतो। जवरौ काम करियौ। म्हारौ तो जमारौ सुधार दीनौ। म्है तो ऊडै दरडै में पूरा ई पडियोडा हा, आप ई खाच ने वारे लाया। घोर अधारै में टिप्पा मारै हा, थे हाथ

पकड नै चानणै में ले आया। पथ भूल्योडा नै थे मारग वताय दीनो। म्हारी तो विगडियोडी नै थे ई सुधारी। डूवता री सवळ वण'र थे उवार लिया। जमपास सू मुगत करायने थे म्हारी तो जिनगाणी वचायली। म्हारी उखडियोडी जाजम नै थे पाछी विछ्वाय दी। हारियोडी वाजी नै थे जीत में ले आया। अवखी में अेडा आडा आया हो के केंवण आळी वात नीं है। माडसाव आळो सजोग म्हारै तो आधे आळी वाटवड व्हेगो। मिनख कोरी आली पाटी वाथे हा पण था आया आवरू रै'गी। म्हारली साळी वापडी मुकनी म्हारलो दुख माडसाव रै काना घाल्यो जदै आपरा दरसण व्हिया। आपरै आवण सू ई म्हारै तो चोखा दिन आया। आपरी टाकणी सजग्यी नींतर म्हारी खाल खराव घणी व्हेती। म्हारा तो टिकट कटियोडा ई हा। पग पूरा फसियोडा हा पण आपरी पगफेरी वाजी राखदी। विडदी मुल्लाजी री अहसाण खूब मान्यो। वा री विडद वखाण करती विडदी थाकै नीं हो।

विडदो अव मुल्लाजी सू अेक अरदास करी। वो वोल्यौ–

"आप पै'ला तो रोटी जीमौ अर पछै म्हारी अेक नेनीक भेंट अंगेजण री मे'र करावौ।

"विडदा! म्हैं नीं तो रोटी जीमू अर नीं थारी भेंट नै ई अंगेजूला। इणरो सीधौ सो कारण ओ है कै म्हैं जिण ढाणी अेडै काम सारू जावू जदे नीं तो धकलै रै घरै अजळ करू अर नीं दिखणा रे रूप में की लेवू। जे म्हैं दिखणा रूपी कीं वसत ले लू तो म्हारी सकळाई निरथक व्हे जाय। इण सारू भेंट म्हारै वास्तै अलीण है। यू कदैई आडे दिन आयग्यौ तो रोटी अेक वार नीं दोय वार जीमूला। जीमू क्यू नीं, म्हारो आपरौ घर है, पण आज नीं।"

विडदै रै हमें वात समझ में आयगी। जूनौ अर समझदार मिनख हो। वो वात री सार काढ लियो। सात व्हेगो।

मुल्लाजी भळे वोल्या–

"विडदा! छेकाई सू अेक कोप चाय वणवाय नै ले आवौ नै ऊट त्यार करनै म्हनै पूगावण आळो सराजाम करावो भाईडा! भा खासी लावी है, टेम लागैला।

मुल्लाजी अेक कोप चाय पीवी अर ढाणी ऊ वारै उण सागे ई ऊट माथै तुळसियै रै सागे बेठगा। तुळसियो टिचकारी देयनै ऊट नै ऊभौ करियो। ऊट रवानै व्हियौ। विडदै आळी ढाणी में ऊभोडा मिनख मुल्लाजी नै देख रैया हा। सैंग मिनख मुल्लाजी रा न्यारा-न्यारा वखाण करे हा।

"आदमी कित्तरो नेकनामी है, पइसी टकौ लेवणी हराम समझे।" अेक जणी बोल्यी।

"कित्तरो परमारथी आदमी है? मिनखा री दुख काटतौ फिरै है रात-दिन।" दूजोडी बोल्यी।

"म्हाटी म्हनै तो हेप आवै के पइसा टका लेवणा तो आगा रैया, दुख काटे अर उण घर री तो अजळ ई नीं करै। इणसू वत्ती ईमानदार तो के होवै?" किरतो बोल्यी।

"परमारथ सारू त्याग देखौ नीं। अेक दिन घरै नीं टिकै। आपरै घर री सैंग काम-धधौ छोड राख्यो है परोपकार सारू। अर यू देखा जदै औपत अेक टके री नीं। आदमी रै खोळिये में ओ तो देवता ई है।" हमकली पोकर बोल्यौ।

"अेडा मिनख तो जोवरळा ई लाधे है भाईडा! खुद री काम खोटी करनै दुनिया रै मिनखा रै दुखा में पडणी, कम वात नीं है। बोत वडी वात है। पण आ ई कूड नीं है के खुद री बिगाडे जदी तो धक्ले री सुधरै। सुवारथ नै तो नेडी ई नीं राखै। जदी तो कनै सकळायी है। दुकडखोरा अर लोभिया गोडै करामात क्यू लाधै?" अबकी नाराणी बोल्यी।

"आपरी आगोतर सुधारै है। इण कमज्या सू आ रै माथै सावरी कित्तरो राजी व्हैला? जदी तो सास्तरा में परहित सै सू ऊची धरम मानीज्यौ है। अेडा रै सारू तो भगवान रै घरै सुरग रा दरवाजा खुलियोडा ईज है अर मोख तो अेडा री हुयोडो ई समझौ। आदमी नीं परेस्ती है।" डोकरी पुरखौ बोल्यो।

इण भात वाखळ में ऊभोडा मिनख तो मुल्लाजी री वाता करै हा अर म्हैं माचै रै माथै ऊभी-ऊभी ऊट नै देखै हो। तुळसियै रै लारै आसण में ईमानदारी अर नेकी री पूतळी, परकाजू, मालक नै सिर माथै राखणियो, भूत प्रेत, विपळा री रिप, मिनखाचारै री हिमायती, हक अर हलाल री खावणियो अर जिनगाणी री मरजादावा अर सिद्धाता री धणी आपरी झोळी खवे माथकर लटकायोडो बेठो हो अर वो सागै वेळायी ऊट वडगडा-वडगडा जावै हो।

❑ ❑ ❑

पन्नौ

उण दिन गोकळ सुथार री ढाणी रै माय खतोड में म्है खासा जणा भेळा व्हियोडा बेठा हा। आप-आप रै अडाव सू कैई जणा आगे-लारे आय नै गोकळ री खतोड में भेळा व्हिया हा। म्हारे तो पाणी री मटकी मेलण सारू अेक टिमची घडावणी ही। म्हारली ज्यू ई दूजोडा रै ई न्यारी-न्यारी खापिया ही। किणी री जेई, चोकनी रा सींगा टूटोडा तो किणरी तबर रो डाडो भागोडो। किणी रै नूवीं हळ री चऊ घडावणी तो कोई रै घट्टी री चापडी बणवावणी। भेरौ बोरडी री अेक पाधरी लकडी पिराणी घडावण सारू लियोडो बेठो। थोडीक ताळ में मोटा-मोटा खैंखारा करतो पदमो आय पूगो, जिणरे काथे माथै कूमटे रो मोटो लकड उखणियोडो, लायनै खतोड में पटक्यो।

"इण लकडै री के बणावणी है पदमा?" मूळो पूछियो।

"मूळा! अबकी अेक बेवटे री मन में आयगी। लकडो घणोई मोटो है, बेवटो अडीजत बणेला। जे लकडी उवरगी तो दो च्यारेक डोया बणावण रो मतो है।"

गोकळ इकळापी आदमी नीं। आठ दस मिनखा री भेळप सू पूरो राजी व्हियोडो अर आपरे कमतर में पूरो लागोडौ मन ई मन में सोच्यो-"मिनख किणरै मूडे पड्या है? अै तो भाग अर जोग सू ई कदै-कदे हेकण ठोड जुडे। वो आपरे मोटोडे बेटे राणिये नै चाय बणाय ने खतोड में पूगावण री भोळावण देवतो हेलो करियो।"

थोडीक जेज में राणियो चाय आळी देगडी अर बाटकिया गोकळ रे गोडै लायनै मेल दी।

"पदमा! बाटकिया में चाय घाल-घाल ने सगळा नै पिलायदे।" गोकळ बोल्यो।

पदमी छाणणियै सू चाय छाण-छाण नै वटकिया में परोसी अर सैंगा नै पिलाय दी। कीं चाय अजै देगडी में उवरियोडी ही। सैंग जणा चाय पीवै नै वाता रा दोटा दवे। वीच-वीच में कैवता रा वोल इ कना में पडै। उणी वगत सुरजण आपरै हाथ में अेक पीढियौ लटकायोडो, जिणरी ऊपळी भागोडी, आय पूग्यौ। सुरजण सीधौ-सादौ आदमी। पूरौ रामनेमी। गोडे नीं तो गपोडाबाजी अर नीं कूड। पदमौ सुरजण नै ई चाय पिलाई। सुरजण चाय पिया पछै वाटकडी अेक कानी सरकाय दी। सभा सागेडी जुडगी। चाय पिया पछै चिनीक जेज ऊ गाव-ठाकर जोगजी ई सताजोग सू गेडी हाथ में लियोडा वित आ पूग्या। ठाकर नै सैंग जणा मुजरौ करियौ। वा नै आवकार देय नै माचै माथै वैठाया। ठाकर माचे रै माथे वैठगा।

"ठाकरा डाणे हो?" गोकळ पूछ्यौ।

"डाणे तो के करमा रा हा गोकळ! पडता दिन है भाईडा। वातडी तो हमें वीतोडी ई है पण तोई लीलै तवू आळे री मै'र है जिणसू अजै तो फिरा हा।"

"थू गोकळ मौज में है?"

"हा ठाकरा! भगवान री दया है, ठौरमठोर हू।"

"तो भलीह वात है गोकळ! जोगमाया सैंगा नै वणिया राखे।"

"रावळै कुनै ऊ पधारिया?"

"भागूडे मेघवाल कने अेक पट्टूडो नै अेक वरडी बणावण सारू न्हाख्योडा हा वै लेवण नै आयौ हो, अजै त्यार नीं व्हिया जदै थकै वुवौ आयौ।"

ठाकर खासा पुख्ता। दाढी, मूछा अर भापणा तकातक धोळा धक्क। राठोडी वगत में सोरै तासळै जीम्योडा। अराडा थोपटा करियोडा, जिणरी साखी भरतो वा री डील खुद मूडै वोलै। वोली रा फूड पण उमर मुजव बदळाव आयोडौ। पेंडै सू ठाकर पूरा काया व्हियोडा।

"भली करजै भवानी!" केवता थका वै माचे माथै आडा व्हैगा। ठाकर वाता रा पूरा रसिया। वात सुणण अर कैवण रो हद सू जादे कोड। कोई जे वात माड दै तो उणनै पूरौ चित लगाय नै सुणे। ठाकरा सारू चाय अर अमल रो मावौ हाजर करीजियौ। ठाकर मावौ उगायो अर चाय पीवी। पेंडै आळौ थाकेलो दूर व्हियौ। गोकळ आपरै काम में लागोडौ नै दूजोडा ठाकरा ऊ वाता में लागोडा। ठाकर सा'ब रै आवण सू सभा सागेडी जोर झाल लियौ। मेफिल जमण में कीं वाकी नीं रैई।

अचाणचक सेंगा री मीट पन्नै माथै पडी। पन्नै रै हाथ में ओेक हाथेक लाबी कक्रेडे री लकडी री चोट। पन्नौ आय पूगो। सैंग मिनखा सू राम-राम अर ठाकरा सू मुजरो करनै वो हेठो बैठगो। पन्नै रै सिणिया कूटण आळी मोगरी घडावणी। पन्नै नै देखनै कैई जणा हसिया तो कैई मुळकिया। पन्नौ की नीं बोल्यौ, चुपचाप बैठो।

"पन्ना! आ रै हसणे रो कारण लाधौ थनै?" ठाकर पूछ्यौ।

"ठाकरा! म्हू ई मिनख हू। दोनू टक धान जीमू। कारण तो क्यू नीं लाधे? कारण तो लाधोडो ई है पण आ रै माय कोई भाई है तो कोई गिनायत। सैंग ई सेण है। आ नै के केवू? हसै तो भलाई हसौ, मूडौ आ रौ आपरो है। पण आ है ठाकरा, कै म्हैं तो म्हारी पार लगाय दी। अे निपट हसै ई है पण आ नै आ ठा नीं है कै ओ काम बळ अर छाती टाळ नीं व्हे। इण कमतर रै करणियै री आख सिध री दाई राती होवणी जोईजे। थोळी आखिया रै स्यालियै सू अेडा खेदा कद सज आवै? छातीतणी वाकम अर डीलतणो गाढ अराडो व्हे जदै जायनै म्हारली कमज्या में मिनख पार लागै। थोथी थूक बिलोवण सू के होवै?"

पन्नौ अधखड आदमी। कद काठी अडीजत। मूडौ दीपतो। डील छरहरौ पण अराडी आकूत लियोडौ। गेडी बावण में उणरै जोड रो नेडी-नेडी भा में निगै नीं आवै। डागा लियोडा बीसा मिनख जे माथै उलट जाय तो पन्नौ काढ नै नीं देवै। ओेक ई गेडी आपरै डील माथै नीं लागण दे। खेटी करता पन्ने री आख नी झपै। पूरी बळी। उणरै चरितर में की खामी नीं पण जवानी रै दिना में पन्ने में बोदो लच्छ अवस हो अर वो हो-चोरी करण आळौ। पन्ने में आ वाण जरूर कोजी ही। आपरी जवानी आळै दिना में उणरा चोरी आळा कैई मोटा-मोटा रत्का करियोडा मिनखा री आखिया सामी आज ई चित्राम वण्योडा। आपरे गाव सू दस वारै कोस अळगो जाय नै किणी गाव में पन्नौ खाडौ घालती, उणरी आदत ही। किणैं ई फटीड ठोकनै वो रातू-रात पूठो आ जावतौ। पण खासा वरस व्हिया अबै वो इण चोरी आळै काम नै मुळगी ई छोड दियौ। इण सारू ई पन्नै रै आवता ई लोग उण माथै हसिया हा।

"खासै वरसा पैला ओेकर पन्नो आपणै गाव सू दस वारेक कोस ओेक गाव में आथीक रात री वगत घरफोडी कस्यौ। घर अर पूरै गाव में जाग व्हैगी। पूरौ गाव भेळो व्हैगो। पण पन्नौ नीं जाणै कीकर सावत निकळग्यौ? नै म्हाटी आय पूगौ

जाझरकै री वेळा आपणै गाव में। उण बात रो अजै हेप आवै।" खतोड में बैठोडै मिनखा माय सू ओक जणौ बोल्यौ।

ठाकर जोगजी खटली माथै आडा व्हियोडा हा, भच करता आ बात सुणनै बैठा व्हैगा। वै पन्नै सामी झाकनै बोल्या-पन्ना! आ बात थोडी-थोडी तो म्हारै ई काना पडियोडी है पण पूरी विगत सू सुणियोडी कोनी। अठै आपणौ भेळा होवण री जबरौ जोग बणियो है, बात माडनै सावळ सुणा। आ बात तो सुणण सारू माय सू हियौ चुळवुळावै। ठाकर री इछ्या नै ओळखती थकी पन्नो अबै आपरी बात माड नै नेहचै सू सुणावण लागी–

ठाकरा! उण दिन सोपौ पडता ई गाव सू दस बारैक कोस अळगौ किणी घर में घरफोडी करण री म्हारै तेवड करियोडी। म्हारै पूरी खमकरी चढियोडी। म्हनै तो डाकण आळा वीर चढियोडा। कितरौ वेगौ सोपौ पडे नै म्हे गाव सू निकळू। ब्याळू करिया पछै सोपौ सागेडौ पडग्यौ जदै म्हैं गाव सू निकळ्यौ। म्हारी आदत ही, म्हैं कदेई म्हारै साथै गेडी नीं ले जावती।

"गेडी नीं ले जावती, थकै के थारो नानाणौ हो?" पदमौ मुळकती थकी बोल्यौ।

"पदमा! गेडी राखै कमजोर मिनख। म्हैं गेडी क्यू राखू। गेडी तो धकलौ लेयनै इज आवै। जिणरै बूकिया में गाढ व्है वो धकलै रै हाथा सू मुरड नै गेडी खोसती कितीक जेज लगावै। गेडी हाथा में आया पछै वा सागै ई गेडी उणरै झपीड ठोकण में काम नीं देवै काई?" पन्नै रै पडूतर सू पदमी की लचकाणी पडग्यौ।

हा तो ठाकरा! म्हू कैवती हो कै ब्याळू करनै म्हू घर सू निकळग्यो। जगळ में सफा निरात ही। भींभरा रा भरणाटा अवस सुणीजै अर कदी-कदी कोचरिया रौ करळावणी काना में घणी आहजौ लागै। म्हैं डाडी छोड नै घणकरी उजड ई वगू। रात नीं तो साव अंधारी अर नीं घणी चानणी। गुदळियोडी। म्हैं वथूळियौ बणियोडौ अर हुडी करती मोटी-मोटी वीखा भरू जाणै मौरत चूकतौ व्है। आधी रात रै ढळ्या पछै म्हैं म्हारै चींत्योडे गाव में पूग्यौ। गाव पूरी सात नै नींद में ऊगीजियोडो। माथै केलूडा न्हाख्योडा कोजा ढूढा अेक दूजे सू सटियोडा। गळिया सफा साकडी नै वा रै माय जागा-जागा घोना लरडा री मिगणिया अर ऊटा'ळा मींगणा विखरियोडा पडिया। म्हैं ओक गळी रै नुक्कड माथै ऊभनै चिन्योक फूकारो लियो। उणीज गळी में म्हैं धकै बधियौ। खासौ चालनै म्हैं जीवणी कानी अेक घर में बडियौ। जोग री

वात-घर साव खूटोडो, टोटै री टापरो। घर में भुवाजी वडियोडा। ऊदरा थडी करै। चावै तो चादी अर रगडे तो गोडा। माथे में सपाको सो लाग्यो। ओ तो डूम रै घर सू ई गयो वीतो घर दीसे। कित आयने भचीड खायी, म्हें मन में सोच्यौ। म्हें हाफळियोडो अधारे रे माय धन रो ठोकाक घासा हाथ-पग पटक्या पण चीला रे आळे में मास कद लाधे? म्हारे पल्लै कीं नी पडियौ। लालच में पडियोडो म्हें भळे थोडोक आगे चाल्यौ। आगे आगणे में ई अेक वूढळियो लावौ व्हियोडो पडियो। अधारे में म्हारौ पग सताजोग सू उणरी साथळ माथे आयग्यो। वूढो डेण म्हारो भार कद खमे? डोकरियो जोर सू रड करी—

"अरे नाग खाधोडो मार नाखियौ रे म्हनै।" अठे के थारे वाप री हेमाणी गाड्योडी ही? वेटी वातडी उल्टे गेड जाती रैई पण अव के साथो लागै? डोकरिये री आकरी रड सू घर आळा तो जाग्या जका जाग्या ई पण आडला-पाडला जाग पड्या। गाव आळा भेळा रा भेळा उण साकडी गळी में आयने ऊभग्या। चोर कुनै गयौ? कुनै गयो?? अेक दूजे ने पूछे।

"दीखता ई भीड में कैडीक डाग मचकावो।" अेक जणी वोल्यौ।

"सावत जातो नीं रै।, पकड नै केडोक कादो काढो।" कोई दूजोडो वोल्यौ।

"अेडौ जतरावणी के पूत ने छठी रो दूध पीयोडो याद आ जाय। जे झिल जाय तो कनफडा ठोक-ठोक ने वोळी कर दो। चिगद-चिगद नै लुगदी नीं वणे जितरै छोडणो नीं है। अेडौ धुरावो के इण दिस भळे कदै ई मूडो नीं करै।" आवाजा आवण लागी।

आधा सू घणा कनै गेडिया। म्हें मन में विचार करियो—"पनिया आज थारी मौत आयगी।" इणमें फरक नीं। म्हें हडवडीजियोडौ घर रै वारलै छेडे आयग्यो। अव जावा तो ई कुने जावा? गळी में तो मिनख मावे ई नीं। थोडीक छेटी सू गेडी लियेडौ अेक ढीलै आगे रौ मोटियारडौ ऊभोडो डोळा फाडे। म्हें ताचक नै उण री गेडी पकडली अर मरोडी ठोकनै खोसली। होळेसीक सागे गेडी म्हें उणरै भखे में ठरकाई। वो तो ऊभो ई नीं रैयौ। गेडी हाथा में आवता ई ठाकरा' म्हारो तो वळ जाणै चौगणो व्हेगो। च्यार-पाचेक जणा म्हारै माथै हेकण साथै टूटनै पड्या, पण गेडी री तो म्हें पूरो केवटियो। दोप-च्यारेक झपीड म्हें इतरा आकरा वाह्या के तीन च्यारेक नै धूळ चटाय दी। वै गळी में पड्या जाणै खेत में वाढ्योडा पूळा पडिया

व्है। गाळ साकडी नै लावी होवण सू सगळा अेक साथै म्हारै माथै हमलो भी तौ नीं कर सकै, आ वात ई म्हारै सारू ई ठीक वणियोडी। अवकली अेक सागेडी धोक करनै म्हें लाठी रा दोय च्यार पळेटा अेडा दिया कै दोय तीन जणा रा भोडका रगीजग्या अर वा में भग्गी पडगी। भग्गी रै भेळी ई म्हें अेकदम पलट्यौ। दोड नै उणीज घर में वडियौ, जिणमें चोरी करण सारू म्हें सपेलडो वड्यौ हो। म्हें लारली वाड माथकर कूद नै उलटी दिस ठेका दिया। वे मिनख तो आई सोचता रैया व्हैला कै सेवट तो चोर नै आवणौ अठी कानी सू ई पडसी। म्हनै तो भगवान ई सुमत दी जकै म्हें लारै कानी सू ई तेतीसा मनाया। म्हें दोय-तीन कोस तो भागतौ ई रैयौ, लारै कानी पाछल ई नीं फोरी। विचार करियो कै गाव आळा वाऽर चढैला, तो ई वे थकै ई जावैला। अठीनै तो आवण ऊ रेया। ओखाणौ है के 'लोंकी रै लक्ख मारग व्है।' उणसू कोई मारग छानो नीं व्है। म्हारै सू ई उण काकड रा मारग छाना नीं हा। कोजोडी कमज्या रै खातर सगळी काकड म्हारै पगा सू खूदियोडो हो। अठी वठी फफा मारतौ-मारतौ म्हें मुअधारै आपणे गाव आ पूग्यौ। ठाकर जोगजी अर खतोड में वैठोडा सगळा वेली पन्नै रै मूडे सामी झाकण लागग्या।

"इतरै मिनखा रै जाझै झूलरै सू थू वच नै सावत निकळग्यौ, थारै वळ अर वाकम नै घणा-घणा धिनवाद है पन्ना! थारी जणणी थनै भलाई जायौ।" ठाकर वोल्या।

"छातीतणी कूत अर डीलतणे गाढ टाळ अेडा काम थोडा ई व्है? राती आखिया आळे सूरा सू ई अै कमज्यावा वण आवै। धोळी आखिया रा रेवूद्या तो वापडा घणाई फिरै।" ठाकर भळै विडद-वखाण करिया।

"ओ तो म्हें हो ठाकरा! जकौ थोडी छाती तणी वा'दरी नै थोडी अकल हुस्यारी रै पाण वा नै चकमो देयनै सावत निकळग्यौ, नींतर म्हारी जागा जे कोई दूजौ होवतौ तो मारिये टाळ नीं छोडता।" पन्नो वोल्यौ।

"हा तो वा साप्रत दिखती मौत ई ही पन्ना!" ठाकर पडूतर दियो।

"पन्ना थारै गेडी आळे कराटा री करामात री वात सुणनै म्हारी तो नडी-नडी नाचण नै लागगी। थारै गेडी आळे वळ पाण ई वाजी रै'गी भाईडा, नींतर इतरी मानखो नै वो ई खार खायोडो के छोडे? जे झिल जावतो तो मूत पिलायनै छोडता। खाल खराव अेडी करता कै जिनगी भर याद राखतो। लाटी अेडी लेवता के टकै

रै भाव विकतौ। लीद काढ ने छोडता। कनफडा में ठोक-ठोक ने वगनौ कर न्हाखता। थारा दिन घरै हा जको थू टावरा रै भाग रौ अेडी वलाय सू खेटो करनै घरे आय पूग्यो। चोरी आळै घर में वड नै लारले कानी सू भागणो थारो अकल आळौ काम रैयो। इण सू ई वात वणियोडी रै'गी। आज तो मतो करनै म्हें गोकळ आळी ढाणी भलाई आयौ। अेक वा'दरी आळी वात तो सुणी।'' जोगजी मगन व्हियोडा बोल्या।

''पन्ना! आणद आयग्यो आणद। मोटियार गाळै थारे माय जकी कूत ही, उणरी म्हने तो आज ई ठा पडियो।'' ठाकर भळे बोल्या।

ठाकर चिलम रा पूरा रसिया पण पन्नै आळी वात में अेडा रमग्या के चिलम ने पातर ईज ग्या। वात पूरी होवत्ता ई वाने चिलम री वायड आयगी।

''अरै पदमिया! सुल्फी चाढने लावे नीं, फूक खाचा।'' पदमौ फूक देयनै सुल्फी त्यार करी। काकरो जमायो, पछे गट्टे माय सू गुड नाख ने बणायोडी माळवण तमाखू री पान भरियो। साफी आली करनै चिलम रे माथे वासदी रो खीरो मेल नै दो च्यारेक फूका खुद खाची ने सिलग्या पछे ठाकरा नै झिलाई। चिलम पिवणिया ठाकर रे ओळीदोळी बेठगा। चिलम रो गेड खासी देर वुहो। तमाखू वळी जदे पदमो उणनै अेक कानी झाडी। ठाकर पन्ने आळी वात सू पूरा मगन व्हियोडा, जाणे सेर घी पियोडा। ठाकर रो मन पन्नै रै मूंडै सू भळे अेडी ई कोई अखियात सुणण सारू इछ्या करै।

''पन्ना! अेडी री अेडी कोई थारी जिनगी में घटियोडी वात भळे सुणावे नीं। अजै मन नीं धाप्यो।'' ठाकर इछ्या जताई।

''पन्नै आळी वात पछे सुणजो ठाकरा! रोटिया त्यार है, पेला रोटिया जीम लो।'' गोकळ बोल्यो।

''राणा ! रोटिया ने ओलण इत खतोड में ई लिया मोटियार।'' गोकळ आपरे वेटे राणे ने हेलो करियो।

राणो रोटिया आळो छ्बोलियो, ओलण आळी हाडी, राव रो पारोटियो, छाछ री कुलडियी अे सैग खतोड री वाखळ में ले आयो। अेक छावडिये में थोडा कादा अर वा नै वोटण सारू चकूडी ई ले आयो। पीळी जरद मुटकणी नूवोडी वाजरी रा सोगरा नै साथे काचरी अर गवारफळी री साग। सोगरा साथै इण तींवण रो

जवरो मेळ। चतर लुगाई रा जे हाथ लाग जाय तो पछै क्यू पूछी बाता। आदमी खावतो-खावतो ई नीं धापै। भेळी आगळिया ई खा जावे। सैंगा नै वडी जुगती सू जिमावण आळो काम सुरजण करियो। सैंगा रै जीम्या-जुट्या पछै सुरजण खुद जीम्यो। वरतण साफ करनै ढाणी में पूगता करिया। पदमी अवे चिलम भरी। ठाकरा साथे सैंग चिलम पीवे। ठाकर चिलम री फूक खाच नै भळै पन्नै सामी झाक्यो। पन्नो ठाकर री इछ्या नै भापग्यो। थोडीक ताळ तो वो मौन व्हियोडो वैठो रियो नै पछै बोल्यो—

"ठाकरा! अेक वार भळै म्हैं हेक्री ठौड घणो आहजो फसियो हो। भगवान ई टेकी राखी, नींतर वाकी में चाकी रैई ही।"

"कीकर व्ही पन्ना? विगत सू पूरी सुणा।"

पन्नो अबै आपवीती सुणावण लागो—

सीयाळे रा दिन हा ठाकरा! पौ' रौ महिणो। ठाड ओडी भूडी पडे कै वरतणा रौ पाणी ई जमण आळो करै। जे मिनख गोडै सैंठो गावौ नीं व्हे तो उणनै भोपौ वणता जेज नीं लागे। म्हैं काना माथे अगोछियो वाधनै व्याळू टाणे ऊ पछै सोपो पडिया गाव सू नीसरयो। सीयाळे री रात। मिनखा रा हाड धूजे। पसु-पाखी सै सी सू सिट्योडा आप-आप री खोहा-खाडा अर आळा में भेळा व्हियोडा पडिया। बोलण री किणनै सूझै? खाथी वगण सू सी तो म्हारै नेडौ-नेडौ ई नीं रैयो। खाथी खाथी वीखा भरती म्हैं दसेक कोस रै लगैटगै मजल पार कर ली। मारग सू पदरा वीसेक पावडा माथे वीस पच्चीस ढाणिया रौ गोळियो। गै'री-गै'री जाझी खेजडिया अर जाळा रै जुडाव सू दरसाव मन मोवणौ वणियोडो। म्हैं दमेक वठै ई रुकग्यो। अेक ढाणी री वाखळ रै वारै अेक जूनी मोटी खेजडो सीधौ सणक तणियोडो ऊभो पोरायती ज्यू लखावे। म्हैं उण ढाणी में ईज वडनै हाथ मारण रौ मतौ करियो। ढाणी रै नेडै पूग्यो तो वा'रै खूंटे सू बध्योडी भूरी बेठी। नोळ दीनोडो। आधी रात रौ वखत। मिनख आपरै खोलडा में ऊडा वडियोडा पूरा सू लदियोडा पडिया। म्हारो मन करहल माथे डिगग्यो। पागळ डील में वणियोडो। माथे अेक हाथ थूभी। फूटरी फरूरी, रग तेलौ। कठाळक रै कठा में कवडा रो हार पडियो। भड्डो पूरो खीजियोडो। खीज आळे धोळे-धोळे झागा सू माकडाझाड रो मूडो भरियो। निपट फळगटी री ओडी सामी पडी पण आ दिना खीज में आधा व्हियोडा औ कुळनारू नीरणी सामी क्यू झाकै?

ठाकरा! म्हें आखरातबर तो घणाई दीठा हा, पण अेडी घेंघीधर म्हें अजूस नीं दीठी हो। मदधर माथे मन पूरो डिगग्यो। वो मोटोडी खेजडो खूटै सू दसेक पावडा आगो अर उणरे सा'रै ऊभी करियोडी गेडी, जिण माथे म्हारी मीट पडी। गेडी रे दोनू सिरा माथे पीतळ रा पोला जडियोडा। तार सू पूरी वध्योडी। म्हें गेडी उठाय नै म्हारे कब्जे में करी। अबे म्हें होळेसीक इडरिये रै आगलै गोडा कनै बैठनै चोर चावी सू (जकी म्हारे कनै ही) नोळ खोल्यो। नोळ खोलनै अेक कानी मेल दियो। म्हें भूणमत्थे रै बैठोडे माथे ई चढ लियो। अेडी रै इसारै सू हाक दियी नैसारू नै। करहलियो अबै भरण लागो लावी-लावी वीखा। थोडी देर तो वो ढाण बूहो अर पछे तो अेडी उपडियो कै मत पूछो वाता। ठाकरां' ऊट हो कोई सवार रे हाथा माय सू निकळियोडो। पूरी पेटायोडो। किणी समझू असवार रो फेरियोडो। जदी तो ऊट री सोळा आना दौड में ई माथलै असवार रे पेट रो पाणी ई नीं हिलै। कीं अेल नीं आवे। पाच छ कोस तो सरडी अेकी हुडी आयौ, पछै नीं जाणै वो जम तो अेकदम विचर बैठो। खीजियोडो ऊट विचरिया पछे भूडो घणो व्है। पछै उणनै काबू करणो खाडै री धार। पोटावणे अर पुचकारणै सू तो भळै ई तावे आवै तो आ जाय पण कूटण सू तो काम मुळगो ई खराब हो जाय। म्हैं घणी ताळ उणनै पुचकारियौ, पोटायौ जदी जाय नै वो कीं मारग माथे आयौ। लारला पींड छीदा करनै चीढणी सरू व्हियौ। माकडा छाटै नै हाथ-हाथ रो गलरो वा'रै काढै। म्हारै अेक हाथ में वेलचो अर दूजोडे में डाग। नाका कानी जोयो तो ठा पडियौ कै दोनू तर विध्योडा है अर नाक आळा गिरवाण ई ठीक है, मोळा नीं। जित ऊट बिचर्यो, उण जागा ऊट रै जेवण-उठण सू जमीं में खाडा सा पडग्या। खीज आळा फोफा ई अठी-वठी विखरियोडा पड्या। म्हनै ऊट रौ मिजाज अबै कीं ठीक लागौ। उणनै म्हें पपोळ्यौ, पुचकार्यो ने थावस वधायो। सायत रै साथे होळे-होळे झे-झे करनै झेकायो। ऊट झैकगो। म्हें होळैसीक माथै चढियौ। आसण में टाग पडता ई वो भच करतो ऊभो व्हियो नै अेकदम उपडियौ, अजणीपूत मारुति री दाई।

ऊट विचरण आळी राफ्फरोळ में म्हनैं कीं फैं'म नीं रैयो उण तो ऊठता पाण आपरी ढाणिया आळो मारग पूठो पकड लीनो। खाथी वगण सू म्हारे ऊट री मूरी अेडी घोटियोडी कै भूरे रो माथो म्हारी छाती सू सटियोडो। तीन च्यारेक कोस री मजल तो वो उण खाकै ई करी, पछै कीं मोळौ पडनै ढाण वेवण ढूकौ। म्हें आभै सामी झाक्यो, घट्टी आळो तारो उगोडो।

"झायरकी तो थोडी ई है पण सूरज किरण काढ्या पैल स्यात् म्हैं गाव पूग जावूला।" म्हैं म्हारे मन में विचार करियो।

ऊट तो सीध साध्योडी वगीड करतो जावे हो नै म्हैं मन में उणमाव्योडी कै आज तो जवरो हाथ मार्यो। गाव रै सीमाडे पूग्यो तो म्हने वाडा-खेडा कीं ओपरा ई निगे आया। ओक डैण गळी सू निकळ नै साम्ही आवे, हाथ में लोटियो लियोडो। वो निपटण सारू जावे। डोकरो ऊट रै साम्ही आयो नै ऊभगो।

म्हैं हळफळियोडो डोकरे नै पूछ वैठो–"डोकरा! ओ कुण सो गाव?"

डोकरियो गाव रो नाव सागे ई बतायो जिकण गाव सू म्हैं ऊट उठायो हो। गाव रो नाव सुणता ई म्हैं बोलियो–

"हैं!"

अर उण हैं रै साथै ई ऊट नै पाछो फोर्यो। ऊट री चोरी आळी बात तो वा ढाणिया में वायरे री ज्यू फैल चुकी ही। डोकरियो तो उणीज टैम लोटियो जमीं माथै पटक नै गाव में उल्टे पगा दौड्यो।

"वो स्यात् ऊट रै धणी नै कैवण नै गयो व्हैला।" म्हैं मन में सोच्यो।

म्हैं ऊट नै फटाफट मोड्यो। ऊट अडोळो हो। ऊट रै थोडीक ओडी लगावता ई ऊट तो घोडा रो ई बाप वणग्यो। दिल में ओ ईज वै'म कै वाऽर जरूर चढैला। जे पनिया झिल तो ग्यो तो खाटी घणी करसी। इण गतागम में पडियोडो म्हैं ऊट माथै बैठोडो हवा सू वाता करू। पूरी ओचट में पडियोडो।

म्हैं थोडोक लारे कानी झाक्यो। जकी डर म्हारे मन में हो वो मूरत रूप लियोडो, सरणाट करतो म्हनै वोकारतो आवे। ऊटा माथै चढियोडा छ मोटियार हुडी करियोडा आवे। सैंगा रै कनै डागा। अवे भाग्या कुण जावण दे? म्हैं मारग माथै ई ऊट नै ढाव लियो क्यू कै मायला सफा नेडै आय पूग्या हा। मन में सोच्यो–'आज पनिया! मौत आयगी जिणमें फरक नीं।' ओक वार तो विचार करियो–'ऊट माथै ऊ कूद नै दौड जाऊ। अै आपरो डागो लेयने आपरो मारग पकड लेवेला। पाछो सोचियो कै अै दुस्मण नै यू छोड नै जावण आळा कद रा? आपा ऊट रै माथै ई वैठा रैवो, देखा कीकर व्हे? वाऽर आळा ऊट आय पूग्या।

"अवे ई वेटे नै ठा पडेला।" ओक जणो बोल्यो।

"कान्हा! कनफटी माथे गेडी ठोकने हेठो न्हाखै नीं इण परधनखाऊ नै।" दूजोडो बोल्यो।

म्हारे हाथ में गेडी पकड्योडी ने म्हैं पूरो सभळियोडो। कान्हो अधखड नै खासी गाढ आळो आदमी। पण कान्हे रो आगो की ढीलो। साथिया रै कै'णै सू म्हारे माथे गेडी झोंकी। कान्हे री गेडी म्हारै माथे आई, उण पुळ में म्हैं ऊट माथे बैठो ई म्हारी गेडी नै तोल ने दोनू हाथा रै पूरै वळ सू कान्हे आळी गेडी माथे झाट वाही। म्हैं भींभरियोडो नै पूरो तामस में आयोडो, ऊथडो व्हेय नै अेडी आकरी झाट वाही कै कान्हा'ळी गेडकी रा तीन टुकडा व्हिया। अेक जोर री दाकल रै साथे ई म्हैं ऊट माथे सू झुरग्यो। नीचै आवता इ वे सेंग जणा म्हारै माथे गेडिया लियोडा उलळग्या।

ठाकरा! हमें म्हारै माथे गेडिया बरसण लागी। म्हारै माथे हेकण साथे च्यार पाच गेडिया पडे पण म्हैं म्हारली गेडी सू पलाव करबो करियो। म्हारै डील रै म्हैं अेक ई गेडी नीं लागण दी। म्हारो बचाव करतो-करतो म्हैं मोकौ देखने गेडी रो अेक झपीड अेडो वाह्यो के भेळाई दोय जणा गुडग्या। वे तो अेडा सूता जाणे काल्है रा ई सूता हे। अब म्हारे सू खेटो करणिया तीन जणा रैया। वा रै माय अेक जणो तो कमजोर दिल रो आदमी हो, वो तो वा दोना रे गोडै बेठगो। वा तीना में अेक जणो घणी आकरी तास रो अर ताऊ मिनख। उण के टा म्हारै किण दिस ऊ लाटी ठोकी, जकी म्हारे मो'रा में पडी। माथे में पड जाय तो भेजी विखेर दे अर भखे में पड जाय तो सागे जाणा राख दे। म्हारै मौ'रा में लीड अर हियै में झाळ उपडगी। म्हैं गेडी उवागनै उण रै लारे ताचक्यो पण लारला दोनू जणा म्हारै माथे उलळियोडा आवै। म्हैं उण ने छोडनै लपाक सू पाछो घिरिया। दोनू लठमारा माथे म्हारली गेडी रो झपीड पड्यो। अेक जणो तो झपीड साथे ई जमीं माथे पसरग्यो नै दूजोडो दौडग्यो। वो दोडनै उण धकलै गोडै जाय पूग्यो। दोनू जणा ऊभा-ऊभा वाता करे गतागम में पडियोडा। साथीडा जमीन माथे पसरियोडा आंखिया सामी पडिया। बापडा आळोच करे।

म्हैं ई ठाकरा, अबै पूरो आऽळियोडौ हो। सफा आती आयोडो। पूरो खख व्हियोडो। पूरो गळ मे आयोडी। म्हैं वठे सू न्हाटण रो मतौ करियो। पण पाछो चेतो करियो कै न्हाटण सू तो इतरी ताळ करियोडे खेटे माथे पाणी फिरै। न्हाटण सू वात ई हळकी नै पोची लागै। म्हारै न्हाटण सू आरे मरियोडे दिल में सूरापण वापर जाय नै के टा अै भळै कळह करण नै त्यार व्हे जाय। यू तो ओ म्हारी कोरी वै'म ई

हो क्यू कै वे तो आप धापियोडा हा, छेहलौ नाकौ आयोडौ। तीन जणा रै खेरू होवण आळौ आळोच ई वारी छाती में मावै नीं हो। म्हारली गेडी रै लटका आळो भो ई पूरौ भरियोडौ हो वा में। पूरा फीटा पडियोडा हा। म्हैं अवै जावतौ-जावतौ वा नै थोडी गीदड भभकी वतावणी ठीक समझी।

म्है वोल्यौ-"कै गुटरक्या करौ हो ऊभा-ऊभा? भळे कीं मन में है? खेटा'ळी हूस व्है तो म्हारे कनै आ जावौ। था सारू तो म्हू अेकली ई सौ जितरौ हू।"

वै तो आपरै मन में आ ई सोचै हा कै कितरौ वेगी ओ अठा सू काळो मूडो करै। इणरी अठा सू पाप कटै तो आपा ई ढाणी नेडी ला। ओ तो चोर क्यारौ है, धाडवी सू ई भूडो है। वा रै कानी सू कीं पडूतर नीं आयौ जदै म्हैं उठा सू रवानै व्हैगौ। वा रै सामी तो म्हें मरोड-मठोठ सू होळै-होळै वुवौ पण आगै आया पछै तो गाव ताई म्हैं वडगडा इ आयौ। पाच जणा सू खेटौ करण में खासी टेचळ पडी। म्हारौ डील जरकायोडौ व्हे ज्यू व्हैगौ। व्याळू करिया पछै सोवती वगत म्हें भैंस रौ सेर भरियौ दूध लेयनै उणमें पाव भरियो घी नाख्यो अर चूल्हे माथै ओटायौ। दूध नै कढावती टेम उणमें चिनीक हळद नाख दी। ठडौ होवण सू पैला निवायौ-निवायो पीयग्यौ। दूध पीवता ई म्हैं खूटी ताण नै सोयग्यौ। दिनूगै दोय घडी दिन चढिया ऊठियो। डील अेकदम नरम नै चगौ। डील आळी दरद कुनै ई गयौ। विल्कुल रफा दफा। वारा पडग।

ठाकरा! देखो जोग री वात। उण ऊट आळी चोरी में म्हारै पल्लै कीं नीं पडियो। पल्लै पडियो सिरफ खेटो अर खेटै सू ई पैला जकी चीज पल्लै पडी वा ही गेडी। खेटे में वा गेडी म्हारी पूरी मदद करी। वा गेडी अजे म्हारै सजीरे आळै ओरे में पडी है। जद कदी उण गेडी नै म्हैं देखू, उण खेटे रा चित्राम परतख रूप सू म्हारी निजरा सामी फिरण नै लाग जावै।

पन्नै री वात पूरी व्ही। खतोड आळी वाखळ में वेठौडा सगळा वेली पन्नै रै मूडे सामी झाकै हा। ठाकर जोगजी पन्नै ने घणा-घणा रग नै धिनवाद देवता जावै हा। चोर री छाती सैंठी पण पग काचा हुया करै हे। बो छाती रै जोर सू हिम्मत तो करलै चोरी करण री, पण चिन्योक खुडकौ होवता ई भाग छूटे जदी तो पग काचा वाजै, पण पन्ना! थारा पग तो अेडा द्रिढ कै भला-भला रा पग पाछा दिराय नै छोडै।

"वाह रे पन्ना! भूपत! थारी दोनू वाता सुणने जीव सोरो होयग्यो भाईडा।" ठाकर जोगजी आपरी दाढी सुळझावता, गुमेज साथे मोटा-मोटा खेंखारा करता बोल्या।

गोकळ पन्ने आळी मोगरी घडने त्यार कर दीनी ही। पन्नो आपरी मोगरी लियोडो जावै हो अर ठाकर उणरी वा'दरी आळे कामा माथै मगन व्हियोडा उणरा विडद-वखाण वाचे हा। पाण-आपाण रै धणी अर सगत रे सूर पन्ने आळे चेटा रा चित्राम सैंगा रे हियै में माडणा री दाई मडग्या हा। जवानी रै दिना केडो आलोमल्ल हो पन्नो।

❑ ❑ ❑





डॉ. आसतअलीखां मलकांण

पिताश्री	सफरतखां मलकाण
जलम	१० जुलाई १९३९
गांव	नागौर जिले री डीडवाना तहसील रो गांव बेरी छोटी
भणाई	ऐम.ए., बी.एड. (वि.वि. जयपुर अर जोधपुर)

लिखारै री छपियोड़ी पोथियां

राजस्थानी १ ऊंडी दीठ (काव्य), २ आपनां रा सोरठा (सम्पेरित काव्य), ३ हिरदै रा पड़ी (निबन्ध), ४ रंगीलो राजस्थान (काव्य), ५ कुंडलिया सतसई (काव्य), ६ वीर बहतरी (काव्य), ७ उणियारा ओळ्खाणां (संस्मरण)

अणछपी पोथियां

१ राग री बातें (काव्य), २ मान सतसई (काव्य), ३ दैनिक नेम करम (काव्य) (अनवरि रै खुमिसुरा रो पद्यमय भावानुवाद), ४ धरम री जीत (खंड काव्य), ५ धेपळा री बातां (बात संग्रै), ६ दूहा री दरियाव (काव्य), ७ गजलां री गुलदस्तो (काव्य)

हिन्दी १ ईशोपनिषद् का हिन्दी पद्यमय भावानुवाद, २ धर्म की जीत (खण्ड काव्य)

पुरस्कार वीर बहतरी माथै सिविलियन सोसायटी फॉर एज्युकेशन जोधपुर सूं पुरस्कार

सम्मान

दलित साहित्य अकादमी नई दिल्ली सूं डॉ. अम्बेडकर एवार्ड।
राजस्थानी भाषा जालोर संस्थान मानी सूं नई दिल्ली में डी. आर.लिट. री उपाधि।

हिन्दी अर राजस्थानी री न्यारी न्यारी पत्रिकावां में बरसां सूं गद्य-पद्य में लगोलग प्रकासण।

राजस्थानी में आकासवाणी जोधपुर सूं काव्य अर कहाणी पाठ रो कैई बरसां सूं प्रसारण।

घणकरी गोष्ठियां अर कार्यशालावां में पत्रवाचन।

संपर्क गली नं. ६, कायम नगर, डीडवाना जिला नागौर